

//-- सुविचार --//

किसी भी जीवन में
आपका एकमात्र
दायित्व स्वयं के
प्रति सच्चा होना है।

सूर्योदय/सूर्यास्त

उदय : 06:32

अस्त : 05:21

प्रदेश का तापमान

स्थान	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	22.0	08.0
जमशेदपुर	26.0	10.0
हजारीबाग	23.0	06.0
डालटनगंज	25.0	06.0

संक्षिप्त खबरें

इसरो 12 को आठ विदेशी सहित 16 उपग्रहों को कक्षा में भेजेगा

चेन्नई। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) अपने पीएसएलवी-सी62 मिशन के तहत सोमवार (12 जनवरी) को ईओएस-एन1 (ईओएस-एन1) नामक पृथ्वी अवलोकन उपग्रह सहित कुल 16 उपग्रहों को अंतरिक्ष में प्रक्षेपित करेगा। इनमें आठ विदेशी उपग्रह भी शामिल हैं। यह प्रक्षेपण श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र के पहले लॉन्च पैड से किया जाएगा। इसरो की ओर से शनिवार को जारी बयान में बताया गया कि यह मिशन इसरो की वाणिज्यिक शाखा न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड (एनएसआईएल) द्वारा क्रियान्वित किया जा रहा है। ईओएस-एन1 उपग्रह के साथ 14 सहायक पेलोड (अनुसंधान उपकरण/उपग्रह) भेजे जाएंगे।

विश्व आर्थिक मंच की वार्षिक बैठक में देश के दस राज्य लेंगे भाग

प्रकृति के अनुरूप विकास होगा झारखण्ड का आधार

युवा झारखण्ड की भागीदारी पहली बार नव प्रदेश संवाददाता

रांची : विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की वार्षिक बैठक में भारत की ओर से दस राज्य भाग लेंगे। 19 से 23 जनवरी 2026 तक दावोस में आयोजित इस बैठक में दस राज्यों में झारखण्ड की पहली बार भाग ले रहा है। इस बैठक में के 'ट्रॉय' मंत्रियों सहित एक उच्च स्तरीय राष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडल भी शामिल होगा। बैठक में भाग लेने वाले राज्यों में झारखण्ड के अतिरिक्त महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, असम, मध्य प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, गुजरात, उत्तर प्रदेश और केरल शामिल हैं। बैठक में कई मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री प्रतिनिधिमंडलों का नेतृत्व करेंगे, जो वैश्विक आर्थिक और नीतिगत संवादों में देश की बढ़ती भागीदारी का घोटक है। ये सभी मिलकर भारत की आर्थिक प्राथमिकताओं, शासन सुधारों, विकास संबंधी महत्वाकांक्षाओं की एक व्यापक तस्वीर प्रस्तुत करेंगे।

झारखंड के 25 वर्ष पूरे होने पर यात्रा है खास

इस बैठक के लिए युवा झारखण्ड की यात्रा राज्य बनने के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में हो रही है जो राज्य की वैश्विक भागीदारी के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण है। झारखण्ड के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन कर रहे हैं। विश्व आर्थिक मंच में झारखण्ड की उपस्थिति शासन-आधारित विकास, स्थिरता और दीर्घकालिक संस्थागत क्षमता पर केंद्रित है जो वनों, खनिजों, श्रम प्रवासन और राज्यवासियों से समृद्ध राज्य की वास्तविकताओं को दर्शाती है। इसकी भागीदारी वैश्विक विकास संबंधी चर्चाओं में केवल चर्चा का विषय बनने से आगे बढ़कर उन्हें सक्रिय रूप से आकार देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण बदलाव का संकेत देती है। झारखण्ड की भागीदारी उन क्षेत्रों के दृष्टिकोण को स्पष्ट रूप से दर्शाती है जो सामाजिक और पर्यावरणीय संतुलन के साथ विकास, स्थिरता और संस्थागत लचीलेपन के साथ वैश्विक संवादों को सुदृढ़ रास्ता प्रदान करती है। झारखण्ड की भागीदारी राष्ट्रीय और वैश्विक नीतिगत क्षेत्रों में इसकी विकसित होती भूमिका और दावोस के लिए इसके विषय: प्रकृति के साथ सामंजस्यपूर्ण विकास के अनुरूप आर्थिक विकास को सामाजिक समानता और पर्यावरणीय सामंजस्य के साथ अंतरराष्ट्रीय संबंधों को

प्रगाढ़ करने की प्रतिबद्धता को भी प्रतिबिंबित करती है।

झारखण्ड के केंद्र में होंगी ये बातें

विश्व आर्थिक सम्मेलन में झारखण्ड की भागीदारी इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, ऊर्जा सुरक्षा, पर्यावरण, वन और जैव-अर्थव्यवस्था एवं महिला सशक्तिकरण पर केंद्रित होगी, ताकि राज्य को सतत विकास, न्यायसंगत परिवर्तन और समावेशी विकास के रास्तों पर वैश्विक चर्चाओं में स्थान मिल सके। क्रिटिकल मिनरल्स, नवीकरणीय ऊर्जा, विनिर्माण, खाद्य प्रसंस्करण, पर्यटन, स्वास्थ्य सेवा जैसे विषयों पर केंद्रित विषयगत सत्रों और द्विपक्षीय बैठकों में भाग लेगा। झारखण्ड अपने दीर्घकालिक विकास दृष्टिकोण और सतत एवं न्यायसंगत विकास के प्रति अपने दृष्टिकोण को स्पष्ट करने वाली चर्चाओं की मेजबानी भी करेगा। इन बैठकों का उद्देश्य बहुपक्षीय संस्थानों, सरकारों, शैक्षणिक संस्थानों और निजी क्षेत्र के स्टेकहोल्डर्स के साथ साझेदारी को मजबूत भी करना है।

हाइवा से टकराई स्कूटी, तीन युवकों की मौके पर मौत

जमशेदपुर। पूर्वी सिंहभूम जिले के मुसाबनी थाना क्षेत्र के सुरदा में शुक्रवार रात सड़क हादसे में तीन युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा सुरदा स्थित यूनियन बैंक के समीप उस समय हुआ, जब एक ही स्कूटी पर सवार चार युवक सड़क किनारे खराब खड़ी हाइवा से जा टकराए। दुर्घटना इतनी भयावह थी कि स्कूटी सहित सभी युवक हाइवा के नीचे घुस गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार घाटशिला थाना क्षेत्र के जगन्नाथपुर निवासी राहुल कर्मकार अपने दो सगे भाइयों रोहित कर्मकार और समीर कर्मकार तथा भांजा राज गोप के साथ दिन में सुरदा अपनी ससुराल गया था। शुक्रवार रात चारों एक ही स्कूटी पर सवार होकर सुरदा से अपने घर जगन्नाथपुर लौट रहे थे। इसी दौरान सुरदा यूनियन बैंक के पास अंधेरे के कारण सड़क किनारे पहले से खड़े हाइवा को वे देख नहीं पाए और स्कूटी उससे टकरा गई। हादसे में रोहित कर्मकार (21), समीर कर्मकार (18) और राज गोप (17) की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं राहुल कर्मकार (26) गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों की मदद से घायल राहुल को तत्काल घाटशिला अनुमंडल अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए जमशेदपुर के एमजीएम अस्पताल रेफर कर दिया गया। घटना की सूचना मिलते ही घाटशिला और मुसाबनी थाना की पुलिस घाटशिला अनुमंडल अस्पताल पहुंची और मामले की जानकारी ली।

कड़ाके की ठंड की चपेट में झारखंड

मैक्लुस्कीगंज @-2

खूंटी का तापमान 1.4 डिग्री पर

रांची। झारखंड के कई हिस्सों में शनिवार को भी शीतलहर का प्रकोप जारी रहा और राज्य के आठ जिलों में अचानक से न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे गिर गया। रांची से सटे मैक्लुस्कीगंज का पारा माइनस 2 डिग्री तक पहुंच गया है। आईएमडी ने बताया कि खूंटी जिला राज्य में सबसे ठंडा स्थान रहा, जहां न्यूनतम तापमान 1.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके बाद डालटनगंज में यह 3.5 डिग्री और बोकारो थर्मल में 6.1 डिग्री सेल्सियस रहा।

गुमला, रांची और खूंटी जिलों के लिए 'वेलो' अलर्ट जारी

मौसम विभाग के बुलेटिन के अनुसार, गुमला, रांची और खूंटी जिलों के लिए 'वेलो' अलर्ट जारी किया गया है। इन जिलों में रविवार सुबह 8:30 बजे तक शीतलहर की स्थिति बनी रहने की संभावना है।

दो से तीन डिग्री से. तक वृद्धि संभव

रांची स्थित मौसम केंद्र के उप निदेशक अभिषेक आनंद ने बताया, 'झारखंड के ऊपर क्षोभमंडलीय स्तर पर उत्तर-पश्चिमी से उत्तरी हवाएं लगातार चल रही हैं जिसके कारण राज्य के कई जिलों में शीतलहर की स्थिति बनी हुई है। उन्होंने यह भी कहा कि अगले 48 घंटों में न्यूनतम तापमान में दो से तीन डिग्री सेल्सियस तक वृद्धि हो सकती है। आईएमडी ने बताया कि पिछले 24 घंटों के दौरान रांची में न्यूनतम तापमान 6.4 डिग्री सेल्सियस, चाईबासा में 6.6 डिग्री और जमशेदपुर में 8.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके अलावा, खूंटी, गुमला, लातेहार, पाकुड़, डालटनगंज (पलामू), लोहरदगा, रांची और बोकारो ऐसे जिले रहे, जहां न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहा।



वित्तीय सहायता बनी आधार

उच्च शिक्षा में युवाओं का सपना हो रहा साकार

दिशोम गुरु श्री शिबू सोरेन जी

की 82 वीं जयंती के अवसर पर राज्य के विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य हेतु संचालित

गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना (GSCC)

के सक्रिय क्रियान्वयन पर संवाद कार्यक्रम

मुख्य अतिथि

श्री हेमन्त सोरेन

माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

बिहिष्ट अतिथि

श्री संजय सेठ

महानिदेशक उच्च शिक्षा, भारत सरकार, नई दिल्ली

श्री सुदिव्य कुमार

काजगीट रोड, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग, राज्य शिक्षण एवं अवसर विकास, पटौल, कलकत्ता संस्कृति, लखनऊ एवं गुप्त कार्ड विभाग

श्री सुरेश कुमार बैठा

काजगीट विभाग, उच्च शिक्षा विभाग, रांची

11 जनवरी, 2026 | 01:00 बजे अपराह्न। हरिवंश टाव्ना कला इन्डोर स्टेडियम, सोलगांव, रांची



सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, झारखण्ड सरकार

PR No. 370581 (IPRD) 2025-26

संक्षिप्त खबरें

रांची में आज मनारी जायेगी दिशोम गुरु शिबू सोरेन की जयंती, कैलेंडर का होगा विमोचन



रांची। झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा, रांची जिला के तत्वावधान में दिशोम गुरु शिबू सोरेन की जयंती 11 जनवरी को पूरे सम्मान और श्रद्धा के साथ मनाई जाएगी। यह कार्यक्रम पूर्वाह्न 11:00 बजे से मोरहाबादी मैदान स्थित बापू वाटिका के समक्ष आयोजित किया जाएगा। इसकी जानकारी मोर्चा के रांची जिला अध्यक्ष सुबोध कुमार लकड़ा ने शनिवार को दी। सुबोध कुमार लकड़ा ने बताया कि जयंती समारोह के दौरान दिशोम गुरु शिबू सोरेन के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित की जाएगी। इसके साथ ही उन्हें समर्पित एक विशेष कैलेंडर का विमोचन भी किया जाएगा। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के दौरान राज्य सरकार से यह मांग की जाएगी कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन की जयंती को ह्दसाहूकर महाजनी प्रथा विरोधी दिवसह के रूप में घोषित कर मानाया जाए, ताकि उनके सामाजिक संघर्ष और आदिवासी हितों के लिए किए गए योगदान को नई पीढ़ी तक पहुंचाया जा सके। सुबोध कुमार लकड़ा ने बताया कि इस अवसर पर मोर्चा के संस्थापक प्रधान सचिव पुष्कर महतो मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। वहीं, दक्षिणी छेटा नागपुर प्रमंडल की अध्यक्ष रोजलीन तिकी और प्रभारी अनधन लकड़ा विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शामिल होंगे। झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा ने सभी आंदोलनकारियों, समर्थकों और आम नागरिकों से कार्यक्रम में शामिल होकर दिशोम गुरु शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि अर्पित करने की अपील की है।

69वीं राष्ट्रीय स्कूली तीरंदाजी प्रतियोगिता का समापन आज, शिल्पी नेहा तिकी होंगी मुख्य अतिथि

रांची। झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद, रांची की ओर से आयोजित 69वीं राष्ट्रीय स्कूली तीरंदाजी प्रतियोगिता (अंडरआइ17 बालक एवं बालिका वर्ग) का समापन समारोह रविवार को आयोजित किया जाएगा। यह जानकारी शनिवार को परिषद द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी गई। विज्ञप्ति में बताया गया है कि प्रतियोगिता के समापन समारोह की मुख्य अतिथि झारखंड सरकार की कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिकी होंगी। उल्लेखनीय है कि 69वीं राष्ट्रीय स्कूली तीरंदाजी प्रतियोगिता (अंडर-17 बालक एवं बालिका वर्ग) का आयोजन 06 जनवरी से खेल गांव स्थित टिकैत उमराव शूटिंग स्टेडियम, रैंज-3 में किया जा रहा है। प्रतियोगिता में देशभर से आए खिलाड़ियों ने भाग लिया, जिसमें झारखंड के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कई पदक अपने नाम किए हैं।

जदयू प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में प्रदेश अध्यक्ष खीरु महतो ने कार्यकर्ताओं को दिया निर्देश प्रदेश कार्यालय को सात दिनों में भेजें निकाय चुनाव की सूची

नव प्रदेश संवाददाता

रांची। जदयू प्रदेश कार्यालय में राज्य कार्यकारिणी की एक दिवसीय बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष सह सांसद खीरु महतो ने की। बैठक में मजबूती के साथ निकाय चुनाव लड़ने, विभिन्न निकाय क्षेत्रों में व्याप्त भ्रष्टाचार, होलिंग टैक्स, वाटर टैक्स में वृद्धि के विरुद्ध जिला मुख्यालय एवं प्रखण्डों में एक दिवसीय धरना, निकाय चुनाव के मद्देनजर प्रदेश स्तर पर कोषांग का गठन, प्रदेश स्तर पर सदस्यता अभियान के प्रभारी की नियुक्ति जैसे महत्वपूर्ण प्रस्ताव पर कार्यकारिणी की सहमति ली गयी। बिहार चुनाव में शानदार जीत एवं वर्ल्ड बुक आफ रिकॉर्ड्स द्वारा नीतीश कुमार का नाम वैश्विक सूची में दर्ज करने पर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं बिहार के लोकप्रिय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को झारखण्ड जदयू की

मतदाता सूची मैपिंग कार्य 70 प्रतिशत पूर्ण, मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के.रवि कुमार ने कहा

एक भी पात्र मतदाता न छूटे

रांची। राज्य में विगत गहन पुनरीक्षण की मतदाता सूची से वर्तमान मतदाता सूची की मैपिंग का कार्य 70 प्रतिशत तक पूर्ण हो चुका है। शेष कार्य को शीघ्र और त्रुटिरहित ढंग से पूरा करने का निर्देश देते हुए मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के.रवि कुमार ने कहा कि एक भी पात्र भारतीय मतदाता सूची से न छूटे इस लक्ष्य को ध्यान में रखकर सभी पदाधिकारी कार्य करें।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी शनिवार को निर्वाचन सदन से सभी जिलों के जिला निर्वाचन पदाधिकारी, ईआरओ, एईआरओ एवं उप निर्वाचन पदाधिकारी के साथ समीक्षा बैठक कर रहे थे। उन्होंने विशेष रूप से शहरी क्षेत्रों में मतदाता सूची मैपिंग को प्राथमिकता देने का निर्देश दिया। साथ ही सरकारी कार्यालयों में कैप लगाकर पदाधिकारियों एवं कर्मियों को मैपिंग



कार्य के लिए प्रशिक्षित करने को कहा, ताकि अधिक से अधिक लोगों को सहायता मिल सके। उन्होंने बताया कि मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय द्वारा जारी किए गए स्टीकरोॅ पर संबंधित मतदान केंद्र के वीएलओ का नाम, मतदान केंद्र संख्या, विधानसभा क्षेत्र और मोबाइल नंबर अंकित किया जाना है। इन स्टीकरोॅ को

वीएलओ क्षेत्र में लगाया जाए, ताकि मतदाताओं को अपने वीएलओ से संपर्क करने में आसानी हो। इसके व्यापक प्रचार-प्रसार के साथ भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी 1950 टॉलफ्री नंबर और 'बुक ए कॉल' फीचर के गए, साथ ही गलत दस्तावेज पाए जाने पर त्वरित रिपोर्टिंग और कार्रवाई पर बल दिया गया।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि मतदाता सूची मैपिंग के दौरान

निर्धारित 8 चेकपॉइंट का सख्ती से पालन किया जाए। गलत मैपिंग से गहन पुनरीक्षण के समय गंभीर समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। उन्होंने बताया कि मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय द्वारा जारी किए गए स्टीकरोॅ पर संबंधित मतदाता सूची से की जाए और इसका पृथक रजिस्टर तैयार किया जाए। इसके अतिरिक्त एब्सेंट, शिफ्टेड, डेथ एवं डुप्लीकेट सूची का डिजिटलीकरण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया, जिससे आगामी गहन पुनरीक्षण की सुविधा हो।

बैठक में बोकारो जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपयुक्त अजय नाथ झा, नोडल पदाधिकारी (प्रशिक्षण) देव दास दाता, उप निर्वाचन पदाधिकारी धीरज ठाकुर, अवर निर्वाचन पदाधिकारी सुनील कुमार सहित ऑनलाइन माध्यम से सभी जिलों के जिला निर्वाचन पदाधिकारी, ईआरओ, एईआरओ एवं उप निर्वाचन पदाधिकारी उपस्थित रहे।

राजनीतिक दलों के बृथ लेवल एजेंट्स2 का प्रशिक्षण सुनिश्चित किया जाए, ताकि मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण के दौरान बेहतर समन्वय स्थापित हो सके। अन्य राज्यों से प्राप्त दस्तावेजों के वैरिफिकेशन का कार्य उसी दिन पूरा करने और अवकाश के दिनों में भी रेस्टर ड्यूटी की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए, साथ ही गलत दस्तावेज पाए जाने पर त्वरित रिपोर्टिंग और कार्रवाई पर बल दिया गया।

छत्रवृत्ति को लेकर एनएसयूआई ने केंद्र के खिलाफ निकाला जन आक्रोश मार्च

रांची। झारखंड में पिछले लगभग दो वर्षों से छत्र-छत्राओं को छत्रवृत्ति देने की मांग को लेकर शनिवार को नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) छत्र समंदन ने केंद्र सरकार के खिलाफ जन आक्रोश मार्च निकाला। यह मार्च मोरहाबादी मैदान से शुरू होकर लोक भवन तक पहुंचा। मार्च के दौरान छात्रों ने केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और छत्रवृत्ति जल्द जारी करने की मांग की। छत्र समंदनों ने आरोप लगाया कि छत्रवृत्ति की राशि राज्य और केंद्र सरकार भित्तिकर देती है, लेकिन केंद्र सरकार अपने हिस्से का 60 प्रतिशत फंड झारखंड को देने में असफल रही है। इसी कारण राज्य सरकार छत्रवृत्ति की राशि जारी नहीं कर पा रही है। एनएसयूआई नेताओं ने केंद्र सरकार पर झारखंड के साथ सौतेला व्यवहार करने का आरोप लगाया। उनका कहना है कि झारखंड में भाजपा सत्ता में नहीं है। इसलिए राज्य को फंड देने में भेदभाव किया जा रहा है। जन आक्रोश मार्च के समर्थन में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष कैपल महतो कान्लेश और बंधु तिकी भी शामिल हुए और छात्रों का मनोबल बढ़ाया।

रेफरेंस मार्केटिंग से बीसीआइ प्लेटिनम के सदस्यों को करोड़ों का लाभ



नव प्रदेश संवाददाता

रांची। बिजनेस क्रिएशन ऑफ इंडिया (बीसीआइ) प्लेटिनम की बैठक शनिवार को स्थानीय होटल में हुई। बैठक में पिछले माह के व्यवसायिक कार्यों की भी समीक्षा हुई। समीक्षा के दौरान सदस्यों ने बताया कि सदस्यों के एक दूसरे के रिफरेंस से लगभग 1 करोड़ 40 लाख रुपए का कारोबार हुआ। बैठक में सुजीत कुमार ने अकाउंट में सुझाव दिए और सभी जिलों के साथ सदस्यता को बढ़ावा देने का एक मोबाइल फोन भी ज्वब किया गया। इस सफल कार्रवाई में निरीक्षक शिशुपाल कुमार, एएसआई शक्ति सिंह, स्टाफ डी.के. सिंह, एस.पी. राय सहित सीआईबी रांची टीम का महत्वपूर्ण और सराहनीय योगदान रहा।

मैनैजमेंट विषय पर सदस्यों को उपयोगी प्रशिक्षण दिया। बीसीआइ के एमडी धीरज ग्रोवर, निदेशक शिव कुमार और रमेश कुमार ने सभी सदस्यों को मिलजुल कर एक दूसरे के व्यापार को बढ़ावा देने का आहवान किया। उन्होंने कहा कि बीसीआइ के सदस्य अपने परिवार की तरह एक दूसरे को आपसी सहयोग करें। नये साल में अपने व्यापार और कारोबार को नवी गति दें। उन्होंने कहा कि बीसीआइ का उद्देश्य कारोबार बढ़ाने के साथ-साथ नेटवर्किंग, सीख और सहयोग का माहौल तैयार करना है। संस्था आने

वाले महीनों में नए सदस्यों के साथ जुड़कर व्यावसायिक अवसरों का और विस्तार करेंगे। उन्होंने सभी सदस्यों से आह्व किया कि वे एक-दूसरे को रेफरेंस देकर पारस्परिक लाभ सुनिश्चित करें और नए साल में लक्ष्यों को दोगुना करने का संकल्प लें। बैठक में ग्रेगे विजिटर्स ने अपने अनुभव शेयर किया। धन्यवाद ज्ञापन बीसीआइ प्लेटिनम की उपाध्यक्ष जुली कुमारी ने दी। इस अवसर पर सचिव रोहन साहा, डॉ सजीत कुमार, संयम जैन, अमित सिन्हा, विशाल आनंद, समीर साहू, अमित मिश्रा समेत अन्य लोग मौजूद थे।

विश्व हिंदी दिवस भाषा से संस्कृति और संवेदना तक की यात्रा



डॉ आशुतोष प्रसाद

हर वर्ष 10 जनवरी को मनाया जाने वाला विश्व हिंदी दिवस केवल एक भाषा-दिवस नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना, ऐतिहासिक स्मृति और वैश्विक संवाद की आकांक्षा का उत्सव है। यह दिन हमें स्मरण कराता है कि हिंदी मात्र बोलचाल का माध्यम नहीं, बल्कि एक जीवंत संस्कृति, विचार परंपरा और मानवीय संवेदना की वाहक है। विश्व हिंदी दिवस की पृष्ठभूमि 1975 में नागपुर में आयोजित प्रथम विश्व हिंदी सम्मेलन से जुड़ी है, जिसने हिंदी को अंतरराष्ट्रीय मंच पर संगठित पहचान दी। हिंदी की सबसे बड़ी शक्ति उसकी समावेशिता है। यह भाषा संस्कृत की गंभीरता, लोकभाषाओं की सहजता, उर्दू की नजाकत और आधुनिक शब्दावली की लचीलापन-सबको आत्मसात करती चलती है। यही कारण है कि हिंदी किसी एक वर्ग, प्रदेश या विचारधारा की भाषा न होकर करोड़ों लोगों की साझा अभिव्यक्ति बन सकी है। खेतों से शहरों तक, लोकगीतों से संसद तक, प्रेम-पत्रों से डिजिटल मंचों तक-हिंदी हर जगह समान आत्मीयता से उपस्थित है।

आज के वैश्वीकरण और डिजिटल युग में हिंदी की भूमिका और भी व्यापक हुई है। सोशल मीडिया, ब्लॉग, वेब-पत्रिकाएं, ओटीटी मंच और पॉडकास्ट-इन सभी माध्यमों ने हिंदी को नई पीढ़ी से जोड़ी दिया है। पहले जहाँ वैश्विक संवाद का अर्थ केवल अंग्रेजी से जुड़ना माना जाता था, वहीं अब हिंदी भी अंतरराष्ट्रीय संवाद की सशक्त भाषा के रूप में उभर रही है। संयुक्त राष्ट्र, विदेशों के विश्वविद्यालयों और प्रवासी भारतीय समुदायों के प्रयासों से हिंदी विश्व के अनेक देशों में पढ़ी और पढ़ाई जा रही है। फिर भी, हिंदी के समक्ष चुनौतियाँ भी कम नहीं हैं। शिक्षा, विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में हिंदी की सीमित उपस्थिति, अंग्रेजी-केन्द्रित मानसिकता और शुद्धता बनाम प्रयोग की बहस-ये सभी प्रश्न गंभीर आत्ममंथन की मांग करते हैं। भाषा तभी जीवित रहती है जब वह समय के साथ बदलती है। अतः हिंदी को भी आधुनिक शब्दावली, वैज्ञानिक चिंतन और समकालीन अभिव्यक्ति से जोड़ना आवश्यक है, बिना उसकी आत्मा को खोए। विश्व हिंदी दिवस हमें यह भी सोचने का अवसर देता है कि हम व्यक्तिगत स्तर पर हिंदी के लिए क्या कर रहे हैं। क्या हम अपने बच्चों को हिंदी में सोचने और लिखने के लिए प्रेरित करते हैं? क्या हम कार्यालय, प्रशासन और तकनीकी संवाद में हिंदी के प्रयोग को सहज बनाते हैं? भाषा का संरक्षण केवल सरकारी नीतियों से नहीं, बल्कि दैनिक व्यवहार से होता है। जब हम गर्व के साथ हिंदी में बात करते हैं, लिखते हैं और रचते हैं, तभी भाषा सशक्त होती है। हिंदी साहित्य-कविता, कहानी, उपन्यास, नाटक और आलोचना-ने समय-समय पर समाज को आईना दिखाया है। यह साहित्य केवल सौंदर्यबोध नहीं रचता, बल्कि सामाजिक न्याय, मानवीय मूल्यों और लोकतांत्रिक चेतना को भी पोषित करता है। आज आवश्यकता है कि हिंदी साहित्य और पत्रकारिता को वैश्विक संदर्भों से जोड़ा जाए, अनुवाद की परंपरा को मजबूत किया जाए और नए लेखकों को अंतरराष्ट्रीय मंच दिए जाएँ।

अंततः, विश्व हिंदी दिवस हमें यह याद दिलाता है कि भाषा केवल स्प्रिणग का साधन नहीं, बल्कि पहचान और आत्मसम्मान का स्रोत है। हिंदी जितनी अधिक उदार, आधुनिक और आत्मविश्वासी बनेगी, उतनी ही विश्व-स्वीकृत होगी। आइए, इस विश्व हिंदी दिवस पर संकल्प लें कि हम हिंदी को केवल विरासत की भाषा नहीं, बल्कि भविष्य की भाषा बनाएँ-ऐसी भाषा जो ज्ञान, करुणा और संवाद के नए द्वार खोले। हिंदी का भविष्य तभी उज्ज्वल होगा जब हम उसे भावुक स्मृति की वस्तु नहीं, बल्कि सृजन और स्प्रिणग की सक्रिय भाषा के रूप में अपनाएँ। आज आवश्यकता इस बात की है कि हिंदी में विज्ञान, तकनीक, प्रबंधन, चिकित्सा और वैश्विक विमर्श की समृद्ध शब्दावली विकसित हो। अनुवाद के साथ-साथ मौलिक चिंतन और लेखन को बढ़ावा देना होगा, ताकि हिंदी केवल विचारों की अनुवादक न रहकर, स्वयं विचारों की जन्मी बन सके। विश्व हिंदी दिवस का संदेश स्पष्ट है-हिंदी को किसी भाषा के विरोध में नहीं, बल्कि भाषाई सह-अस्तित्व के भाव से आगे बढ़ाना होगा। बहुभाषिक समाज में हिंदी सेतु की भूमिका निभा सकती है, जहाँ विविध संस्कृतियाँ एक-दूसरे से संवाद कर सकें। यही हिंदी की लोकतांत्रिक आत्मा है-न थोपने की प्रवृत्ति, न संकुचित अभिमान। अंत में, यह दिन हमें आत्ममंथन के साथ आत्मगौरव भी देता है। यदि हम हिंदी में सोचने, प्रश्न करने, रचने और भविष्य गढ़ने का साहस करें, तो हिंदी स्वयं विश्वभाषा के रूप में स्थापित होगी। विश्व हिंदी दिवस पर यही सबसे सार्थक उत्सव है-हिंदी को जीना, हिंदी में रचना और हिंदी के माध्यम से दुनिया से संवाद करना।

(लेखक वरिष्ठ साहित्यकार हैं।)

एक नजर

झारखंड में आज से ठंड में राहत के आसार

रांची। झारखंड के लोगों को कड़ाके की ठंड से जल्द राहत मिल सकती है। मौसम विभाग ने शनिवार को जानकारी दी कि रविवार से राज्य के अधिकांश जिलों में शीतलहर में कमी आने की संभावना है। इसके चलते न्यूनतम तापमान में 02 से 03 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ोतरी दर्ज की जा सकती है। मौसम विभाग के अनुसार, ठंड में कमी के संकेत हैं, लेकिन राज्य के मध्यवर्ती जिलों रांची, खुर्दो, रामगढ़, हजारीबाग, गुमला, बोकारो, लोहरदगा, कोडरमा और धनबाद के कुछ इलाकों में रविवार को शीतलहर चलने की संभावना बनी रहेगी। इसे देखते हुए इन जिलों के लिए एलर्ट जारी किया गया है। बीते 24 घंटों की बात करें, तो इस दौरान राज्य में सबसे अधिक तापमान 26.8 डिग्री सेल्सियस चाईबासा में दर्ज किया गया, जबकि सबसे कम तापमान 1.5 डिग्री सेल्सियस खुर्दो में रिकॉर्ड किया गया। राजधानी रांची और आसपास के इलाकों में शनिवार को सुबह से ही शीतलहर चलने के कारण कनकनी बढ़ गई। हालांकि, दिन में शीतलहर के थमते ही धूप की तपिश महसूस की गई, जिससे लोगों को थोड़ी राहत मिली।

913वां खिंचड़ी भंडारा में पोंगल महाप्रसाद का आयोजन हुआ

नव प्रदेश संवाददाता

रांची। दिव्यदेशम् श्रीलक्ष्मी वेंकटेश्वर मंदिर में 10 जनवरी शनिवार को 913वें खिचड़ी भंडारे का आयोजन हुआ, जिसमें 1400 लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। अभी 16 दिसम्बर 2025 से धनुर्मास व्रत के अंतर्गत प्रतिदिन बालभोग नैवेद्य में भगवान को पोंगल के ही भोग लगाये जा रहे हैं। इसलिये इस शनिवार को भी खिचड़ी के बदले में पोंगल महाभोग का ही भंडारा किया गया। ऐसे खिचड़ी और पोंगल में कुछ मशालें का अंतर होता है। पोंगल में हल्दी नहीं डाले जाते हैं एवं दाल के साथ गोटा फुलाये हुये मूँग,उरद, कच्चे मटर और आलू का मात्रा अधिक होता है। यह बड़े ही स्वादु व्यञ्जन है। माना जाता है कि लक्ष्मी की अवतारिका श्रीगोदान्धा जी भगवान को पतिरूप में प्राप्त करने की इच्छा से धनुर्मास का व्रत



किया। व्रत शुरू करने के पहले संकल्प किया कि अंजन, काजल (खिचड़ी), पोंगल महाभोग का भंडारा और सुरमा न लगाऊँगी, तेल, इत्र भी न लगाऊँगी, पोंगल का ही भोग लगाऊँगी और उस भोग को ही पाऊँगी। तबसे दिव्यदेशिय मंदिरों में धनुर्मास व्रत के पूरे एक माह तक भगवान को पोंगल के ही भोग निवेदित किये जाते हैं। आज खिचड़ी), पोंगल महाभोग का भंडारा विकास शर्मा धर्मपत्नी रुचिता शर्मा और अश्विनी मिश्र धर्मपत्नी खुशबू मिश्र की ओर से जबकि दिनभर का भोग निवेदन किया उत्तम कुमार धर्मपत्नी डिम्पल ने। तीनों ही अजमान रांची निवासी हैं।

ओर से बधाई और शुभकामनाएं दी गयी। संसद के बजट सत्र के पश्चात संगठन की मजबूती के लिए राज्य के सभी जिलों में प्रदेश अध्यक्ष का दौरा होगा। बैठक में विधायक सरयू राय, पूर्व मंत्री राजा पीटर, पूर्व मंत्री सुधा चौधरी जैसे वरीय नेताओं ने निकाय चुनाव एवं सदस्यता के बिंदु पर पदाधिकारियों का मार्गदर्शन किया।

प्रदेश अध्यक्ष खीरु महतो ने सभी को नव वर्ष की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने निकायों में व्याप्त भ्रष्टाचार एवं जन समस्याओं पर सभी जिलों के अध्यक्षों को पकड़ा गया। आरपीएफ रांची मंडल के कमांडेंट पवन कुमार के निर्देश पर सतर्क ड्यूटी के दौरान मिली सूचना के आधार पर एसआई सोहन लाल के नेतृत्व में आरपीएफ पोस्ट रांची और सीआईबी रांची की संयुक्त टीम ने पीआरएस बुकिंग काउंटर क्षेत्र में छापेमारी की। इस दौरान रेलवे कार पार्किंग गेट के पास एक व्यक्ति को सटिच अवस्था में पकड़ा गया। आरपीएफ अधिकारियों की पृष्ठान्त में आगीत ने अपना नाम मनोज कुमार महतो बताया, जो बोकारो जिले के

चंदनकियारी का निवासी है। तलाशी के दौरान उसके पास से ट्रेन संख्या 20839 (रांची-नई दिल्ली राजधानी) की दो यात्रियों की तत्काल काउंटर टिकट बरामद की गई। आरपीएफ की पृष्ठान्त में आरोपित ने स्वीकार किया कि वह यात्रियों की तत्काल टिकट उपलब्ध कराने के बदले उनसे अतिरिक्त राशि वसूल करता था और इसी माध्यम से अवैध लाभ अर्जित कर रहा था। कार्रवाई के दौरान उसके पास से एक तत्काल काउंटर टिकट और रियलमी कंपनी का एक मोबाइल फोन भी जब्त किया गया। इस सफल कार्रवाई में निरीक्षक शिशुपाल कुमार, एएसआई शक्ति सिंह, स्टाफ डी.के. सिंह, एस.पी. राय सहित सीआईबी रांची टीम का महत्वपूर्ण और सराहनीय योगदान रहा।

विधायक सरयू राय ने कहा कि राज्य स्तर पर सदस्यता प्रभारी की नियुक्ति हो और सभी जिलों के साथ समन्वय स्थापित कर अधिक से अधिक संख्या में लोगों को पार्टी से जोड़ने का कार्य करें। निकाय चुनाव के लिए को आर्दिनेशन की जिम्मेदारी प्रदेश स्तर पर कमेटी गठित कर उसे दें। उन्होंने कहा सरकार ने पेशा कानून तो लाया मगर इसमें कुछ अशिक्ष संशोधन होने के



सागर उरांव बने गुमला

भाजपा जिला अध्यक्ष,

भाजपाइयों में उत्साह की लहर



गुमला: भारतीय जनता पार्टी ने सागर उरांव को गुमला जिला अध्यक्ष पद सौंपा है, जिससे

जिला भर के भाजपाइयों में हर्ष व्याप्त है। जिला उपाध्यक्ष प्रदीप प्रसाद ने इस नियुक्ति पर प्रसन्नता जाहिर करते हुए कहा कि सागर उरांव जैसे कर्तव्यनिष्ठ व्यक्ति का चयन सभी कार्यकर्ताओं के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने श्री उरांव को सहज हृदय और उदार गुणों वाला बताया तथा आशा व्यक्त की कि वे अपने दायित्वों का कुशलतापूर्वक निर्वहन करेंगे इस अवसर पर बधाई देने वालों में घाघरा मंडल अध्यक्ष किशोर जसवाल, कुमार रवि बिपिन बिहारी सिंह, अरुणजय सिंह, श्याम किशोर पाठक, अनिल प्रसाद, मुरली मनोहर सिंह, पण्णु गुप्ता, बादल राम, गोपाल गोप तथा अमित ठाकुर प्रमुख हैं। कार्यकर्ताओं का मानना है कि श्री उरांव के नेतृत्व में पार्टी गुमला जिले में नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ेगी। यह नियुक्ति स्थानीय स्तर पर भाजपा की संघटनात्मक मजबूती को दर्शाती है।

बरलंगा-कसमार-नेमरा पथ निर्माण का रास्ता साफ

रंजन वर्मा, नवप्रदेश

कसमार: वन भूमि अपयोजन एवं हस्तांतरण की स्वीकृति आज मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में हुई राज्य मंत्रिमंडल (कैबिनेट) की अहम बैठक में दी गई। इसके साथ ही अब पथ निर्माण अंतर्गत कसमार प्रखंड के चौड़ा मौजा एवं गोला प्रखंड के उपर बरगा एवं हेठ बरगा मौजा अंतर्गत सरकारी पैरमसरूवा, खासमहाल, जलल झाड़ी डिमेड फोरेस्ट भूमि पर सड़क निर्माण को लेकर वन विभाग द्वारा लगायी रोक भी हट गयी है। जिससे अब वनभूमि क्षेत्र में अटकवा हुआ कार्य शुरु हो पायेगा और जल्द ही सड़क निर्माण कार्य पूर्ण होगा।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के पैतृक गांव नेमरा से जुड़ती है यह सड़क : बता दें कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के पैतृक गांव नेमरा से होकर गुजरने वाली इस महत्वपूर्ण सड़क का निर्माण वन भूमि पहाड़ी के दोनों तरफ बोकारो जिले के कसमार

भाकपा माले गुमला

जिला कमेटी की बैठक में संगठन विस्तार पर जोर

नवप्रदेश, गुमला: पार्टी के सभी कार्यकर्ता उपस्थित हुए जिला सचिव कामरेड गजेंद्र सिंह ने कहा झामस का सम्मेलन की तैयारी को लेकर चर्चा किया गया जिसमें गुमला से 6 सदस्य को बगोदर में जाने के लिए सम्मेलन की तैयारी के लिए गुमला शहर प्रतिनिधि जाएंगे जाने वाले प्रतिनिधि कामरेड गजेंद्र सिंह कामरेड महेंद्र जेक्शन उरांव कां हुमायूं साहू कामरेड विद्यानंदराम कामरेड अजय लकड़ा कामरेड कविता कुमारी कामरेड सुष्मा देवी ललित साहू कामरेड विद्यासागर को समिति से चयन किया गया मौके पर कामरेड गजेंद्र सिंह ने कहा कि जिले में पार्टी का गतिविधि को मजबूती से कार्यकर्ताओं को कम करना होगा तथा पंचायत से लेकर जिला तक कमेटी का विस्तार किया जाएगा गोवा सरकारी योजनाओं में भ्रष्टाचार सरकारी योजनाओं में भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने लगाने के लिए सड़क से लेकर सदन तक आंदोलन किया जाएगा।

बोकारो में शुरु हुआ ‘रक्षक’ अभियान

रात 11 से सुबह 6 बजे तक 75 पुलिसकर्मी करेंगे गश्त



नवप्रदेश, बोकारो: आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और अपराधियों में खौफ पैदा करने के उद्देश्य से बोकारो पुलिस ने ह्दरक्षकह्द अभियान की शुरुआत की है। इस अभियान के तहत जिले के विभिन्न इलाकों में रात 11 बजे से सुबह 6 बजे तक पुलिस की सघन गश्त की जाएगी। पुलिस लाइन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान दोपहिया वाहनों के साथ 75 रक्षक पुलिसकर्मियों को मैदान में उतारा गया। ये जवान गलियों, चौक-चौराहों और संवेदनशील क्षेत्रों में लगातार पेट्रोलिंग करेंगे। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, हाल के दिनों में बढ़ते अपराध और आम जनता की सुरक्षा को लेकर

केंद्र की नीतियों से मनरेगा कमजोर होगा : बंधु

प्रस्तावित बदलावों को ग्रामीण रोजगार, पंचायत अधिकार और मजदूरों के हितों के खिलाफ बताया

नवप्रदेश संवाददाता

गुमला: राष्ट्रव्यापी मनरेगा बचाओ अभियान के तहत शनिवार को स्थानीय सर्किट हाउस में प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए जिला प्रभारी सह प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिवर्ती ने कहा कि मनरेगा में प्रस्तावित बदलाव किसी भी तरह से योजना में सुधार नहीं हैं, बल्कि यह ग्रामीण भारत से काम, सम्मान और पंचायतों के अधिकार छीनने की साजिश है।

उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार मनरेगा में अपने हिस्से की फंडिंग में करीब 40 प्रतिशत तक कटौती कर रही है, जिसके कारण ग्रामीण क्षेत्रों में काम के अवसर पहले से ही कम हो जाएंगे। सरकार द्वारा 125 दिन रोजगार देने का दावा पूरी तरह भ्रामक है। तिवर्ती ने स्पष्ट किया कि मनरेगा कानून के तहत हर ग्रामीण परिवार को साल में 100 दिन तक काम मांगने का अधिकार है,



जिसके लिए किसी केंद्रीय अनुमति की आवश्यकता नहीं थी, लेकिन नए बदलावों से यह अधिकार सीमित किया जा रहा है। बंधु तिवर्ती ने कहा कि पहले किसी भी ग्रामीण क्षेत्र में काम की मांग की जा सकती थी, जबकि अब काम केवल उन्हीं पंचायतों में मिलेगा जहां लागू होगा। इससे बड़ी संख्या में पंचायतें और

मजदूर योजना से बाहर हो जाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि मनरेगा का उद्देश्य साल भर रोजगार उपलब्ध कराना था, ताकि कृषि पीक सीजन के बाहर भी लोगों को काम मिल सके, लेकिन अब इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा है।मजदूरी के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि पहले मजदूरी दर में बढ़ोतरी और देरी से भुगतान

पर मुआवजे की व्यवस्था थी, लेकिन अब मजदूरी दर केंद्र द्वारा तय की जाएगी और वही अंतिम होगी। इससे न्यूनतम मजदूरी से भी कम भुगतान की आशंका है। पहले जहां मजदूरी का 100 प्रतिशत भुगतान केंद्र से होता था, अब केवल 60 प्रतिशत ही केंद्र देगा और शेष बोल्र राज्यों पर डाल दिया गया है।

महिलाओं के बीच राजनीतिक वेतना और जागरूकता जागने का संकल्प लिया गया

नवप्रदेश, गुमला: अखिल भारतीय प्रगतिशील महिला एसोसिएशन के द्वारा गुमला में सविता प्रजापति की अगुवाई में बैठक किया गया ऐपवा के द्वारा महिलाओं के बीच राजनीतिक जागरूकता साथ न्याय बराबरी आजादी के संघर्ष को तेज करने के लिए संकल्प लिया गया बैठक में ऐपवा को संगठित करने तथा देश में लगातार बढ़ते मनुवाद के आसार सामाजिक रूपरेखा बिगड़ने के असर तेज हो रहे हैं साथी हर क्षेत्र में जनजाति समुदाय की अपेक्षा हो रही है साथ ही **अरुम पहल :** उक्त पथ का जल्द से जल्द निर्माण कार्य पूर्ण कराने को लेकर गोमिया विधायक सह पेयजल एवं स्वच्छता तथा उत्पाद एवं मद्य निषेध मंत्री योगेंद्र प्रसाद महतो भी गंभीर रहे हैं। उन्होंने भी तत्परता पूर्वक पहल किया है। जिसके कारण आज पथ निर्माण कार्य पूर्ण होने की सारी अड़चन समाप्त हो गयी।

औरापाट गांव में परिवारों की ज़िंदगी

नवप्रदेश, गुमला : आकांक्षी प्रखंड डुमरी का औरापाट मॉडल गांव आज बदलाव की एक नई कहानी लिख रहा है। वर्षों से सीमित संसाधनों और अनिश्चित आय से जूझ रहे पी भी टी जी समुदाय के परिवारों के लिए विभिन्न योजनाओं के माध्यम से गांव के विकास हेतु कार्य किए जा रहें हैं।इसी क्रम में ग्रामीणों के लिए मशरूम उत्पादन एवं वैल्यू एडिशन परियोजना अब आजीविका की नई उम्मीद बनकर सामने आई है। इस पहल के माध्यम से ग्रामीणों को यह विश्वास दिलाया जा रहा है कि वे अपने घर पर रहकर, कम लागत में, सम्मानजनक और स्थायी आमदनी अर्जित कर सकते हैं। उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित के मार्गदर्शन पर उक्त योजना के अंतर्गत डुमरी प्रखंड के कुल 500 एवं जनजातीय परिवारों को चरणबद्ध रूप से मशरूम खेती और प्रशिक्षण से जोड़ा जाएगा, ताकि उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हो और वे आत्मनिर्भर

मशरूम खेती से गांव में आ रहा बदलाव

बन सकें।जिला योजना पदाधिकारी रमण कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि योजना के पहले कदम के रूप में औरापाट गांव के ग्रामीणों के बीच मशरूम किट का वितरण किया गया। इस दौरान ग्रामीणों को ऑक्स्टर मशरूम की खेती का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान खेत-खल्लह से लेकर घर के छोटे से कमरे तक मशरूम उगाने की सरल तकनीकें समझाई गईं। इस परियोजना का क्रियान्वयन ए पी पी इंटीग्रेटेड द्वारा किया जा रहा है, जिसकी कुल स्वीकृत लागत ₹54.71 लाख है। 1 वर्षीय इस योजना में लाभुकों को ऑक्स्टर मशरूम एवं बटन मशरूम की खेती हेतु प्रशिक्षण एवं टूल कीट वितरित किए जा रहे हैं। आगे चलकर गांव में मशरूम प्रोसेसिंग यूनिट, स्वयं सहायता समूहों का गठन, पैकेजिंग-ब्रांडिंग, एक्सपोर्ट विजिट तथा जिला मुख्यालय में मशरूम मार्ट की स्थापना की जाएगी।

पी. एम. श्री एस. एस.+2 उच्च विद्यालय कसमार में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया विश्व हिंदी दिवस

नवप्रदेश, कसमार: पी. एम. श्री एस. एस.+2 उच्च विद्यालय, कसमार, बोकारो के पावन प्रांगण में विश्व हिंदी दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. रंजीत कुमार झा ने की। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय के हिन्दी विषय के विद्वान शिक्षक राम बाबू शुक्ल द्वारा अपनी स्वरचित कविता ह्दहिंदी बोलो, हिंदी बोलोह्द के सस्वर पाठ से हुई। उन्होंने हिंदी भाषा के वैश्विक प्रचार-प्रसार पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए छत्र-छात्राओं को हिंदी के महत्व से अवगत कराया।

इसके पश्चात जीव विज्ञान के मूर्धन्य विद्वान शिक्षक महाकांत झा ने अपने विद्यार्थी जीवन की एक भावपूर्ण कविता का वाचन करते हुए हिंदी भाषा को जीवन से जोड़ने का प्रेरक संदेश दिया। इसी क्रम में विद्यालय के अंग्रेजी विषय के विद्वान शिक्षक एवं



पी. एम. श्री विद्यालय के नोडल पदाधिकारी डॉ. अवनीश कुमार झा ने ह्दहिमादितुं श्रृंग से प्रवृह्द शुह्द भारतीयह्द कविता का प्रभावशाली पाठ कर छत्र-छात्राओं में देशभक्ति की भावना जागृत की।अपने संबोधन में डॉ. अवनीश कुमार झा ने कहा कि हिंदी केवल एक भाषा नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक पहचान और राष्ट्रीय चेतना का संवाहक है। आज के वैश्विक परिदृश्य में हिंदी रोजगार, तकनीक और जनसंचार का एक सशक्त भाषा बनती जा रही है। विद्यार्थियों को चाहिए कि वे हिंदी को गर्व के साथ अपनाएं और इसे अपने जीवन व करियर से जोड़ें। अंत में

हिन्दी विषय के शिक्षक जितेन्द्र कुमार सिंह ने विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर हिंदी भाषा में रोजगार की संभावनाओं, उसके प्रचार-प्रसार एवं भविष्य की उपयोगिता को लेकर छत्र-छात्राओं को जागरूक किया। कार्यक्रम में सीमा ठाकुर, सुपन कुमारी, सीमा कुमारी, कैलाश कुमार, परमेश्वर बेसरा सहित अन्य शिक्षक एवं शिक्षिकाएं उपस्थित रहीं। वहीं छात्रों ने भी बह्द-चढ़कर भागीदारी निभाई। अंकित कुमार, माधव लाल, सूरज कुमार सहित कई विद्यार्थियों ने विश्व हिंदी दिवस से संबंधित आकर्षक पोस्टर बनाकर अपनी रचनात्मकता का परिचय दिया।

कसमार के भुरसाटांड में आदिवासी एकता मंच का वनभोज

मंत्री योगेंद्र प्रसाद हुए शामिल, झामुमो में हुआ जनसमर्थन का विस्तार

नवप्रदेश संवाददाता

कसमार बोकारो: कसमार प्रखंड अंतर्गत मुरहलसुदी पंचायत के ग्राम भुरसाटांड में आदिवासी एकता मंच द्वारा आयोजित वनभोज कार्यक्रम में झारखंड सरकार के माननीय मंत्री श्री योगेंद्र प्रसाद शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान पारंपरिक आदिवासी संस्कृति, सामाजिक एकता और आपसी सौहार्द का सुंदर दृश्य देखने को मिला।

इस अवसर पर राज्य सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों, गरीब-वंचितों के हित में चल रही योजनाओं एवं क्षेत्र में हो रहे विकास कार्यों से प्रभावित होकर कई लोगों ने झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) की सदस्यता ग्रहण की। मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने सभी नए सदस्यों को पार्टी का ओपनर पहनाकर झामुमो परिवार में स्वागत किया। मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने कहा कि आदिवासी समाज की एकता और संस्कृति ही झारखंड की



असली पहचान है। हमारी सरकार आदिवासी-मूलवासी समाज के अधिकार, सम्मान और विकास के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। आज जिस विश्वास के साथ लोग झारखंड मुक्ति मोर्चा से जुड़ रहे हैं, वह माननीय मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जी के

नेतृत्व में चल रही जनकल्याणकारी नीतियों की सफलता का प्रमाण है। हम सब मिलकर एक समूह, सशक्त और न्यायपूर्ण झारखंड के निर्माण के लिए निरंतर संघर्ष करते रहेंगे।ह्द कार्यक्रम के अंत में मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने आदिवासी एकता मंच के

पदाधिकारियों एवं ग्रामीणों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास की रोशनी पहुंचाने के संकल्प पर अडिग है। मौके पर सुभाष ठाकुर दिलीप हैब्रम कुलदीप कुमार आदि सैकड़ों कार्यकर्ता ग्रामीण मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

बिजली चोरी करने वालों के खिलाफ चलाया गया सघन छापामारी अभियान

चतरोवट्टी : झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक के निर्देश पर गोमिया प्रखंड अंतर्गत चतरोवट्टी थाना क्षेत्र के कई गांवों में विद्युत ऊर्जा चोरी करने वालों के खिलाफ सघन छापेमारी अभियान चलाया गया। इस छापेमारी में



चतरोवट्टी थाना क्षेत्र के ग्राम सर्वई निवासी कुंजलाल महतो पर 10 हजार 183 रुपये,बुट्टे खरना के तलेश्वर महतो पर 10 हजार 183 रुपये, तिरकोपी के बलेश्वर महतो पर 10 हजार183 रुपये,तुस्को के रोहित महतो पर 20 हजार 367रुपये,रवि कुमार पर 20 हजार367रुपये, बडकी सिधवारा के मुकेश कुमार पर 10 हजार 183 रुपये, बैजनाथ महतो पर 10 हजार 183 रुपये,उमेश करमाली पर 10 हजार 183 रुपये , उमेश महतो पर 10 हजार183 रुपये तथा चतरोवट्टी के दिपक कुमार पर 10 हजार183 रुपये बिजली चोरी कर सरकार को आर्थिक क्षति पहुंचाने का आरोप लगाया है। विद्युत आपूर्ति अवर प्रमंडल गोमिया

अघ्य कार्य करने पर कसमार के सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह अंचल अधिकारी को मिला प्रशस्ति पत्र

नवप्रदेश, कसमार (बोकारो) : झारखंड राज्य स्थापना दिवस,

2025 के अवसर पर उत्कृष्ट कार्य निष्पादन के लिए कसमार प्रखंड के सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह अंचल अधिकारी नरेंद्र कुमार सिंह को उपायुक्त –सह– जिला दंडाधिकारी अजय नाथ झा द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। उपायुक्त अजय नाथ झा ने विधानसभा क्षेत्र संख्या 34 गोमिया अंतर्गत निर्वाचन कार्यों में सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी के रूप में नरेंद्र कुमार सिंह द्वारा किए गए अनुकरणीय, पारदर्शी एवं कर्तव्यनिष्ठ कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि उनके कार्यों से निर्वाचन प्रक्रिया को मजबूती मिली है और प्रशासन की छवि सुदृढ़ हुई है। इस अवसर पर उपायुक्त ने उम्मीद जताई कि भविष्य में भी इसी प्रकार समर्पण भाव से कार्य करते हुए वे प्रशासनिक दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन करते रहेंगे। उपायुक्त अजय नाथ झा ने कहा कि श्री नरेंद्र कुमार सिंह ने



निर्वाचन संबंधी कार्यों में पूरी निष्ठा, ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ कार्य किया है। ऐसे कर्मठ अधिकारियों से प्रशासन को मजबूती मिलती है। अन्य अधिकारियों को भी इनसे प्रेरणा लेनी चाहिए। अंचल अधिकारी नरेंद्र कुमार सिंह का यह सम्मान भरे लिए गर्व का विषय है। मैं इसके लिए माननीय उपायुक्त महोदय का आभार व्यक्त करता हूं। यह प्रशस्ति पत्र मुझे आगे भी और बेहतर कार्य करने की प्रेरणा देगा। मैं भविष्य में भी पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करता रहूंगा। प्रशस्ति पत्र प्राप्त होने पर प्रखंड एवं अंचल कार्यालय के कर्मियों ने भी अंचल अधिकारी को बधाई दी।



नवप्रदेश, कसमार: कसमार प्रखंड अंतर्गत पंचायत भवन गरी में प्रखंड विकास पदाधिकारी नम्रता जोशी द्वारा पंचायत के जरूरतमंद एवं असहाय लोगों के बीच कंबल का वितरण किया गया। इस दौरान ठंड के मौसम को देखते हुए गरीब एवं वंचित वर्ग को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से यह वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में गरी पंचायत समिति सदस्य वर्षा देवी को आवंटित कंबलों का वितरण उनकी उपस्थिति में बीडीओ नम्रता जोशी द्वारा विधिवत रूप से समपन्न कराया गया। कंबल पाकर लाभार्थियों के चेहरे पर खुशी साफ

झलक रही थी। इस अवसर पर पंचायत प्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता एवं कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने सरकार की इस जनकल्याणकारी पहल की सराहना किया। बीडीओ नम्रता जोशी ने कहा कि राज्य सरकार की मंशा है कि कड़ाके की ठंड में कोई भी गरीब या जरूरतमंद व्यक्ति परेशान न हो। प्रशासन की ओर से लगातार प्रयास किया जा रहा है कि अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक सहायता पहुंचे। कंबल वितरण जैसी योजनाएं जरूरतमंदों को ठंड से राहत देने में सहायक साबित होंगी और आगे भी ऐसे कार्य निरंतर किए जाते रहेंगे।

माननीय न्यायमूर्ति झारखंड श्री गौतम कुमार चौधरी न्यायाधीश झारखंड उच्च न्यायालय 12 को गुमला दौरा

नवप्रदेश, गुमला : खेलकूद एवं युवा कार्य निर्देशालय झारखंड, रांची एवं जिला प्रशासन, गुमला के संयुक्त तत्वाधान में युवाओं को नशा मुक्त एवं क्रियाशील बनाने तथा उन्हें नशा के विरुद्ध जागरूक करने के उद्देश्य से मुख्य अतिथि माननीय न्यायमूर्ति श्री गौतम कुमार चौधरी न्यायाधीश झारखंड उच्च न्यायालय, रांची एवं

अन्य विशिष्ट अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति में दिनांक 12.01.2026 समय 10 :30 बजे, स्थान – परमवीर अल्टर्नैट एक्का स्टेडियम, गुमला में जिला स्तरीय कुष्ण उरांव स्मृति एथलेटिक्स प्रतियोगिता 2025–26 का आयोजन किया गया है, जिसमें सभी प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के पत्रकार सादर आमंत्रित है।

बाल विवाह व सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ बड़ा कदम, 850 से अधिक प्रतिभागियों ने लिया प्रशिक्षण



नवप्रदेश, गुमला : उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित के मार्गदर्शन पर जिला समाज कल्याण विभाग के नेतृत्व गुमला जिले के बसिया अनुमंडल में सामाजिक कुरीति निवारण योजना, राज्य सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं तथा बाल विवाह मुक्त झारखण्ड अभियान से संबंधित अनुमंडल स्तरीय एकदिवसीय प्रशिक्षण-सह–कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यशाला जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, गुमला की अध्यक्षता में संपन्न हुई, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में डीसीएलआर, बासिया एवं एसडीपीओ, बासिया उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त सीडीपीओ, कमडावा, जनप्रतिनिधि, मुखिया तथा अन्य विभागीय पदाधिकारियों की सक्रिय सहभागिता रही।कार्यशाला में आंगनबाड़ी सेविका एवं सहायिका, पंचायत सचिव, मुखिया, जेएसएलएएस से जुड़ी स्वयं सहायता समूह की महिलाएं, सामुदायिक सदस्य सहित कुल 850 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न सामाजिक कल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। विशेष रूप से बाल विवाह की रोकथाम, इसके

सामाजिक व कानूनी प्रभाव, वर्तमान स्थिति, अधिकारियों की भूमिका, सामुदायिक सहभागिता तथा आगे की कार्ययोजना पर गहन प्रशिक्षण एवं जागरूकता सत्र आयोजित किए गए। साथ ही डायन प्रथा जैसी अमानवीय सामाजिक कुरीतियों पर भी विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। कार्यशाला की शुरुआत करते हुए जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, गुमला आरती कुमारी ने कार्यशाला के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि बाल विवाह एवं सामाजिक कुरीतियां समाज के समग्र विकास में बड़ी बाधा हैं। राज्य सरकार बाल विवाह मुक्त झारखण्ड के निर्माण तथा सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन हेतु निरंतर प्रयासरत है, किंतु प्रशासन के साथ-साथ समाज की सक्रिय भागीदारी से ही इन कुरीतियों का स्थायी समाधान संभव है। अपने संबोधन में डीसीएलआर, बासिया शेखर कुमार ने कहा कि बाल विवाह एक गंभीर सामाजिक कुरीति है, जिसके मूल कारणों को समझते हुए सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं। वहीं एसडीपीओ, बसिया नाजिर अख्तर ने अपने संबोधन में कहा कि डायन प्रथा एवं बाल विवाह दोनों ही अत्याच गंभीर सामाजिक समस्याएं हैं।



राष्ट्रभाषा क्यों नहीं है हिन्दी

हर साल 10 जनवरी को विश्व हिंदी दिवस मनाया जाता है। हिंदी दुनिया की तीसरी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा है। अंग्रेजी और मैडरिन चाइनीज के बाद दुनिया में हिंदी तीसरे नंबर पर बोली जाने वाली भाषा है। लेकिन भारत की राष्ट्रभाषा नहीं है। भारत में हिंदी को राष्ट्रभाषा का दर्जा नहीं दिया गया है। हिंदी भारत की राष्ट्रभाषा है या नहीं? अक्सर जनरल नॉलेज (जॉके) में यह सवाल पूछा जाता है। इसे लेकर भी काफी डिबेट होती रहती है। इसके पीछे वजहों को समझना भी जरूरी है। दरअसल भारत एक विविधताओं से भरा देश है और यही इसकी बड़ी पहचान भी है। यहां अनेक भाषाएं और बोलियां, लिखी और पढ़ी जाती हैं। इसी वजह से भारत में हिंदी को राष्ट्रभाषा का दर्जा नहीं दिया गया है। यह सच है कि भारत की बड़ी आबादी (करीब 43 प्रतिशत) को भाषा हिंदी है, लेकिन अन्य भाषाएं बोलने वालों की संख्या भी कम नहीं है। बड़ी संख्या में लोग न हिंदी बोलते हैं और न समझते हैं और न सभी को एक राष्ट्रभाषा सोखने और बोलने की कोई बाध्यता है। सभी भाषाओं को सम्मान और आदर मिला हुआ है। मातृभाषा बोलने, लिखने और पढ़ने की स्वतंत्रता है। ब्रिटिश शासन से स्वतंत्रता के बाद भारत में हिंदी भाषा को लेकर कानून बनाने की पहल की गयी। उस वक कन्हैयालाल माणिकलाल गुंशी और नरसिम्हा गोपालस्वामी आंयंगर को भाषा संबंधी कानून बनाने की जिम्मेदारी सौंपी गयी। डॉ. भीम राव आंबेडकर को कमेटी का अध्यक्ष बनाया गया था। 14 सितंबर 1949 को संविधान के अनुच्छेद 343 और 351 के तहत बने कानून में हिंदी को भारत की राजभाषा का दर्जा दिया गया। इसके बाद 1953 से हर साल भारत में 14 सितंबर को नेशनल हिंदी मनाया जाता है। भारत के संविधान के भाग 17 के अनुच्छेद 343 (1) में कहा गया है कि हिंदी भारत की राजभाषा होगी और लिपि देवनागरी होगी। हालांकि सरकारी कामकाजों में 15 साल के लिए हिंदी को लागू किया गया था, लेकिन 15 साल बाद भी ज्यादातर कामकाज अंग्रेजी भाषा में हो रहा था। तब संविधान में अन्य भाषाओं को भी मान्यता दी गयी। आजादी के बाद भाषा को लेकर सबसे बड़ा सवाल था कि क्या हिंदी सिर्फ भारत तक सीमित रहेगी या दुनियाभर में पहचान मिलेगी या नहीं? क्योंकि उस समय अंग्रेजी वैश्विक भाषा बन चुकी थी। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्पेनिश, फ्रेंच, चीनी भाषा मजबूत हो रही थी और हिंदी कमजोर थी। यहीं से हिंदी को वैश्विक भाषा बनाने की कोशिशें शुरू हुईं। लेकिन 1975, ऐतिहासिक तारीख बन गयी, क्योंकि इस दिन भारत की तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने पहला विश्व हिंदी सम्मेलन का आयोजन किया जिसमें 30 से ज्यादा देशों के हिंदी विद्वान शामिल हुए। सम्मेलन में हिंदी को विश्व स्तर पर पहचान दिलाने को लेकर गंभीर चर्चा हुई। तय हुआ कि विदेशों में हिंदी पढ़ाई जाएगी, रिसर्च इंस्टीट्यूट शुरू किए जाएंगे और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों का आयोजन किया जायेगा। उसी संकल्प के कारण आज हिन्दी दुनिया की तीसरी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा है। उस ऐतिहासिक दिन की याद में भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने 2006 में 10 जनवरी को विश्व हिंदी दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की। तब से हर साल 10 जनवरी को विश्व हिंदी दिवस मनाया जाता है।

सुधा

यंग लीडर्स डायलॉग और युवा शक्ति से विकसित भारत

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

यह कोई साधारण जनवरी नहीं है। यह वह समय है जब राष्ट्र अपनी सबसे बड़ी पुंजी, यानी युवा शक्ति से सीधा संवाद करने जा रहा है। प्रश्न सरल हैं, पर गहन हैं। क्या हम केवल भविष्य की बातें करेंगे या भविष्य का निर्माण भी करेंगे। इसी प्रश्न के केंद्र में 12 जनवरी 2026 को आयोजित होने वाला विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग खड़ा है और इसी संवाद की घड़कन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वह आवाज सुनाई देती है जो युवा उनके साथ मिलकर राष्ट्र निर्माण की यात्रा तय करना चाहते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा है कि अद्भुत जोश और बेमिसाल जल्बे से भरी हमारी युवा शक्ति सशक्त और समृद्ध राष्ट्र के लिए संकल्पबद्ध है। यह कथन देखा जाए तो समकालीन भारत की राजनीतिक और सामाजिक चेतना का सार है। यह वक्तव्य प्रधानमंत्री मोदी के आधिकारिक वक्तव्य के संकलन Exam Warriors में युवाओं के संदर्भ में थक विचारों की निरंतरता को दर्शाता है: (लेखक: नरेंद्र मोदी, प्रकाशक: पीपन डीडिया, संस्करण 2018, पृष्ठ 23)। 12 जनवरी 2026 को स्वामी विवेकानंद की जयंती और राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर नई दिल्ली के सफल मंडप में आयोजित इस संवाद में प्रधानमंत्री देशभर से चयनित लगभग तीन हजार युवा नेताओं और अंतरराष्ट्रीय प्रवासी समुदाय के युवा प्रतिनिधियों से संवाद करेंगे। यह संवाद इस विश्वास को पुष्ट करता है कि भारत का युवा सिर्फ सुनने वाला वर्ग नहीं, बल्कि नीति निर्माण की प्रक्रिया का सक्रिय भागीदार है। यही कारण है कि इस मंच पर युवा नेता शिक्षा, स्वास्थ्य, तकनीक, सामाजिक न्याय, पर्यावरण और शासन जैसे विषयों पर अपना संवाद करने आज प्रखरता के साथ संवाद करने आगे आ रहे हैं। अब प्रश्न उठता है कि 12 जनवरी ही क्यों। इसका उत्तर भारत की राष्ट्रीय चेतना से जुड़ा है। 12 जनवरी 1863 को जन्मे स्वामी विवेकानंद भारत के लिए सिर्फ एक संन्यासी नहीं थे, वे भारत की युवा चेतना के शिल्पकार हैं। उनका प्रसिद्ध कथन उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए, आज भी युवाओं के लिए जीवन मंत्र है। यह उद्धरण स्वामी विवेकानंद की पुस्तक Lectures from Colombo to Almora में संकलित है (लेखक: स्वामी विवेकानंद, अद्वैत आश्रम प्रकाशन, कोलकाता, पृष्ठ 16)। स्वामी विवेकानंद का विश्वास था कि युवा समाज की सबसे शक्तिशाली ऊर्जा होते हैं। उन्होंने कहा था कि युवाओं में लोहे जैसी मांसपेशियां और फोलादी नसें होनी चाहिए, जिनका हृदय वज्र तुल्य संकल्प से भरा हो। यह हि्वार The Complete Works of Swami Vivekanand के खंड 3 में युवाओं को संबोधित व्याख्यानों में मिलता है (लेखक: स्वामी विवेकानंद, अद्वैत आश्रम, खंड 3, पृष्ठ 242)। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा आत्मनिर्भर भारत, स्वस्थ भारत और विकासशील भारत की जो परिचयपत्र प्रस्तुत की जा रही है, वह विवेकानंद के उसी वज्र संकल्प का आधुनिक रूप है। आत्मनिर्भर, स्वस्थ भारत अभियान के अंतर्गत ग्रामीण और शहरी स्वास्थ्य ढांचे के सुदृढीकरण पर किया जा रहा निवेश इस विचार के लिए समर्थन देता है कि स्वस्थ नागरिक ही सशक्त राष्ट्र का निर्माण कर सकते हैं। यह ही विचार है जिसे विवेकानंद ने कहा था कि कमजोरी मृत्यु है और शक्ति ही जीवन है, जिसका उल्लेख The Complete Works of Swami Vivekananda, खंड 1, पृष्ठ 18 पर मिलता है। शिक्षा के क्षेत्र में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भी विवेकानंद के विचारों की ही प्रतिबिम्ब है। स्वामी विवेकानंद ने स्पष्ट कहा था कि शिक्षा जागरूकता का बोझ नहीं होनी चाहिए, वह चरित्र निर्माण का साधन बने। यह कथन My Idea of Education नामक संकलन में मिलता है (लेखक: स्वामी विवेकानंद, रामकृष्ण मिशन, पृष्ठ 32)। नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने स्वामी विवेकानंद के विषय में लिखा था कि स्वामीजी इसलिए हैं क्योंकि उन्होंने पूर्व और पश्चिम, धर्म और विज्ञान, अतीत और वर्तमान के बीच समंजस्य स्थापित किया। यह उद्धरण नेताजी की पुस्तक The Indian Struggle में विवेकानंद पर लिखी टिप्पणी से उद्धृत है (लेखक: सुभाष चंद्र बोस, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, पृष्ठ 288)। प्रसिद्ध इतिहासकार ए. एल. बायाम कहते हैं कि स्वामी विवेकानंद को भविष्य में आधुनिक दुनिया के प्रमुख निर्माताओं में याद किया जायेगा।



डॉ. मनसुख मांडविया

भारत के युवाओं ने हमेशा देश के निर्णायक क्षणों में मुख्य भूमिका निभाई है, स्वतंत्रता संग्राम से लेकर स्वतंत्र भारत के संस्थानों के निर्माण तक। हर मोड़ पर, युवा भारतीय साहस, विश्वास और नेतृत्व करने की इच्छा के साथ आगे बढ़े हैं। केवल भागीदारी के लिए नहीं, बल्कि भारत की विकास कहानी के साझा-निर्माण का नेतृत्व करने और इसे गति देने के लिए, आज, राष्ट्र फिर से अपने युवाओं की ओर देख रहा है। 2047 में विकसित भारत का विजन केवल आर्थिक प्रगति तक सीमित नहीं है; यह सामाजिक सद्भाव, पर्यावरण जिम्मेदारी, तकनीकी मार्गदर्शन और समावेशी विकास की भी मांग करता है।



श्वेता गोयल

उन्होंने उस दौरान जेल से ही अपनी पत्नी ललिताजी को एक पत्र लिखकर पूछा कि उन्हें संस्था से पैसे समय पर मिल रहे हैं या नहीं और क्या इतनी राशि परिवार की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए पर्याप्त है? पत्नी ने उत्तर लिखा कि उन्हें प्रतिमाह पचास रुपये मिलते हैं, जिसमें से करीब चालीस रुपये ही खर्च हो पाते हैं, शेष राशि वह बचा लेती हैं।

अभिव्यक्ति

विकसित भारत के लिए युवा नेतृत्व का सशक्तीकरण

भारत की विकास कथा उन लोगों द्वारा लिखी जाएगी, जो आज इसके विचारों को स्वरूप दे रहे हैं। पूरे देश में, युवा भारतीय अब बारे में गहराई से सोच रहे हैं कि भारत कैसे तेजी से आगे बढ़ सकता है, कैसे बेहतर शासन कर सकता है और किस प्रकार 2047 तक विकसित देश बन सकता है। उनके विचार विश्वविद्यालय परिसरों और समुदायों, स्टार्ट-अप और खेल के मैदानों, कक्षाओं और गांव की बैठकों में उभरकर सामने आ रहे हैं। वास्तविक सवाल अब यह नहीं रहा कि क्या युवाओं के पास योगदान देने के लिए कुछ है, बल्कि यह है कि क्या उनके विचारों को राष्ट्र की दिशा को प्रभावित करने के लिए एक सशक्त मंच दिया जा रहा है। विकसित भारत युवा नेता संवाद (वीबीवाईएलडी) को ऐसा ही मंच प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

आज भारत में विश्व की सबसे बड़ी युवा आबादी निवास करती है। इसलिए यह स्वाभाविक ही है कि राष्ट्र के भविष्य की दिशा केवल नीतियों या संस्थाओं से नहीं, बल्कि इसके युवा नागरिकों की कल्पना, दृढ़ विश्वास और साहस से निर्धारित होगी। विशाल युवा शक्ति का यह भंडार केवल जनसांख्यिकीय लाभ नहीं है; यह भारत की सबसे बड़ी राष्ट्रीय परिसंपति है, जो नवाचार को गति देने, लोकतंत्र को मजबूत करने तथा देश को समावेशी और सतत विकास की दिशा में आगे बढ़ाने में सक्षम है।

भारत की युवा पीढ़ी की आकांक्षाओं को मजबूत उद्देश्य और संभावना से मार्गदर्शन मिलता है। आज का युवा केवल व्यक्तिगत उन्नति से प्रेरणा प्राप्त नहीं करता है; वह जिम्मेदारी उठाने और सार्थक प्रभाव डालने की इच्छा से भी प्रेरित होता है। वे ऐसे रास्तों की खोज करते हैं, जहां उनकी रचनात्मकता, समाधानों में बदल सके, उनकी ऊर्जा नेतृत्व में और उनकी महत्वाकांक्षा सेवा में परिवर्तित हो सके।

युवा मामले और खेल मंत्रों के रूप में अपने कार्याकाल के दौरान, मुझे विभिन्न पृष्ठभूमियों में - खेल मैदानों में और युवा नेतृत्व वाली सामुदायिक पहलों में - युवा भारतीयों के साथ बातचीत करने का अवसर मिला है। जो चीज हमेशा स्पष्ट रूप से दिखाई देती है, वह यह है कि युवा लोग देश के भविष्य के बारे में कितनी गंभीरता से सोचते हैं। मुझे वह मौका याद है जब मैं ग्रामीण युवा स्वयंसेवकों के एक समूह से मिला, जिन्होंने अपने गाँवों में अनौपचारिक शिक्षा केंद्रों का आयोजन किया था। सीमित संसाधनों के बावजूद, दृढ़ विश्वास के साथ, वे शिक्षा वाली विकास की कमियों का स्थानीय रूप से डिज़ाइन किए गए उपायों के



माध्यम से समाधान कर रहे थे। उनके विचार व्यावहारिक थे, जमीनी वास्तविकताओं से जुड़े थे और जिम्मेदारी की स्पष्ट भावना से संचालित थे। इस तरह के अनुभव एक सरल सच्चाई की पुष्टि करते हैं: जब युवा लोगों पर भरोसा किया जाता है और उन्हें स्थान दिया जाता है, तो वे केवल भाग नहीं लेते, बल्कि नेतृत्व करते हैं।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने लाल किले से आह्वान किया था कि ऐसे एक लाख युवाओं को सार्वजनिक जीवन में लाया जाना चाहिए, जिनकी कोई राजनीतिक पृष्ठभूमि न हो। प्रधानमंत्री की इसी भावना से प्रेरित होकर जनवरी 2025 में 'विकसित भारत युवा नेता संवाद' कार्यक्रम का शुभारंभ किया ग़या, जिसमें राष्ट्रीय युवा महोत्सव की परिकल्पना पूरी तरह से नए प्रारूप में की गयी है। प्रतिक्रिया अभूतपूर्व रही। विकसित भारत चुनौती के माध्यम से 30 लाख से अधिक युवाओं ने भाग लिया, दो लाख से अधिक निबंध प्रस्तुत किए गए और हजारों युवाओं ने राज्य स्तर पर अपने विचार प्रस्तुत किए। इस आयोजन का समापन दिल्ली के भारत मंडप में हुआ, जहां 3,000 युवा नेताओं को प्रधानमंत्री के साथ खुलकर संवाद करने का अवसर मिला, जिन्होंने कई घंटों तक उनके विचार सुने और उन्हें नेतृत्व करने के लिए प्रेरित किया। संख्याओं से परे, सहभागिता की प्रकृति ने इस संवाद को वास्तव में ऐतिहासिक बनाया। हम मान्यता दी कि भारत की युवा शक्ति के विचार 2047 के भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण हैं। युवा प्रतिभागियों को राष्ट्रीय चुनौतियों के बारे में गंभीरता से सोचने, समाधान प्रस्तुत करने और व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा को साझा उद्देश्य के साथ जोड़ने के लिए प्रोत्साहित किया गया, जिससे आकांक्षा और क्रियान्वयन के बीच का अंतर समाप्त हो गया। विकसित भारत युवा नेता संवाद की ताकत केवल

इसके पैमाने में नहीं, बल्कि इसके डिज़ाइन में है। विचार, भाषा, संस्कृति और अनुभव की विविधता इस पहल की संरचना में निहित है। शहरी और ग्रामीण भारत के युवा, छात्र और पेशेवर, नवोन्मेषी और जमीनी नेता एक मंच साझा करते हैं। कई स्तरों की भागीदारी सुनिश्चित करती है कि संवाद और आदान-प्रदान के माध्यम से विचार परिष्कृत होंगे, न कि भौगोलिक, भाषा या पृष्ठभूमि के कारण विचारों को छोट दिया जाएगा। ऐसा करके, संवाद सुनिश्चित करता है कि भाग लेने वाले हर युवा के पास अपनी बात को रखने का अवसर है और उसे विस्तार देने का एक मंच भी है।

भारत के युवाओं ने हमेशा देश के निर्णायक क्षणों में मुख्य भूमिका निभाई है, स्वतंत्रता संग्राम से लेकर स्वतंत्र भारत के संस्थानों के निर्माण तक। हर मोड़ पर, युवा भारतीय साहस, विश्वास और नेतृत्व करने की इच्छा के साथ आगे बढ़े हैं। केवल भागीदारी के लिए नहीं, बल्कि भारत की विकास कहानी के साझा-निर्माण का नेतृत्व करने और इसे गति देने के लिए, आज, राष्ट्र फिर से अपने युवाओं की ओर देख रहा है। 2047 में विकसित भारत का विजन केवल आर्थिक प्रगति तक सीमित नहीं है; यह सामाजिक सद्भाव, पर्यावरण जिम्मेदारी, तकनीकी मार्गदर्शन और समावेशी विकास की भी मांग करता है। इन जटिल चुनौतियों के लिए ताजा सोच, अनुकूलन क्षमता और अभिनव को अपनाने की योग्यता की आवश्यकता है: ये गुण भारत की युवा शक्ति में प्रबल रूप से मौजूद हैं।

पहली ऐतिहासिक संस्करण की शानदार सफलता के आधार पर, वीबीवाईएलडी2026, जो 9-12 जनवरी 2026 को आयोजित किया जाएगा, राष्ट्रीय युवा सम्मेलन से एक ऐसे मंच की ओर निर्णायक छलांग का संकेत देता है जिसकी

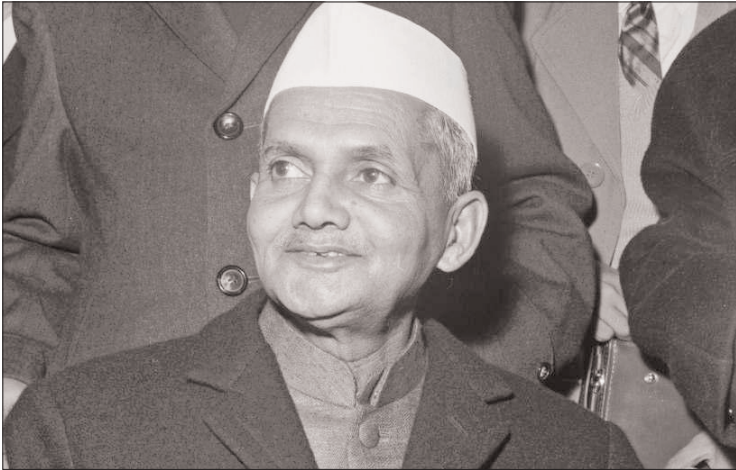
प्रतिष्ठिति वैश्विक है। भारत के लिए डिज़ाइन और विकसित भारत के लिए प्रौद्योगिकी जैसी नई पहलों और अंतरराष्ट्रीय भारतीय युवा प्रवासी की भागीदारी के साथ, संवादों का अब सीमाओं के पार तक प्रसार होता है। फिर भी, इसका मूल उद्देश्य अपरिवर्तित रहता है: युवाओं को साहसपूर्वक सोचने, निडरता से रचना करने और दृढ़ विश्वास के साथ नेतृत्व करने के लिए सशक्त बनाना।

इस साल के आयोजन का पैमाना इस महत्वाकांक्षा की गहराई को रेखांकित करता है। विकसित भारत विजय में 50 लाख से अधिक युवा प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जो वीबीवाईएलडी 2026 के चयन का पहला चरण था। यह इसे अपने तरह के सबसे बड़े युवा सहभागिता कार्यक्रमों में से एक बनाता है। चार दिनों के दौरान, देश के हर कोने के प्रतिभागी व्यावहारिक अंतर्दृष्टियों, विचारों और दृष्टिकोणों का लाभ उठाते हुए प्रमुख राष्ट्रीय और वैश्विक व्यक्तित्वों के साथ संवाद करेंगे, जो विषयों और भौगोलिक सीमाओं से परे जाते हैं। वास्तव में वीबीवाईएलडी 2026 को अलग बनाने वाली चीज यह है कि यह हमारी युवा शक्ति को केवल बोलने का मौका नहीं देता, बल्कि उन्हें सुने जाने का भी अवसर प्रदान करता है। यह मंच युवा भारतीयों को अपने विचारों, आकांक्षाओं और समाधानों को भारत के प्रथममंत्री के सामने सीधे प्रस्तुत करने में सक्षम बनाता है। 12 जनवरी को, जिस पूरे देश में स्वामी विवेकानंद की स्मृति में राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया जाता है, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी व्यक्तिगत रूप से भारत मंडपाम में युवाओं के साथ संवाद करेंगे, उनसे सुनेंगे कि वे भविष्य की भारत की कल्पना कैसे करते हैं और किस रूप में उसे आकार देने का इरादा रखते हैं।

जैसे-जैसे भारत अपनी स्वतंत्रता की शताब्दी की ओर बढ़ रहा है, देश को उन युवाओं की सक्रिय भागीदारी की जरूरत है, जिनमें बड़े सपने देखने का साहस है और विचारों को सार्थक कार्य में बदलने का दृढ़ संकल्प है। संवाद के लिए एक मंच से कहीं अधिक, विकसित भारत युवा नेता संवाद एक अभियान है, जो भारतीय युवाओं को आगे बढ़कर नेतृत्व करने, राष्ट्रीय चुनौतियों का सामना करने और विकसित भारत के साथ अपनी आकांक्षाओं को जोड़ने का आह्वान करता है। विकसित भारत का निर्माण उन्हीं के द्वारा किया जाएगा, जिनमें नेतृत्व करने का आत्मविश्वास और सेवा करने की प्रतिबद्धता है। भारत के युवा तैयार हैं। राष्ट्र को उनके साथ चलने के लिए तैयार रहना चाहिए।

(लेखक भारत सरकार में केंद्रीय युवा मामले और खेल तथा श्रम एवं रोजगार मंत्री हैं)

लाल बहादुर शास्त्री : भारतीय राजनीति के अमूल्य रत्न



दी। जब शास्त्री जी को इस बात का पता चला तो उन्होंने ड्राइवर को बुलाकर पूछा कि गाड़ी कितने किलोमीटर चली? ड्राइवर ने बताया कि गाड़ी कुल 14 किलोमीटर चली है। उसी क्षण शास्त्री जी ने उसे निर्देश दिया कि रिकॉर्ड में लिख दो, चौदह किलोमीटर प्राइवेट यूज। उसके बाद उन्होंने पत्नी ललिताजी के लिए गाड़ी का इस्तेमाल करने के लिए वह सात पैसे प्रति किलोमीटर की दर से सरकारी कोष में पैसे जमा करवा दें।

प्रधानमंत्री बनने के बाद शास्त्री जी पहली बार अपने घर काशी आ रहे थे, तब पुलिस-प्रशासन उनके स्वागत के लिए चार महीने

पहले से ही तैयारियों में जुट गया था। चूंकि उनके घर तक जाने वाली गलियां काफी संकरी थीं, जिसके चलते उनकी गाड़ी का वहां तक पहुंचना संभव नहीं था, इसलिए प्रशासन द्वारा वहां तक रास्ता बनाने के लिए गलियों को चौड़ा करने का निर्णय लिया गया। शास्त्री जी को यह पता चला तो उन्होंने तुरंत संदेश भेजा कि गली को चौड़ा करने के लिए कोई भी मकान तोड़ा न जाए, मैं पैदल ही घर जाऊंगा।

स्वतंत्रता संग्राम के दौरान 1940 के दशक में लाला लाजपत राय की संस्था सर्वेंट्स ऑफ़ इंडिया सोसायटी द्वारा गरीब पृष्ठभूमि वाले स्वतंत्रता सेनानियों के परिवारों को

जीवनयापन हेतु आर्थिक मदद दी जाया करती थी। उसी समय की बात है, जब लाल बहादुर शास्त्री जेल में थे। उन्होंने उस दौरान जेल से ही अपनी पत्नी ललिताजी को एक पत्र लिखकर पूछा कि उन्हें संस्था से पैसे समय पर मिल रहे हैं या नहीं और क्या इतनी राशि परिवार की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए पर्याप्त है? पत्नी ने उत्तर लिखा कि उन्हें प्रतिमाह पचास रुपये मिलते हैं, जिसमें से करीब चालीस रुपये ही खर्च हो पाते हैं, शेष राशि वह बचा लेती हैं। पत्नी का यह जवाब मिलने के बाद शास्त्री जी ने संस्था को एक पत्र लिखा, जिसमें उन्होंने धन्यवाद देते हुए कहा कि अगली बार से उनके परिवार को केवल चालीस रुपये ही भेजे जाएं और बचे हुए दस रुपये से किसी और जरूरतमंद की सहायता कर दी जाए। रेलमंत्री रहते शास्त्री जी एक बार रेल के एसी कोचों में सफर कर रहे थे। उस दौरान वे यात्रियों की समस्या जानने के लिए जनरल बोगी में चले गए। वहां उन्होंने अनुभव किया कि यात्रियों को कितनी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इससे वे काफी नाराज हुए और उन्होंने जनरल डिब्बे के यात्रियों को भी सुविधाएं देने का निर्णय लिया। रेल के जनरल डिब्बों में पहली बार पंखा लगवाते हुए रेलों में यात्रियों को खानापान की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए पेट्री की सुविधा भी उन्होंने शुरू कराई है।

(लेखिका, शिक्षण क्षेत्र में सक्रिय हैं।)

हिंदी का विस्तृत होता आकाश



1965 तक आते आते हिंदी की राजभाषा का सवाल मुलतवी हो गया, क्योंकि वह सक्षम नहीं लगी और अंग्रेजी में कार्य करते रहने के लिए असौमिप्त छूट ले ली गई। अंग्रेजी का चर्चस बना रहा। इस बीच हिंदी के संस्थानों, समितियों, पुरस्कारों, समितियों, अकादमियों, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहल होती रही। अब अनेक विश्वविद्यालयों, कार्यालयों और प्रतियोगी परीक्षाओं में हिंदी में अवसर मिल रहे हैं तथापि स्थिति पूर्णतः संतोषजनक नहीं है। मीडिया, सिनेमा, व्यापार, विज्ञापन और लोक भाषा के रूप में हिंदी आगे बढ़

रही है। भारत के बाहर मॉरिशस, गुयाना, फीजी, त्रिनिदाद, दक्षिण अफ्रीका आदि अनेक देशों में भारतीय मूल के लोग वर्षों पहले पहुंचे और अपने साथ हिंदी भी ले गए। पड़ोसी देशों में भी हिंदी बोली और समझी जाती है। इसके अतिरिक्त हिंदी का पठन पाठन अनेक देशों में होता है। हिंदी की अंतरराष्ट्रीय छवि को तब विशेष बल मिला जब नागपुर में 10 जनवरी 1975 में नागपुर में विश्व हिन्दी सम्मलेन का पहली बार आयोजन हुआ। इस ऐतिहासिक पहल की स्मृति में 2006 से विश्व हिन्दी दिवस मनाया जा रहा है। हिंदी

को अन्तरराष्ट्रीय भाषा के रूप में बढ़ावा

देने के संकल्प के साथ यह आयोजन शुरू हुआ था और तब से बारह ऐसे सम्मेलन भारत और अन्य देशों में हो चुके हैं। मॉरिशस में एक विश्व हिंदी सचिवालय तथा वर्धा में महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय बना है। अन्तर राष्ट्रीय सांस्कृतिक संबंध परिषद अनेक देशों में हिन्दी के अध्ययन-अध्यापन के लिए प्राध्यापकों को उपलब्ध कराती है। हिंदी के वैश्विक प्रचार प्रसार के अनेक देशों को रहे हैं। 12 वीं विश्व हिंदी सम्मेलन फि जी में हुआ था। ऐसे सम्मेलनों से न केवल हिंदी को वैश्विक मंच मिला है बल्कि विश्व में अन्यत्र रहने वाले हिंदी भाषियों के बीच संबंधों को सुदृढ़ करने में भी मदद मिली है।

60 करोड़ से अधिक लोग बोलते हैं हिन्दी

आज हिंदी भाषा संयुक्त राष्ट्र में गैर आधिकारिक भाषाओं की सूची में सम्मिलित है। विश्व में अंग्रेजी और मंडारिन (चीनी) भाषाओं के बाद इसी का स्थान आता है। प्रवासी समुदाय में हिन्दी प्रचलित है, उसका उच्च कोटि का साहित्य है और अनुमानतः 60 करोड़ से अधिक लोग इसे बोलते हैं। हिंदी के प्रति जागरूकता और प्रचार प्रसार का कार्य प्रगति पर है। इस वर्ष विश्व हिंदी दिवस पारंपरिक ज्ञान से कृत्रिम बुद्धिमत्ता तक के

विकास पर केंद्रित है। आज इसे कोडिंग से लेकर डिजिटल प्लेटफार्म पर उपयोग के लिए आसान बनाने का प्रयास हो रहा है। मशीन अनुवाद में बड़ी सफलता मिल रही है। कृत्रिम मेधा (एआई) के सहयोग से अपार संभावनाएं उभर रही हैं जिससे हिंदी को बड़ा आकाश मिल सकेगा।

संयुक्त राष्ट्र की सूची में आधिकारिक भाषा नहीं

स्मरणीय है कि संयुक्त राष्ट्र में हिन्दी की गूँज 4 अक्टूबर 1977 को विदेश मंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी के भाषण द्वारा हुई थी परंतु अभी तक आधिकारिक भाषा की सूची में नहीं आ सकी है। संयुक्त राष्ट्र में अंग्रेजी, फ्रेंच, स्पेनिश, चीनी, अरबी और रूसी ये आधिकारिक भाषाएं हैं। स्मृति और भाषा के बीच जैसे बड़ा गहरा रिश्ता है, उसी तरह स्मृति हमारी अपनी पहचान से भी जुड़ी हुई है। विश्व के अनेक देशों में फैले भारतीय मूल के लोगों का हिन्दी से लगाव और भारतीय संस्कृति के संरक्षण में रुचि इसकी पुष्टि करती है। विदेशों के कई विश्व विद्यालय हिन्दी के अध्यापन और अनुसंधान में लगे हुए हैं। हिन्दीभाषी जन-समुदाय के संख्या बल को देखते हुए एक बड़े बाजार का अवसर भी दिखता है और हिन्दी के प्रसार को बल मिलता है।

(लेखक, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के पूर्व कुलपति हैं।)



गिरीश्वर मिश्र

हिंदी की अंतरराष्ट्रीय छवि को तब विशेष बल मिला जब नागपुर में 10 जनवरी 1975 में नागपुर में विश्व हिन्दी सम्मलेन का पहली बार आयोजन हुआ। इस ऐतिहासिक पहल की स्मृति में 2006 से विश्व हिन्दी दिवस मनाया जा रहा है। हिंदी को अन्तरराष्ट्रीय भाषा के रूप में बढ़ावा देने के संकल्प के साथ यह आयोजन शुरू हुआ था और तब से बारह ऐसे सम्मेलन भारत और अन्य देशों में हो चुके हैं।

ज्ञान और भाषा का गहरा रिश्ता है। महान चिंतक भर्तृहरि की मानें तो भाषा के आलोक में ही दुनिया दिखती है: सर्व शब्देन भासते। ज्ञान-सृजन, ज्ञान संरक्षण तथा अगली पीढ़ी तक ज्ञान संक्रमण का कार्य भाषा से ही हो पाता है। चिंतन और सर्जनात्मकता के लिए भाषा जरूरी है। इस तरह भाषा मानव जीवन के उत्कर्ष का साधन है, जो नैसर्गिक रूप से सभी मनुष्यों को प्राप्त है। वह व्यक्ति और समाज दोनों ही स्तरों पर स्मृति और कल्पना को सुदृढ़ करती है। भारत भाषाओं की दृष्टि से अत्यंत समृद्ध है जहां हजारों से अधिक भाषाएं विद्यमान हैं। इनमें बहुतेरी ऐसी भी हैं, जो सिर्फ, बोली जाती हैं। उनकी लिपि ही नहीं है। इस भाषिक परिवेश में भाषाओं की बहुलता से द्विभाषिकता सहज है और बहुभाषिकता भी काफी पायी जाती है। हिंदी मध्य देश में बोलੀ जाने वाली भाषा समूह का नाम है। ऐतिहासिक रूप से हिंदी हिंद की भाषा है और समग्र देश से जुड़ी रही है। आज इसके बोलने वाले विस्तृत भू-भाग में पसरे हैं और अनेक देशों में मौजूद हैं। ऐसे में हिंदी के कई-कई रूप उसकी बोलियों में मिलते हैं। हिंदी भारत के लोक जीवन व्याप्त रही और देश के स्वतंत्रता संग्राम में उसकी अग्रणी भाषागीदारी ने उसे राष्ट्रभाषा बना दिया। जनता से जुड़ने के प्रयास में हिंदी भारत में चतुर्दिक गुंजी। सहज सम्पर्क के लिए हिंदी स्वाभाविक

माध्यम बनी महाराष्ट्र हो या बंगाल, कश्मीर हो या गुजरात, पंजाब हो या दक्षिण भारत हर कहीं हिंदी को अंगीकार किया गया।

अंग्रेज सरकार सरकारी तंत्र और शिक्षा में अंग्रेजी चर्चस्य स्थापित किया जिसके अवशेष अभी भी विद्यमान हैं। संविधान में सरकारी काम-काज की भाषा यानी हदराज भाषा (आफीशियल लैंग्वेज) का विचार अपनाया गया। संविधान का भाग 17 का अनुछेद 343 कहता है संघ की राजभाषा हिंदी और लिपि देव नागरी होगी। राजभाषा को अपरिभाषित छोड़ दिया गया परंतु प्रशासनिक उद्देश्य से उसे जोड़ा गया। साथ ही अनुछेद 351 में हिंदी के विकास को संघ के कर्तव्य के रूप में अंकित किया गया। राजभाषा विभाग बना और हिंदी फले-फूले इसके लिए बहुत से उपक्रम शुरू हुए।

अंग्रेजी का चर्चस

राजभाषा नीति और उसके अनुपालन को लेकर धींगामुश्गुती होती रही। संविधान ने आठवीं सूची नामक एक विशेष प्रावधान भी बनाया और 14 भाषाओं की सूची डाली। इस सूची का विस्तार होता रहा और अब इसमें 22 भाषाएं हैं। अभी 38 अन्य भाषाओं से गुहार है कि उनको भी शामिल कर लिया जाय हालांकि सूची में सदस्यता का भाषा के विकास के साथ कोई कार्य वास्तव सम्बन्ध नहीं दिखता।

सभी ने श्रमदान कर शिवालय परिसर की साफ-सफाई की एवं आरती कर बाबा भोलेनाथ से राष्ट्र की उन्नति व जनकल्याण की कामना की

नवप्रदेश/हेदरनगर पलामू। विश्व के द्वादश ज्योतिर्लिंगों में प्रथम सोमनाथ ज्योतिर्लिंग के गौरवशाली 1000 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी द्वारा सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के तहत देशभर के शिवालयों में स्वच्छता अभियान एवं भूज पूजा-अर्चना कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

भाजपा झारखंड प्रदेश के निदेशानुसार मंडल अध्यक्ष सुधीर सिंह की अध्यक्षता में हैदरनगर बड़ा शिवाला मंदिर में भाजपा कार्यकर्ताओं ने सफाई अभियान चलाकर विधिवत पूजा-अर्चना की।

सभी ने श्रमदान कर शिवालय परिसर की साफ-सफाई की एवं आरती कर बाबा भोलेनाथ से राष्ट्र की उन्नति व जनकल्याण की कामना की।

सिंह ने कहा कि सोमनाथ मंदिर भारतीय संस्कृति, स्वाभिमान और आस्था का प्रतीक है। उसके गौरवशाली 1000 वर्ष पूरे होने पर यह अभियान कार्यकर्ताओं के लिए गर्व का विषय है। कार्यक्रम में पूर्व मंडल अध्यक्ष उमेश चंद्र सिंह, बीस सूत्री अध्यक्ष विमलेश सिंह, संजय सिंह, शंकर ठाकुर, सरयू गुप्ता, उदित नारायण

सिंह, शशि मिश्रा, संग्राम सिंह, बबन गुप्ता, अनूप सिंह, रविरंजन सिंह, बद्री विश्वकर्मा, सरयू राम, भीष्मदेव सिंह, राजीव तिवारी, शेखर सिंह सहित कई भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पलामू से लोकसभा सांसद विष्णु दयाल राम ने आज यहां आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में विकसित भारत - रोजगार एवं आजीविका मिशन

(ग्रामीण) गारटी अधिनियम, 2025 (बीबी-जी राम जी) की भूरि-भूरि प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में यह ऐतिहासिक अधिनियम ग्रामीण भारत को राम राज्य की अवधारणा से जोड़ेगा, जहां हर गांव आत्मनिर्भर, समृद्ध, भ्रष्टाचार मुक्त और विकसित होगा। प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए

वीवी राम ने कहा, प्रधामंत्री नरेंद्र मोदी जी के विजन से बीबी-जी राम जी अधिनियम एम्पलनआर्डईएफ को कमियों को दूर कर ग्रामीण रोजगार को सतत विकास का सशक्त माध्यम बनाएगा। यह विकसित भारत 2047 के लक्ष्य से पूरी तरह जुड़ा हुआ है। इस अधिनियम के तहत प्रत्येक ग्रामीण परिवार को सालाना 125 दिनों की मजदूरी को कानूनी गारंटी दी गई है, जो पहले के 100 दिनों से कहीं अधिक है। कृषि के मुख्य मौसम में 60 दिनों तक कार्य विराम का प्रवाधान किसानों और मजदूरों दोनों के हितों का संतुलन बनाए रखेगा। कार्यों को चार महत्वपूर्ण श्रेणियों में व्यवस्थित किया गया है— जल सुरक्षा, ग्रामीण बुनियादी ढांचा, आजीविका संबंधी अवसरचर्चा और आपदा

तैयारी के विशेष कार्य। इससे गाँवों में टिकाऊ, उच्च गुणवत्ता वाली संपत्तियाँ बनेंगी, जो लंबे समय तक आर्थिक लाभ देंगी। उन्होंने आगे कहा, प्यह अनिनियम तकनीक को कानूनी रूप से अनिवार्य बनाता है। बायोमेट्रिक सत्यापन, जियो-टैगिंग, सैटेलाइट इमेजरी, रीयल-टाइम मोबाइल ट्रैकिंग और एआई आधारित वधोखाध्डी का पता लगाने की व्यवस्था से भ्रष्टाचार की जड़ें ही उखाड़ दी जाएंगी।

वेतन का भुगतान हर हफ्ते अनिवार्य होगा और दो हफ्ते से अधिक की देरी पर स्वतः मुआवजा मिलेगा। प्रशासनिक व्यय की सीमा 9 प्रतिशत तक बढ़ाई गई है, जिससे जमीनी स्तर पर बेहतर कर्मचारी, तकनीकी विशेषज्ञता और निगरानी सुनिश्चित होगी।

हुसैनानाबाद अनुमंडलीय अस्पताल परिसर में स्वास्थ्य मेला का हुआ आयोजन

नवप्रदेश/ हुसैनाबाद पलामू:
शनिवार को अरुण्डलीय अस्पताल हुसैनाबाद के परिसर में आयोजित स्वास्थ्य मेला में कुल 2034 मरीजों को चिकित्सीय सुविधा उपलब्ध कराया गया जिसमें 49 लोगों का आभा कार्ड, 49 लोगों का आयुष्मान कार्ड, 05 गर्भवती महिलाओं का एं एन ० सी ० जाँच, 12 महिला का चौथा जाँच, 05 गर्भवती महिलाओं का कैल्शियम एवं आयरन की गोली दी गई, 17 बच्चों का गंभीर कुपोषित बच्चों का जाँच किया गया, 14 बच्चों का विभिन्न टीका से दमपनियों को परिवार नियोजन की सलाह दिया गया, जिसमें 243 महिलाओं को छाया की गोली दी गई। इस कैम्प में 28 लोगों का परमेरिआ, 18 लोगों का कुटु, 18 लोगों को टी बी, 246 लोगों का अंधापन का जाँच किया गया, 246 लोगों को चश्मा वितरण किया गया, 120 लोगों का बी पी, 120 लोगों को शुगर, 03 लोगों का कैसर, 10 लोगों का हृदय रोग, 105 लोगों का एच आई वी, 105 लोगों का एंसीपीफैलिस, 105 लोगों का आर टी आई व एस टी आई, 24बी लोगों

डा डेटल, 300 लोगों का ई एन
टी, 18 लोगों का स्कन, 238
लोगों का ब्लड जांच किया गया,
साथ ही 575 लोगों के द्वारा अन्य
सेसेवाओं का लाभ लिया गया,
कार्यक्रम में कुल 33 स्टॉल लगाए
गये थे, जिसमें 08 चिकित्सा
पदाधिकारी सहित 69 स्वास्थ्य
कर्मियों ने भाग लिया, प्रखंड
अंतर्गत सभी सहिया, सहिडा
संगठनों, वो टी टी, सी एच ओ, एएन
एम कार्यरत थे । कार्यक्रम का
संचयन उद्घाटन माननीय विधायक
सुविजय कुमार सिंह यादव, सुनील
कुमार वर्मा, प्रखंड विकास
पदाधिकारी, उपाधीक्षक सह प्रभारी
चिकित्सा पदाधिकारी डा जय
कुमार रिवा, नीलम लकड़ा, दंत
चिकित्सा पदाधिकारी, डा अरुण

कुमार, न्यूरो सर्जन, डा माहिरा एरम, डा इरफान अन्वर आदि ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन कर दिया, मेला को संबोधित करते हुए माननीय ने कहा है कि सरकार के इस प्रकार स्वास्थ्य मेला के आयोजन से स्वास्थ्य की सुविधा समाज के अतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में मदद मिलेगी, उन्होंने मेला को सफल बनाते हुए ऐसी ही स्वास्थ्य मेला अनुमंडल के दूसरे क्षेत्रों में भी आयोजित करने का निर्देश दिया, कार्यक्रम का संचालन विशिष्ट कुमार गुप्ता, प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक के द्वारा किया गया, तथा सहयोग में प्रेम मणि सुंघा, प्रखंड लेखा प्रबंधक एवं संयुक्त कुमार मेहता, डाटा प्रबंधक सहित अन्य लोग मौजूद थे

**एसडीपीओ कार्यालय में पुलिस पदाधिकारियों के साथ
की बैठक, अपराध नियंत्रण को लेकर दिए सख्त निर्देश**

नवप्रदेश/मैदिनीनगर पलामू पुलिस
उच्च महानिरीक्षक (डीआईजी),
क्षेत्र स्थित किशोर कौशल आज बंशी
नगर स्थित अनुमंडल पुलिस
पदाधिकारी कार्यालय पहुंचे। उन्होंने
कार्यालय का निरीक्षण किया। साथ
अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी तथा अ
प्रभुओं के साथ समीक्षा बैठक का
अभिलेखों एवं पुलिसिया व्यवस्थाओं
विधि-व्यवस्था एवं अपराध नियंत्रण
की सूचना के समीक्षा कर निदेश
पुलिस पदाधिकारी को सष्ट नई
रखने और अपराध नियंत्रण की दिश
करें। प्रत्येक घटना की निष्पत्ति जांच
विरुद्ध कड़े और प्रभावी कदम उठाए
प्रभाव प्रभावी नियंत्रण के लिए तत्पर
सज्जग, संवेदनशील और जवाबदेह
भावना को मजबूत करना होगा। बैठक
निष्पन्न एवं सुलिस में लगातार
बैठक अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी
सिंह सहित अनुमंडल क्षेत्र के विभि

A group of men in military uniforms are seated around a large, dark wooden conference table in a meeting room. They appear to be engaged in a discussion or a formal meeting. The room has a red carpet and a window in the background.

चुनावी खिचड़ी में तड़का लगाने उतरेगी नामधारी परिवार की बहू

नवप्रदेश/भेदनीनगर प्रताप। इस 14 जनवरी चुनाव का बिगुल 14 जनवरी के बाद कभी भी बंद सकता है जैसे-जैसे 14 जनवरी नजदीक आ रहा है चुनावी रंग में रंगे सभी प्रतापश्री सामने नजर आते जा रहे हैं दिव्य सूर्य से पता चलता है कि पन्ना जिले के विचित्र व राजनीतिक के धुरंधर नामधारी परिवार की बहू भी चुनावी मैदान में आ सकती है। आइए हमें देखें कि वे नवीन आओकर के द्वारा भेदनी नगर नगर निगम मेयर प्रतापश्री की सीट पर आइए हार के लिए आसक्ति कर दिया गया है जिससे लेकर सभी अपने-अपने दावेपन चलाने शुरू कर दिया है इस लड़ाई में वर्तमान प्रतापश्री पूर्व प्रतापश्री पुरे दम खम के साथ जोर लगा रहा रहे हैं वहीं आओकर भी वे की राजनीतिक के धुरंधर रहे इंदर सिंह नामधारी परिवार को तो नाम का मोहाजान है और उनकी नती पस्यव का ऐसे में उनके परिवार से इस तिकिया चुनाव में मेयर प्रतापश्री के रूप में उतरना बहुत दिलचस्प के साथ इस निकाजी चुनाव को जीजिल की बनारस सेवे तो राजनीतिक में और खेल में छुछ भी कन्ना सभर नहीं होत है। नामधर आओकर के की यहां पर नामधारी परिवार में सभी वर्ग सभी जाति सभी समुदाय में इन्का एक अपना पकड़ एक अपनी मोहाजत और अनुपानन है।

चर्चित इस्लामी विद्वान तथा मरकजी दारुल उलूम के हेड मुअल्लिम कारी जसीमुद्दीन शमीमी का निधन

नवप्रदेश/मेडिनीनगर पलामू
चर्चित इस्लामी विद्वान् तथा
मक़जी दरुल उलूम के हेड
मुअल्लिम कारी जसीमुद्दीन शमीमी
का शुक्रवार की शाम लगभग 7:45
बजे निधन हो गया. वे पिछले
करीब 15 दिनों से रांची स्थित रिस्म
में खलाजत थे। उनके शोक की
हलार मिलते ही क्षेत्र में शायक की
लहर दौड़ गई और बड़ी संख्या में
लोगों ने गहरा दुःख व्यक्त किया।
कारी जसीमुद्दीन शमीमी मूल रूप से
गढ़वा तथा मधुन के मूल रहिया गांव
के निवासी थे। बीते लगभग 30



वर्षों से वे शाहपुर स्थित तैबा नगर में रहकर और-ए-इस्लामा की सिद्दमत दीन-ए-इफ्ता के क्षेत्र में सक्रिय थे। मरकजी मदरसा में उन्होंने तीन दशकों तक बच्चों को उर्दू और इस्लामी तालीम दी। मरकजी मदरसा में वे न केवल एक श्रेष्ठ शिक्षक थे, बल्कि समाज सुधारक के रूप में भी उनकी पहचान थी। गोगोसिया मदरसा के मुफ्ती मुजीबुल्लाह ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि कारी शमीमी और सुधार के लिए एकता, भाईदारी और सुधार के लिए समर्पित था। वे

गवी और निर्धन मुस्लिम बच्चों की निःशुल्क शिक्षा के लिए सदैव तत्पर रहते थे। उनका जाना शिक्षा जगत और समाज के लिए अप्रुणीय क्षति है।

मुत्तु मुजीबुल्लाह ने यह भी बताया कि कारी जसीमुद्दीन शम्सीमी 25 नवंबर 2025 को अपने मदीना की पवित्र यात्रा पर गए थे और 15 दिसंबर 2025 को वापस लौटे थे। इसके बाद उनकी तबीयत बिगड़ने लगी और इलाज के दौरान उनका इंतकाल हो गया। अपने

पछले वे चार पुत्र और तीन पुत्रियों का भरा-पूरा परिवार छुड़ गए हैं। इस दुखद अवसर पर मदरसा गौसिया में उनके सवाब के लिए कुरानाखानी और मिलाल शरीफ का आयोजन किया गया। समाज के विभिन्न वर्गों ने उनके परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए अल्लाह से मागफिरत की दुआ की शनिवार को बाद नमाज अशर शाहपुर मजार जनाजा नमाज के बाद कजिस्तान में सपुर्दखाक किया जाएगा।

पर्यावरणविद डॉ कौशल ने पौधरोपण कर मनाया देश के प्रख्यात पर्यावरणविद सुंदरलाल बहुगुणा की जयंती

विश्वप्रदेश/मेदिनीनगर । पलामू
विश्वव्यापी पर्यावरण संरक्षण
अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष
पर्यावरण धर्मगुरु व वन राखें
मूवमेंट के प्रणेता पर्यावरणविद टू
मैन ऑफ इंडिया डॉ कोशल
किशोर जासवाल ने शुक्रवार को
अपने मेदिनीनगर स्थित पर्यावरण
भवन आवासीय पर्सर के आकाश
वाक और छतरपुर अनुमंडल के
डाली पंचायत के कोशल नगर में
नेशनल मोहनलाल खुर्जा पार्वत
देवी पार्क व जैविक उद्यान विश्व
का पहला पर्यावरण धर्म ज्ञान मिशन
प्रांगण में भारत के महान पर्यावरण
चिंतक व चिपको आंदोलन के
प्रमुख नेता रहमटिबुषिखान
पर्यावरणविद पदमविभूषित स्वामी
सुंदरलाल बहुगुणा की 100 व
जयंती मनाई। इस अवसर पर
उन्होंने पर्यावरण धर्म के प्रार्थना के
संघ थाईलैंड प्रजाति का आम का
पौधा लगाकर उन्हें भावपीनीनी
श्रद्धांजलि जीत करे हुए उनकी
संघर्षपूर्ण जीवनयात्रा को याद किया।
कोशल ने कहा कि सुंदरलाल बहुगुणा
भारत के एक महान पर्यावरण-चिंतक
थे। चिपको आन्दोलन के प्रमुख नेता
थे। उन्होंने हिमालय के पर्वतीय क्षेत्रों में
वनो के संक्षालन के लिए अजीब
संघर्ष किया। उनकी पत्नी विमल बहुगुणा
व कानिक के पांडुरंग हेड्डे, अमिका व
जॉर्ज जेम्स, उत्तराखंड में संक्षालन
नेपाल के सरोज शर्मा, झारखण्ड हेड्डे



है। अतः, श्री उनके आन्दोलन से जुड़े हुए हैं। १९७० के दशक में पहले वे निष्पक्षी आन्दोलन से जुड़े रहे और १९८० के दशक से २००४ तक के दशक में टिहरी बाँध के निर्माण के विरुद्ध आन्दोलन से जुड़े रहे। बहुगुणा जी भारत के आरम्भिक पर्यावरण प्रेमियों में से एक थे। उन्होंने कहा कि झारखण्ड पलायन प्रवास के दौरान बहुगुणा जी ने उनके निःशुल्क पैसा वितरण सह रोगण कार्यक्रम का न सिर्फ हिस्सा बने थे बल्कि उन्होंने लावासी सेवा केंद्र बना कर पंचायत का केंद्रीय कार्यालय का भी शुभारंभ किया था। डॉ केशवचन्द्र ने कहा कि बहुगुणा जी के साथ १९७७ में टिहरी के चामा, सेमोली के निष्पक्षी मूवमेंट से कानूतिक के अपिको आंदोलन समेत देश - विदेश के दर्जनों प्रमुख कार्यक्रमों में शामिल होने का अवसर मिला था।

है। अतः, श्री उनके आन्दोलन से जुड़े हुए हैं। १९७० के दशक में पहले वे निष्पक्षी आन्दोलन से जुड़े रहे और १९८० के दशक से २००४ तक के दशक में टिहरी बाँध के निर्माण के विरुद्ध आन्दोलन से जुड़े रहे। बहुगुणा जी भारत के आरम्भिक पर्यावरण प्रेमियों में से एक थे। उन्होंने कहा कि झारखण्ड पलायन प्रवास के दौरान बहुगुणा जी ने उनके निःशुल्क पैसा वितरण सह रोगण कार्यक्रम का न सिर्फ हिस्सा बने थे बल्कि उन्होंने लावासी सेवा केंद्र बना कर पंचायत का केंद्रीय कार्यालय का भी शुभारंभ किया था। डॉ केशवचन्द्र ने कहा कि बहुगुणा जी के साथ १९७७ में टिहरी के चामा, सेमोली के निष्पक्षी मूवमेंट से कानूतिक के अपिको आंदोलन समेत देश - विदेश के दर्जनों प्रमुख कार्यक्रमों में शामिल होने का अवसर मिला था।



बार उनके पर्यावरण भवन आवास पर आए थे। जिनके साथ रहने के दौरान पर्यावरण के क्षेत्र में कई बातों पर चर्चा हुई थी। वे मेरे छात्र के ऊपर आकाश वाग में शमी के पेड़ के नीचे बैठकर घंटों पूजा करते थे।

छत्रपुर पूर्वी के जिला पार्षद अलिम
कुमार जायसवाल ने कहा कि लोग
प्रवास के दौरान मेरे घर की लोभा
बहुयुगा जी से मिलने आते थे उसने वे
कहते थे कि वन और पर्यावरण जीने
का आधार हैं। जिसकी सुरक्षा मैंने
पर्यावरणविद डॉ कौशल किशोर
जायसवाल के निजी खर्चे पर रात दिन
सुरक्षा में लगे रहते हैं उनके द्वारा लवें
अरसे से निष्कल पैधा चित्रण के
रोपण और पर्यावरण धर्म व चरनाखी
मुवमेंट को सहायता करते थे। कार्यक्रम
में संस्था के प्रो अरुण कुमार
जायसवाल कोमल जायसवाल,
शिल्पा जायसवाल, आराध्या,
आशिका आदिक, अनुषा, रामू,
छोटू, सत्य सिंह ने भी उनकी
तत्परता पर श्रद्धासुमन अर्पित कर
उन्हें याद किया।

मलेशिया ओपन: सेमीफाइनल में वांग से हारीं सिंधु

कुआलालंपुर: भारत की स्टार शटलर पी. वी. सिंधु का शानदार सफर शनिवार को मलेशिया ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल सेमीफाइनल में खत्म हो गया। सीजन के पहले टूर्नामेंट में सिंधु को चीन की वर्ल्ड नंबर दो खिलाड़ी वांग झीयी के खिलाफ सीधे गेम में 16-21, 15-21 से हार का सामना करना पड़ा।

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधु दबाव को बरकरार नहीं रख सकीं और मुकाबले के दौरान उनसे कई अनफोर्सर्ड एरर हो गए। यह मुकाबला उनके लिए खास इसलिए भी था क्योंकि वह अक्टूबर पिछले साल के बाद पहली बार किसी टूर्नामेंट में खेल रही थीं। पैर की चोट से उबरने के बाद वापसी कर रहीं सिंधु दूसरे गेम में 11-6 की बढ़त भी गंवा बैठीं।

इस हार के साथ ही टूर्नामेंट में भारत का अभियान भी समाप्त हो गया। मुकाबले की शुरुआत में

नीरज चोपड़ा ने कोच जेलेजनी से अलग होने का लिया फैसला



नई दिल्ली: ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा और जैवलिन श्रो के दिग्गज यान जेलेजनी ने आपसी सहमति से अपने कोचिंग सहयोग को समाप्त करने का निर्णय लिया है। यह साझेदारी 2024 के अंत में शुरू हुई थी और कम समय में ही इसके सकारात्मक नतीजे देखने को मिले। दोनों की साथ में पहली प्रतियोगिता 2025 दोहा डायमंड लीग थी, जो नीरज के करियर के लिए ऐतिहासिक साबित हुई। इस मुकाबले में नीरज ने पहली बार 90 मीटर की दूरी पार की और अपने लंबे समय से चले आ रहे सपने को साकार किया। नीरज ने इस



सिंधु ने ऊंची रैंक वाली प्रतिद्वंद्वी को कड़ी टक्कर दी। उन्होंने दमदार स्मेश लगाए और अपने लंबे कद का फायदा उठाते हुए 5-2 की बढ़त बना ली। हालांकि, वांग की सटीक नेट प्ले और बेहतर टच ने उन्हें बराबरी पर ला दिया। वांग की कुछ चूकों का फायदा उठाकर सिंधु 9-7 से आगे

वर्ल्ड कप विवाद के मानसिक दबाव पर नजमुल का खुलासा, कहा-हम सब टीक होने का अभिनय कर रहे हैं

ढाका: बांग्लादेश टेस्ट टीम के कप्तान नजमुल हुसैन ने शुक्रवार को कहा कि आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप को लेकर चल रहे विवाद का खिलाड़ियों पर गहरा मानसिक असर पड़ रहा है और टीम के खिलाड़ी यह दिखाने की कोशिश कर रहे हैं कि हूबस कुछ ठीक हैह, जबकि हकीकत इससे बिल्कुल अलग है।

भारत में प्रस्तावित टी20 वर्ल्ड कप में बांग्लादेश की भागीदारी को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने संकेत दिया है कि यदि उनके मैच भारत से बाहर नहीं कराए गए तो टीम टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं ले सकती। इस स्थिति के चलते खिलाड़ी मानसिक रूप से बेहद थक चुके हैं और कई खिलाड़ियों की रातों की नींद उड़ गई है।

नजमुल ने शुक्रवार को पत्रकारों से कहा, अगर आप हमारे वर्ल्ड कप के प्रदर्शन को देखें तो हम



कभी लगातार अच्छा क्रिकेट नहीं खेल पाए हैं। पिछले साल हमने अच्छा किया था, लेकिन उससे बेहतर मौके भी थे, जिनका हम फायदा नहीं उठा सके। मेरे तीन वर्ल्ड कप के अनुभव के आधार पर मैं कह सकता हूँ कि हर वर्ल्ड कप से पहले कुछ न कुछ जरूर होता है और इसका असर जरूर पड़ता है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा, हम यह दिखाने की कोशिश करते हैं कि हमें किसी बात से फर्क नहीं पड़ता और हम पूरी तरह पेशेवर क्रिकेटर हैं। आप लोग भी

पूजा वस्त्राकर हैमस्ट्रिंग इंजरी के कारण दो हफ्ते के लिए क्रिकेट से हुई दूर

नवी मुंबई: रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की तेज गेंदबाज ऑलराउंडर पूजा वस्त्राकर हैमस्ट्रिंग इंजरी के चलते अपने दो हफ्तों तक क्रिकेट से दूर रहेंगी। इसकी पुष्टि आरसीबी के हेड कोच मालोलन रंगराजन ने शुक्रवार को मुंबई इंडियंस के खिलाफ महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2026 के उद्घाटन मुकाबले के बाद की। मालोलन रंगराजन ने कहा, पूजा वस्त्राकर मुंबई इंडियंस के खिलाफ चवन के लिए उपलब्ध नहीं थीं। सेंटर ऑफ एक्सप्लेस (सीआई), बेंगलुरु से रिलीज होने से करीब दो हफ्ते पहले दुर्भाग्यवश उनकी हैमस्ट्रिंग में खिंचाव आ गया। हमारे पास जो जानकारी है, उसके मुताबिक उन्हें अभी दो हफ्ते और लगेंगे। इससे पहले वह कंधे की समस्या के कारण सीआई में थीं और अब हैमस्ट्रिंग की परेशानी है। यह पूरी तरह सप्ताह-दर-सप्ताह की प्रक्रिया है, इसलिए हम उनकी स्थिति पर नजर रखेंगे। इस बीच, आरसीबी ने डब्ल्यूपीएल 2026 में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की।

खेलो इंडिया बीच गेम्स 2026: कर्नाटक बना ओवरऑल चैंपियन, तमिलनाडु दूसरे और मणिपुर तीसरे स्थान पर

दीव: कर्नाटक ने खेलो इंडिया बीच गेम्स 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए ओवरऑल चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। घोघला बीच पर आयोजित प्रतियोगिता के अंतिम दिन कर्नाटक की अश्विमाता चंद्रा और ध्रुपद रामकृष्ण ने क्रमशः महिलाओं और पुरुषों की 5 किमी ओपन वॉटर स्विमिंग में स्वर्ण पदक जीतकर राज्य को पदक तालिका में शीर्ष पर पहुंचाया।

कर्नाटक ने कुल 3 स्वर्ण, 2 रजत और 6 कांस्य पदक के साथ दूसरा संस्करण अपने नाम किया। तमिलनाडु ने 3 स्वर्ण, 2 रजत और 3 कांस्य के साथ दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि पिछली बार की चैंपियन मणिपुर की टीम 3 स्वर्ण, 2 रजत और 2 कांस्य के साथ तीसरे स्थान पर रही। शीर्ष तीनों राज्यों के स्वर्ण और रजत पदक समान रहने के कारण कांस्य पदकों की संख्या के आधार पर ओवरऑल रैंकिंग तय हुई।



खेलो इंडिया बीच गेम्स 2026 का आयोजन दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव केंद्र शासित प्रदेश द्वारा, भारतीय खेल प्राधिकरण (रअक) और राष्ट्रीय खेल महासंघों के तकनीकी सहयोग से किया गया। प्रतियोगिता में 30 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 1100 से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लिया। इस दौरान वॉलीबॉल,

3 से पीछे हो गई, लेकिन उन्होंने जल्दी ही वापसी की और बेहतरीन रैलियों के दम पर 6-3 की बढ़त बना ली। वांग ने अंतर कम किया, लेकिन सिंधु ने तेज एंगल्स के साथ कोर्ट के कोनों में शॉट्स खेलते हुए ब्रेक तक 11-6 की बढ़त हासिल की।

ब्रेक के बाद वांग ने आक्रामक अंदाज अपनाया। हालांकि सिंधु ने शानदार नेट शॉट्स से 13-9 तक बढ़त बनाए रखी। इसके बाद एक बार फिर सिंधु से लगातार गलतियां हुईं और वांग ने 13-13 से मुकाबला बराबर कर बढ़त हासिल कर ली।

नेट पर एक शानदार एक्सचेंज के बाद वांग 16-13 से आगे निकल गई। इसके बाद सिंधु ने दो बार बैकलाइन के बाहर शॉट मारे और एक बैकहैंड नेट एरर के चलते वांग को पांच मैच प्वाइंट मिल गए। आखिरकार सिंधु का एक और शॉट बाहर चला गया और वांग ने मुकाबला जीतकर फाइनल में जगह बना ली।

केंद्रीय खेल मंत्री मांडविया ने युवाओं से ‘विकसित भारत’ के निर्माण का किया आह्वान

नई दिल्ली: केंद्रीय युवा कार्य एवं खेल तथा श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया ने शनिवार को भारत मंडपम, नई दिल्ली में आयोजित विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग के उद्घाटन समारोह में देश के युवाओं को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने युवाओं से भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने की जिम्मेदारी संभालने का आह्वान किया।

अपने संबोधन में केंद्रीय मंत्री मांडविया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का सपना है कि देश के 140 करोड़ नागरिक मिलकर विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करें, जिसमें युवाओं की भूमिका सबसे अहम होगी। उन्होंने कहा, आप देश का भविष्य हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने विकसित भारत के निर्माण की जिम्मेदारी युवाओं को सौंपी है। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लाल किले से उन्होंने स्पष्ट कहा था कि विकसित भारत



का निर्माण केवल सरकार नहीं, बल्कि देश के सभी 140 करोड़ नागरिक मिलकर करेंगे और इसमें युवा मशाल वाहक होंगे।

मांडविया ने युवाओं से राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने और अपने कौशल, ऊर्जा व नवाचार के माध्यम से देश को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, 'आप जैसे युवा देश का भविष्य हैं।' हमें 'विकसित भारत' का राही अपने देश के युवाओं को बनाना है।

अंतर-महानगरपालिका क्रिकेट टूर्नामेंट में सूरत मनपा का दबदबा



भावनगर: गुजरात के भावनगर में आयोजित अंतर-महानगरपालिका क्रिकेट टूर्नामेंट की फाइनल मुकाबले भरूच क्लब मैदान पर खेले गए, जहां सूरत महानगरपालिका की टीमों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दोनों फाइनल अपने नाम कर लिए।

पहले फाइनल मुकाबले में कमिश्नर इलेवन सूरत और राजकोट इलेवन आमने-सामने थीं। राजकोट की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 9 विकेट पर 141 रन बनाए। जबव में सूरत की टीम ने बेहतरीन खेल दिखाते हुए मात्र 17.4 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 142 रन बनाकर मुकाबला जीत लिया।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल ने भी युवाओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि भारत की स्वतंत्रता भारी बलिदानों की कीमत पर मिली है। उन्होंने युवाओं से इतिहास से प्रेरणा लेकर देश के पुनर्निर्माण और एक सशक्त, महान भारत के निर्माण के लिए कार्य करने का आह्वान किया। डोभाल ने कहा, आज का स्वतंत्र भारत हमेशा ऐसा नहीं था। हमारे पूर्वजों ने स्वतंत्रता के लिए अपार कष्ट सहे, अपमान झेला और असहायता के दौर देखे। गांव जलाए गए, सभ्यता को नुकसान पहुंचाया गया और मंदिरों को लूटा गया। यह इतिहास आज के युवाओं के लिए एक चुनौती है, जो उन्हें देश को फिर से उसके गौरवशाली स्थान पर पहुंचाने की प्रेरणा देता है। 'विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग 2.0' शनिवार से शुरू होकर 12 जनवरी तक भारत मंडपम में होगा।

टी20 विश्व कप से बाहर किए जाने पर शुभमन गिल ने कहा— चयनकर्ताओं के फैसले का सम्मान करता हूं



ने टीम कॉम्बिनेशन को ध्यान में रखते हुए उन्हें विश्व कप टीम से बाहर रखने का फैसला किया। उनकी जगह ऑलराउंडर अक्षर पटेल को टी20 उपकप्तान नियुक्त किया गया है।

इस बीच, वनडे सीरीज में विराट कोहली और रोहित शर्मा का शानदार फॉर्म भारत की बड़ी ताकत माना जा रहा है। टी20 विश्व कप

से एक महीने से भी कम समय पहले होने वाली इस तीन मैचों की वनडे सीरीज में दोनों दिग्गज खिलाड़ियों पर खास नजर रहेगी। विजय हजारे ट्रॉफी में खेलते हुए कोहली और रोहित ने बड़े रन बनाए थे, जिससे साफ है कि वे अब भी शीर्ष स्तर पर हैं।

हालांकि, टी20 टीम से बाहर होने के बाद गिल को वनडे सीरीज



मेरे पिता दिहाड़ी पर प्लंबर हैं और राजेश के पिता बस कंडक्टर हैं। हमारे आसपास कोई खास खेल माहौल नहीं था लेकिन कभी-कभी जुनून देर से जागता है। हमारे लिए यह कॉलेज के शुरुआती दिनों में हुआ।

लॉयला कॉलेज, चेन्नई से वाणिज्य स्नातक भरत और राजेश ने अपने परिवारों को इस सफर का सबसे बड़ा सहारा बताया। उन्होंने कहा कि सीमित आर्थिक सुरक्षा और अनिश्चित भविष्य के बावजूद उनके परिवारों ने हमेशा उनके खेल करियर का

केआईबीजी 2026 में सफलता के बाद एशियन बीच वॉलीबॉल चैंपियनशिप पर नजरें टिकाए भरत और राजेश

दीव: तमिलनाडु की बीच वॉलीबॉल जोड़ी भरत और राजेश सिर्फ खेल में ही नहीं, बल्कि जीवन के सफर में भी एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हैं। खेल में अपेक्षाकृत देर से पहचान बनाने वाले इस जोड़ीदार की दोस्ती कॉलेज के दिनों में मजबूत हुई, जहां समान परिस्थितियों और संघर्षों ने उन्हें एक-दूसरे के और करीब ला दिया।

भरत के पिता दिहाड़ी पर प्लंबर का काम करते हैं, जबकि राजेश के पिता चेन्नई में बस कंडक्टर हैं। आर्थिक स्थिरता जहां हमेशा परिवारों की पहली प्राथमिकता रही, वहां वॉलीबॉल को करियर के रूप में चुनना आसान फैसला नहीं था। बावजूद इसके, तमाम चुनौतियों को पार करते हुए भरत और राजेश ने दीव के घोघला बीच पर आयोजित 'खेलो इंडिया बीच गेम्स (केआईबीजी) 2026* में लगातार दूसरी बार बीच वॉलीबॉल में रजत पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया।

टीम के कप्तान भरत ने कहा,

गाजियाबाद में यथार्थ व्यस्त की फिरकी से ढेर हुई जावेद क्रिकेट एकेडमी

नई दिल्ली: दिल्ली-एनसीआर क्रिकेट लीग-2026 में आठ विकेट से जीती नेक्स्ट जेनरेशन क्रिकेट एकेडमीमुरादाबाद, 10 जनवरी (हि.स.)। पीतलनगरी मुरादाबाद के युवा क्रिकेटर यथार्थ व्यस्त ने गाजियाबाद में दिल्ली-एनसीआर क्रिकेट लीग-2026 में शानदार गेंदबाजी करते हुए नेक्स्ट जेनरेशन क्रिकेट एकेडमी को एकतरफा मुकाबले में आठ विकेट से जीत दिलाया। गाजियाबाद क्रिकेट एसोसिएशन और उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से गाजियाबाद में खेली जा रही दिल्ली-एनसीआर क्रिकेट लीग-2026 में शनिवार को टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए जावेद क्रिकेट एकेडमी की पूरी टीम 20.4 ओवर में 130 रन पर ही ढेर हो गई। टीम के लिए कुणाल - दीक्षित ने 55 और रुद्र तंगुथिया ने 37 रन की पारी खेली। मुरादाबाद क्रिकेट एसोसिएशन के बजरुद्दीन सिद्दीकी ने बताया कि नेक्स्ट जेनरेशन क्रिकेट



एकेडमी मुरादाबाद के गेंदबाज यथार्थ व्यस्त ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए 6.4 ओवर में दो मेडन ओवर के साथ 24 रन देकर सात विकेट हासिल किए। धनंजय यादव ने दो व अरीब ने एक विकेट चटकाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी नेक्स्ट जेनरेशन एकेडमी ने 12 ओवर में ही दो विकेट खोकर 131 रन बना लिए। टीम के कप्तान अशरफ राजा ने 39 गेंद पर ताबड़तोड़ 73 रन और कैफ ने 19 गेंद पर 31 रन बनाए।यथार्थ को प्लेयर ऑफ द मैच और अशरफ राजा को सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज चुना गया। इस मैके पर अजय यादव, बजरुद्दीन सिद्दीकी, मो. हसीन, मो. जावेद, अमर सिंह राठौर, विवेक मलिक समेत कई लोग मौजूद रहे।

नेशनल स्पीड हैंडबॉल बाल चैंपियनशिप 25 का हुआ समापन,महिला एवं पुरुष वर्ग में दिल्ली ने मारी बाजी



बिजनौर: तीन दिनों से विवेक विश्वविद्यालय में चल रहे नेशनल स्पीड हैंडबाल बॉल चैम्पियनशिप 2025के महिला एवं पुरुष वर्ग में दिल्ली ने अपनी बादशाहत दिखाते हुए चैम्पयनशिप अपने नाम की। फाइनल में महिला वर्ग में दिल्ली ने हरियाणा को 15-13 से पराजित किया, वहीं पुरुष वर्ग में दिल्ली ने हिमाचल प्रदेश को 15-13 से पराजित किया। तृतीय स्थान पर पुरुष वर्ग में विवेक विश्वविद्यालय एकेडमी एवं महिला वर्ग मे छत्तीसगढ रहा। मैन आफ द टूर्नामेंट उत्तर प्रदेश टीम हर्ष यादव रहे ,वूमन आफ द टुर्नामेंट दिल्ली टीम की तनिषा रही। समापन कार्यक्रम में मुख्यअतिथि के रुप में

पधारे विवेक विश्वविद्यालय के चांसलर अमित गोयल, स्पीड हैंडबाल फेडरेशन के राष्ट्रीय सचिव अमित मान, स्पीड हैंडबाल फेडरेशन उत्तर प्रदेश के सचिव विवेक गिरि, स्पीड हैंडबाल फेडरेशन संस्थापक सदस्य पण्णल गोयाम्मी, प्रोचांसलर दीपक मित्तल, कोषाध्यक्ष डीके अग्रवाल, कुलपति प्रो.एनके गुरा, कुलसचिव डॉ. हितेश शर्मा द्वारा संयुक्त रुप से टीमों को पुरस्कृत किया गया।

इस अवसर पर अमित गोयल ने सभी विजयी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि खेल भावना खेल में महत्वपूर्ण होती है जो अनुशासन और संयमित होकर खेलते हैं, विजयी होते हैं।

झारखण्ड विधानसभा की पुस्तकालय विकास समिति का कोडरमा जिला दौरा

अधिकारियों संग समीक्षा बैठक लाइब्रेरी सुहृदीकरण और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर

नव प्रदेश संवाददाता

कोडरमा। झारखण्ड विधानसभा की पुस्तकालय विकास समिति ने आज कोडरमा जिला का दौरा किया। इस अवसर पर समिति द्वारा जिले में पुस्तकालय के विकास तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन को लेकर जिला स्तरीय विभागीय पदाधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई। परिसदन भवन, कोडरमा आगमन पर समिति की सभापति- सह-

कोडरमा विधायक डॉ. नीरा यादव एवं माननीय सदस्य- सह- तोरपा विधायक सुदीप गुड़िया सदस्य सह डुमरी विधायक जयराम महतो का जिला प्रशासन की ओर से उप विकास आयुक्त रवि जैन द्वारा पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। परिसदन भवन, कोडरमा के सभागार में आयोजित बैठक में समिति द्वारा सर्वप्रथम जिले में संचालित सरकारी एवं गैर-सरकारी पुस्तकालयों की वर्तमान स्थिति की जानकारी जिला शिक्षा पदाधिकारी से प्राप्त की गई। माननीय सभापति द्वारा पुस्तकालयों के समुचित विकास, प्रखंड स्तर पर पुस्तकालयों के अधिष्ठापन, ज्ञानवर्धक एवं प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित पर्याप्त पुस्तकों की



उपलब्धता, बच्चों के बैठने की समुचित व्यवस्था, पेयजल एवं शौचालय की सुविधा, इंटरनेट कनेक्टिविटी तथा पंचायत भवनों में ज्ञान केंद्रों के सुदृढ़ संचालन को लेकर आवश्यक निर्देश दिए गए। बैठक में सभापति एवं सदस्य द्वारा जिले में हो रही सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम को लेकर परिवहन विभाग को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। परिवहन विभाग द्वारा बताया गया कि

सड़क सुरक्षा माह के तहत जिले में विशेष अभियान चलाकर आमजनों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। इस अभियान को और अधिक व्यापक रूप से कार्यक्रम आयोजित कर यातायात नियमों की जानकारी देने के निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त बैठक में जल जीवन मिशन के तहत पेयजल आपूर्ति, मत्स्य पालन को बढ़ावा देने, श्रम विभाग अंतर्गत श्रमिकों का

पदाधिकारी सकारात्मक सोच के साथ आपसी समन्वय स्थापित करते हुए जिले के सर्वांगीण विकास के लिए पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्य करें। उप विकास आयुक्त ने आश्वस्त किया कि बैठक में प्राप्त सभी निर्देशों का संबंधित पदाधिकारियों द्वारा अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित किया जाएगा। बैठक में पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह, वन प्रमंडल पदाधिकारी सौमित्र शुक्ला,अपर समाहर्ता पूनम कुजूर, जिला आपूर्ति पदाधिकारी प्रदीप शुक्ला, डीसीएलआर ओम प्रकाश मंडल, जिला शिक्षा पदाधिकारी अविनाश राम सहित विभिन्न विभागों के पदाधिकारी, कार्यपालक अभियंता एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

चंदवारा प्रखंड मुख्यालय परिसर में स्वास्थ्य मेले में 260 लोगों ने स्वास्थ्य संबंधित उठाया लाभ

नवप्रदेश (विजय कुमार)

चंदवारा। दिन शनिवार को प्रखंड मुख्यालय के मैदान में स्वास्थ्य मेला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि बरही विधायक मनोज कुमार यादव, सिविल सर्जन डॉक्टर अनिल कुमार, प्रखंड प्रभारी डॉक्टर मयूरी सिन्हा, सांसद प्रतिनिधि प्रवीण कुमार बंटी, विधायक प्रतिनिधि लक्ष्मण प्रसाद यादव, मंडल अध्यक्ष नंदकिशोर सोनी, प्रतिनिधि द्वारिका प्रसाद राणा ने संयुक्त रूप से फीता काटकर एवं दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। कार्यक्रम कि अध्यक्षता स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी डॉ मयूरी सिन्हा एवं मंच संचालन शैलेन्द्र तिवारी ने किया। स्वास्थ्य मेले के दौरान प्रखंड मुख्यालय परिसर में विभिन्न स्वास्थ्य



सेवाओं से संबंधित स्टॉल लगाए गए। इनमें पंजीकरण, सामान्य ओपीडी काउंटर, आयुष, शिशु स्वास्थ्य, एनसीडी स्क्रीनिंग, मानसिक स्वास्थ्य, रबीय श्वय रोग निंत्रण कार्यक्रम, आनुमान भारत/हेल्थ कार्ड, अंधापन निर्व्रण कार्यक्रम, मातृत्व स्वास्थ्य, सिक्ल सेल जांच केंद्र एवं दवा वितरण के स्टॉल प्रमुख रहे। इन

स्टॉलों के माध्यम से कुल 260 लोगों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया।मौके पर विधायक मनोज कुमार यादव ने स्वास्थ्य मेले में लगाए गए सभी स्टॉलों का निरीक्षण किया और व्यवस्थाओं की सराहना की। स्वास्थ्य मेला को लेकर स्थानीय लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला। ज्ञात हो कि स्वास्थ्य मेले का लाभ लेने के

लिए प्रखंड के विभिन्न गांवों में विभाग के द्वारा प्रचार प्रसार किया गया था। मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी सुमित कुमार मिश्रा, डॉक्टर अनोश कुमार, डॉ आलम, डॉ प्रमोद कुमार, डॉ संगीता कुमारी, डॉ मुन्ना प्रसाद, डॉ राकेश कुमार, डॉ मकबूब आलम, कंप्यूटर ऑपरेटर कुमार नंदकिशोर, शेखर कुमार, सुभाष आर्यन, एनम प्रबिला कुमारी, एम पी डब्लू दोनदयाल बीटीटी प्रकाश चंद्र राय, रूपेश कुमार सिन्हा, स्वेता कुमारी, शक्ति साधना, बंटी कुमार, उरवा मुखिया मनोज पासवान, खांडी मुखिया अस्पर अंसारी, चंदवारा पूर्वी पसंस प्रतिनिधि बालगोविंद स्वर्णकार, सुरेश यादव, राजेंद्र यादव, सहित सैकड़ों सहिया एवं सहिया साथी मौजूद थे।

अनूप जोशी के पुनः जिला अध्यक्ष बनने पर झुमरी तिलैया में भव्य स्वागत समारोह

नव प्रदेश संवाददाता झुमरी तिलैया। स्थित रॉयल सैलिब्रेशन में भारतीय जनता पार्टी, जिला कोडरमा के नवनिर्वाचित जिला अध्यक्ष अनूप जोशी के पुनः चुने जाने पर भव्य और ऐतिहासिक स्वागत समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अनूप जोशी ने की, जबकि संचालन जिला महामंत्री शिवेंद्र नारायण और विजय यादव ने किया। समारोह में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं की मौजूदगी ने संगठन की मजबूती का संदेश दिया। मुख्य अतिथि प्रदेश उपाध्यक्ष सह जिला चुनाव पर्यवेक्षक विकास प्रीतम ने कहा कि भाजपा में



लोकतांत्रिक तरीके से संगठनात्मक चुनाव होते हैं और कार्यकर्ताओं के विश्वास से अनूप जोशी का दोबारा चुना जाना उनके नेतृत्व की बलिष्क जिम्मेदारी बताते हुए प्रभारी सुबोध सिंह गुड्डु,

विधायक डॉ. नीरा यादव और पर्यवेक्षक विनय कुमार सिंह ने भी अनूप जोशी के नेतृत्व की सराहना की। अपने संबोधन में अनूप जोशी ने इसे सम्मान नहीं बल्कि जिम्मेदारी बताते हुए संगठन को बृ्थ स्तर तक

मजबूत करने का संकल्प लिया। समारोह में ढोल- नगाडों, नारों और फूल- मालाओं के साथ उनका जोरदार स्वागत किया गया। मौके पर राजेश सिंह, राजकुमार यादव, सूरज प्रताप मेहता, डॉ सत्यनारायण यादव, प्रभाकर लाल रावत, महेश वर्मा, अजय पांडेय, सुधीर सेठ, द्वारिका राणा ,विजय राणा, चंद्रशेखर जोशी, विनोद सिन्हा, संजय मेहता, नवीन चौधरी, सुनील भारती, सुरेंद्र यादव, महावीर यादव, राजेंद्र सिंह, मनोज साव, बालमुकुंद सिंह, संजय शर्मा, रमेश यादव, सन्दीप कुमार, कुलदीप राम,पारिजात सिंह, आदि बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं समर्थक उपस्थित थे।

चौपारण में 38 प्रशिक्षु जेपीएससी अधिकारियों का दो दिवसीय दौरा

नवप्रदेश/चौपारण। प्रशासनिक प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत शुक्रवार शाम चौपारण प्रखंड में 38 प्रशिक्षु जेपीएससी अधिकारियों का आगमन हुआ। सभी अधिकारियों का भव्य स्वागत सीओ संजय कुमार यादव एवं बीडीओ नितेश भास्कर द्वारा किया गया। दौर के पहले दिन शनिवार को प्रशिक्षु अधिकारियों ने बच्छई, बेहरा एवं पड़रिया पंचायतों का भ्रमण कर केंद्र व राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का जमीनी स्तर पर निरीक्षण किया। इस दौरान संबंधित पंचायतों के बच्छई मुखिया बिरेन्द्र राजक, बहेरा मुखिया पुजा कुमारी एवं पड़रिया मुखिया पप्पू रजक द्वारा पारंपरिक रीति-रिवाजों से अधिकारियों का स्वागत किया गया।

बच्छई पंचायत में 15 प्रशिक्षु अधिकारियों ने मनेरगा एवं 15वीं वित्त आयोग से संचालित विकास



कार्यों, विद्यालयों एवं अन्य सार्वजनिक परिसरों पर जांच की निरीक्षण किया। साथ ही जेंडर कैपेन के तहत शपथ कार्यक्रम भी आयोजित हुआ। अधिकारियों ने कार्यों की गुणवत्ता पर संतोष जताते हुए आवश्यक सुझाव दिए।वहीं बेहरा पंचायत में 10 प्रशिक्षु अधिकारियों ने मनेरगा से निर्मित कुआँ, आम बागवानी, अबुआ आवास, पीडीएस दुकान, मुगी शेड तथा 15वीं वित्त से निर्मित नाली का निरीक्षण किया। प्राथमिक विद्यालय बेहरा का भी भ्रमण कर साफ-

सफाई एवं शौचालय की नियमित देखरेख के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान ड्रेन तकनीक से सिंचाई पद्धति का अवलोकन किया गया, जिसे कृषि क्षेत्र में सराहनीय माना गया। पड़रिया पंचायत में भी 15 प्रशिक्षु अधिकारियों ने विभिन्न विकास योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। यह दौरा प्रशासनिक प्रशिक्षण के साथ ग्रामीण विकास की वास्तविक स्थिति को समझने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

पंचायत की आवाज को मिलेगा संसद से सीधा मंच

लातेहार। लातेहार जिले में आगामी 8 फरवरी 2026 को प्रस्तावित जनसंवाद कार्यक्रम को लेकर जिले भर में उत्साह का माहौल है। यह आयोजन केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि पंचायत व्यवस्था और संसदीय लोकतंत्र के बीच एक सशक्त सेतु स्थापित करने की दिशा में एक ठोस और दूरदर्शी पहल के रूप में देखा जा रहा है। इस कार्यक्रम की अगुवाई मायापुर पंचायत के मुखिया एवं लातेहार जिला मुखिया संघ के अध्यक्ष सुभाष सिंह कर रहे हैं। स्वर्गीय नागेश्वर स्वामी (सरना धाम, मायापुर, गारु) के सुपुत्र सुभाष सिंह ने पहली बार पंचायत प्रतिनिधियों को संगठित रूप में सांसद से संवाद का अवसर देने का साहसिक कदम उठाया है। इस क्रम में लातेहार जिले के मुखियाओं द्वारा चतरा सांसद कालीचरण सिंह को संयुक्त रूप से पत्र के माध्यम से आमंत्रण दिया



गया, जिस पर सांसद महोदय ने सहमति प्रदान करते हुए इस जनसंवाद पहल की सराहना की है। यह पहल इसलिए भी विशिष्ट मानी जा रही है। क्योंकि झारखंड में अब तक पंचायत स्तर की समस्याओं, मांगों और विकास प्रस्तावों को एक साझा मंच पर लाकर सीधे संसद के समक्ष रखने का ऐसा सुव्यवस्थित प्रयास देखने को नहीं मिला था। सुभाष सिंह की यह सोच कि मुखियाओं की बात सामूहिक, सम्मानजनक एवं दस्तावेजी रूप में रखी जाए, उन्हें एक सशक्त संगठक और दूरदर्शी नेतृत्व के रूप में स्थापित करती है। कार्यक्रम की तैयारियां पूरे जिले में तेजी से चल रही हैं तथा पंचायत प्रतिनिधियों में

इसे लेकर विशेष उत्साह देखा जा रहा है।

इस अवसर पर युवा नेता एवं समाजसेवी मिलन शुक्ला की सक्रिय उपस्थिति और सहयोग और भी आयोजन को मजबूती प्रदान कर रहा है। वे विभिन्न पंचायत प्रतिनिधियों से संपर्क कर कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

इस जनसंवाद कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य लातेहार जिले के सभी पंचायत मुखियाओं को एक ऐसा साझा मंच प्रदान करना है, जहां वे अपनी-अपनी पंचायतों की जमीनी समस्याएं, बुनियादी आवश्यकताएं एवं विकास से जुड़े प्रस्ताव सीधे सांसद के समक्ष रख सकें, जिससे उनके समाधान की प्रक्रिया को गति मिल सके। यह संवाद केवल शिकायतों तक सीमित न रहकर भविष्य की विकास योजनाओं और नीतिगत सुझावों को भी सामने लाने का माध्यम बनेगा।

चौपारण में स्वास्थ्य मेला का विधायक ने किया शुभारंभ

नवप्रदेश/चौपारण। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चौपारण परिसर में शनिवार को स्वास्थ्य मेला का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ स्थानीय विधायक मनोज कुमार यादव, प्रखंड प्रमुख पूर्णिमा देवी, चिकित्सा प्रभारी डॉ. डी.एन. ठाकुर, स्थानीय मुखिया पंकि देवी सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर विधायक ने अस्पताल में नवनिर्मित डिजिटल एक्सरे मशीन का फीता काटकर उद्घाटन भी किया।कार्यक्रम का मंच संचालन दुर्गा पासवान द्वारा किया गया।स्वास्थ्य मेला के दौरान विधायक एवं अन्य जनप्रतिनिधियों ने विभिन्न स्वास्थ्य स्टॉलों का निरीक्षण किया तथा उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने मरीजों से सीधे संवाद कर

अस्पताल की व्यवस्था और उपचार संबंधी जानकारी भी प्राप्त की। स्वास्थ्य मेला का संचालन सुबह 11 बजे से अपराह्न 4 बजे तक किया गया। मेले में मधुमेह, उच्च रक्तचाप, मौखिक स्वास्थ्य जांच, पुरुष व महिला ओपीडी, आयुष ओपीडी, एनसीडी क्लिनिक, मलेरिया, फाइलेरिया, टीबी उन्मूलन,आयुष्मान भारत/आभा डिजिटल कार्ड, नियमित टीकाकरण, एचआईवी-एड्स सहित कुल 22 काउंटर लगाए गए थे। जिनमें 580 मरीजों का इलाज किया गया,सभी प्रकार की जांच, परामर्श एवं दवाएं पूरी तरह निःशुल्क उपलब्ध कराई गईं। मेले में मरीजों की भारी भीड़ देखने को मिली। फाइलेरिया काउंटर पर विधायक, प्रमुख एवं मुखियाओं



द्वारा मरीजों के बीच दवा किट का वितरण भी किया गया। **कर्तव्यों के प्रति सजग रहें चिकित्सक : विधायक मनोज यादव** निरीक्षण के दौरान विधायक का कड़ा रुख देखने को मिला। उन्होंने चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मियों को निर्देश देते हुए कहा कि क्षेत्र से लगातार शिकायतें मिल रही हैं, जिसे किसी भी हाल में बर्बाद नहीं किया जाएगा। चिकित्सक अपने

दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन करें और मरीजों का समुचित इलाज चौपारण अस्पताल में ही सुनिश्चित करें। जो इलाज यहां संभव है, उसके लिए बाहर रेफर करने की प्रवृत्ति पर रोक लगाई जाए और शत-प्रतिशत सेवा भाव से कार्य किया जाए। विधायक प्रतिनिधि राजदेव यादव ने भी मंच से सीएचसी प्रभारी को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि रेफरल सिस्टम पर सख्ती से लागम

लगाई जाए। यह जिले का सबसे बड़ा प्रखंड अस्पताल है, जहां संसाधनों की कोई कमी नहीं है, जरूरत है तो केवल ईमानदारी और लगन से इलाज की। कार्यक्रम में भाजपा नेता रामस्वरूप पासवान, मंडल अध्यक्ष रेवाशंकर साव, राजेंद्र चंद्रवंशी, मुखिया जानकी यादव, सुनीता देवी, मंजू देवी, समिति सदस्य जनार्दन सिंह, आड़े हाथों लेते हुए कहा कि रेफरल सिस्टम पर सख्ती से लागम लगाया जाएगा, जनमेजय

सिंह, रिशु बर्णवाल, अशोक केशरी, संतोष पासवान, रामचंद्र सिंह, दिलीप राणा, दया सिंह,आदित्य चौरसिया सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।स्वास्थ्य मेला को सफल बनाने में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चौपारण परिवार की अहम भूमिका रही। इस अवसर पर डॉ. फरहाना महफूज, डॉ. पुष्पा कुमारी, डॉ. सरवर हसन, डॉ. रविकांत पांडेय, डॉ. पंकज मेहता, डॉ. दिनेश एकलव्य, सुधीर कुमार, सोनू कुमार, गणपति झा, धनंजय सिंह, प्रवीण कुमार, संजीत कुमार, समीर रंजन, राकेश कुमार, राजेंद्र प्रसाद सहित सभी सीएचओ, एएनएम, बीटीटी, सहिया साथी, सहिया दीदी एवं अस्पताल कर्मी उपस्थित रहे।

डोमचांच में चला सघन वाहन जांच अभियान जुमाना के साथ लोगों को किया गया जागरूक



नव प्रदेश संवाददाता/डोमचांच। सड़क सुरक्षा माह 2026 के तहत डोमचांच थाना भवन के समीप दिन शनिवार को सघन वाहन जांच अभियान चलाया गया। यह अभियान ट्रैफिक इंस्पेक्टर सलाउद्दीन खान, अंचल निरीक्षक अरविंद कुमार एवं डोमचांच थाना प्रभारी अभिमन्यु कुमार के संयुक्त नेतृत्व में संचालित हुआ। अभियान के दौरान दोपहिया और चारपहिया वाहनों की सघन जांच की गई, जिसमें नियमों का उल्लंघन करने वाले कुल 16 वाहनों का चालान काटा गया। इसके साथ ही सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान के तहत वाहन चालकों को पंपलेट देकर हेलमेट, सीट बेल्ट, वैध कागजात और ट्रैफिक नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित किया गया। अधिकारियों ने कहा कि दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए यह अभियान लगातार जारी रहेगा। मौके पर जिला परिवहन कार्यालय के कर्मी भी मौजूद रहे, जिन्होंने नियमों की जानकारी देकर लोगों को जागरूक किया।

मनरेगा पर कांग्रेस का देशव्यापी हामनरेगा बचाओ संग्राम शुरू



नव प्रदेश संवाददाता/कोडरमा। परिसदन में आयोजित प्रेस वार्ता में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सदस्य व जिला प्रभारी राजीव रंजन प्रसाद ने वीबी- ग्राम- जी कानून को मनरेगा को खत्म करने की साजिश बताया। उन्होंने कहा कि नया कानून रोजगार के अधिकार को सरकार की मर्जी बना देता है और पंचायतों के अधिकार छीनकर सत्ता का केंद्रीकरण करता है। कांग्रेस ने मांग की कि वीबी- ग्राम- जी कानून वापस लिया जाए और मनरेगा को अधिकार आधारित कानून के रूप में बहाल किया जाए। उन्होंने बताया कि 10 जनवरी से 25 फरवरी तक देशभर में ह्यमनरेगा बचाओ संग्रामहू चलेगा। 11 जनवरी को सभी जिलों में उपवास, 12 से 29 जनवरी तक पंचायत स्तर पर चौपाल और जनसंपर्क, 30 जनवरी को धरना तथा फरवरी में जिला व राज्य स्तरीय आंदोलन होंगे। कोडरमा में अंबेडकर पार्क में उपवास कार्यक्रम होगा। मौके पर जिलाध्यक्ष प्रकाश रजक, प्रदेश सचिव मनोज सहाय पिंगू, अनिल यादव, प्रदीप सिंह, अज्जू सिंह सहित कई कांग्रेस नेता व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ट्रेड लाइसेंस प्राप्त करने के पश्चात तीनों सील दुकान खोला गया

नव प्रदेश संवाददाता/कोडरमा।

प्रशासक नगर पंचायत कोडरमा शंभु प्रसाद कुशवाहा के निदेशानुसार कोडरमा नगर पंचायत क्षेत्र अंतर्गत राजा सूज जवनगर मोड कोडरमा,



सज्जन स्टोर एवं स्टील कॉर्नर रंची पटना रोड कोडरमा को ट्रेड लाइसेंस नहीं रहने के कारण दिनांक 08 जनवरी 26 को सील किया गया था। उपरोक्त दुकान के संचालक के द्वारा अपने दुकान का ट्रेड लाइसेंस बनवा लिया गया है एवं सम्बंधित घर के मलिक के द्वारा अपने दुकान का अप टू डेट व्यवसायिक होलडिंग टैक्स कटवा लिया गया है। उसके पश्चात उन्होंने सील की गई दुकान को खोलने के लिए अनुरोध किया गया, उक्त के आलोक में नगर प्रशासक के द्वारा उपरोक्त दुकान को खोलने की अनुमति प्रदान की गई ’ तत्पश्चात दुकान का सील खोला गया। अन्य सभी दुकानदारों एवं संस्थानों को निर्देश दिया जाता है कि अपने प्रतिष्ठानों, दुकाने, संस्थानों का होलडिंग टैक्स एवं ट्रेड लाइसेंस लेना सुनिश्चित करें अन्यथा नियमानुसार दुकान/ संस्थानों को सील करने की कार्रवाई की जाएगी।

मरकच्चो प्रखंड मुख्यालय में शिक्षकों की मासिक गुरुगोष्ठी हुई सम्पन्न



नव प्रदेश संवाददाता/मरकच्चो। प्रखंड मुख्यालय स्थित सभागार में शिक्षकों की मासिक गुरुगोष्ठी बीपीओ प्रभुदेव यादव की देखरेख में शनिवार को संपन्न किया गया वहीं इस दौरान श्री यादव ने शिक्षकों से आग्रह किया कि समय पर एमडीएम प्रयास प्रतिवेदन, छात्रों एवं शिक्षकों का ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज करना, बच्चों का आधार, खाता खुलवाना तथा अपडेट करवाना अनिवार्य है। मौके पर बीपीएम आनंद शेखर, अचिंठो रांय, बीरेंद्र कुमार, शिक्षक अशोक कुमार, अर्जुन महतो, मनोज कुमार ठाकुर, सीता कुमारी, कुमारी रंजू, आशुतोष कुमार, अर्जुन महतो, बालेस्वर यादव, जटाधारी रविदास के अतिरिक्त दर्जनों शिक्षक मौजूद थे।

लीड्स संस्था द्वारा जिले के तीन पंचायतों में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का सफल आयोजन



नव प्रदेश संवाददाता/कोडरमा। कोडरमा जिले के तीन पंचायतों में जिनमें नगर पंचायत कोडरमा, मेघातरी पंचायत, और खरकोटा पंचायत में आमजन के बेहतर स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का सफल आयोजन किया गया। इस स्वास्थ्य शिविर का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों, विशेषकर बच्चों, महिलाओं एवं किशोरियों को प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना था। शिविर के दौरान स्थानीय लोगों को निःशुल्क चिकित्सकीय परामर्श के साथ- साथ आवश्यक दवाइयों प्रदान की गईं। इसके अतिरिक्त रक्तचाप (बीपी) जांच, शुगर टेस्ट, वजन माप, तथा सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण की सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं। किशोरियों के स्वास्थ्य और स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए उन्हें निःशुल्क सेनेटरी नेपकिन का वितरण भी किया गया। इस तीनों पंचायतों में आयोजित स्वास्थ्य शिविरों के माध्यम से प्रतीक केप में 100 से अधिक मरीजों का इलाज किया गया, जिनमें बड़ी संख्या में बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग शामिल थे।। स्वास्थ्य विशेषज्ञों द्वारा मरीजों को स्वास्थ्य, पोषण एवं स्वच्छ जीवनशैली से संबंधित आवश्यक परामर्श भी दिया गया। ग्रामीणों ने बताया कि इस प्रकार के स्वास्थ्य शिविर ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने और समय पर जांच एवं उपचार सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। स्थानीय ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना करते हुए भविष्य में भी ऐसे शिविरों के आयोजन की आवश्यकता पर बत दिया। यह स्वास्थ्य शिविर समुदाय के सहयोग से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ और इससे जरूरतमंद लोगों को सीधे तौर पर लाभ पहुंचा।

कौन हैं आईएस दीपक कुमार मिश्रा?

आईआईटी से आइएएस और अब नीतीश के भरोसेमंद

निरंकार भास्कर, नवप्रदेश

पटना: नालंदा के नगर आयुक्त रहे 2019 बैच के आईएएस अधिकारी दीपक कुमार मिश्रा को मुख्यमंत्री सचिवालय में संयुक्त सचिव बनाया गया है। इसे नालंदा में उनके शानदार काम के इनसा के तौर पर देखा जा रहा है। अपने कार्यकाल में दीपक कुमार मिश्रा सीएम नीतीश कुमार का भरोसा हासिल करने में कामयाब रहे।

भारतीय प्रशासनिक सेवा के 2019 बैच के अधिकारी दीपक कुमार मिश्रा वर्तमान में बिहारशरीफ नगर निगम के नगर आयुक्त के रूप में कार्यरत हैं। कुशल प्रशासनिक क्षमता, नवाचारपूर्ण सोच और जनहित के प्रति अटूट प्रतिबद्धता के कारण वे बिहार के प्रशासनिक गलियारों में एक सशक्त, ईमानदार और परिणाम देने वाले अधिकारी के रूप में जाने जाते हैं। यही कारण है कि मुख्यमंत्री सचिवालय में संयुक्त



सचिव जैसे महत्वपूर्ण पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। आईआईटी दिल्ली से मैकेनिकल इंजीनियरिंग की डिग्री: सिवान जिले के निवासी दीपक कुमार मिश्रा ने देश के प्रतिष्ठित संस्थान आईआईटी दिल्ली से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में स्नातक की डिग्री प्राप्त की है। उनकी शैक्षणिक और पेशेवर यात्रा अनुशासन, परिश्रम और लक्ष्य के प्रति समर्पण की मिसाल है। वर्ष

2018 में यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा में अखिल भारतीय रैंक 511 प्राप्त कर उन्होंने आईएएस बनने का सपना साकार किया। आईएएस बनने से पूर्व दीपक कुमार मिश्रा ने भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) में सहायक प्रबंधक के रूप में कार्य किया। इसके साथ ही भारतीय रेलवे में भी सेवाएं दीं, जहां से उन्हें प्रशासन, प्रबंधन और जमीनी स्तर पर कार्य करने का व्यावहारिक

अनुभव मिला, जो आगे चलकर उनके प्रशासनिक निर्णयों की मजबूत नींव बना। **बिहार शरीफ में बदली प्रशासन की तस्वीर :** नगर आयुक्त के रूप में बिहारशरीफ में पदस्थापना के दौरान उन्होंने शहरी विकास, स्वच्छता व्यवस्था, यातायात सुधार और नागरिक सुविधाओं को प्राथमिकता दी। उनके कार्यकाल में नगर निगम की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता बढ़ी और आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान की दिशा में ठोस पहल हुई।

शहर की सबसे बड़ी समस्या जाम से निजात दिलाने के लिए बनाए जा रहे फ्लाईओवर के वर्षों से अधूरे पड़े कार्य को उन्होंने गंभीरता से लिया और तेजी से आगे बढ़ाया। उनके प्रयासों से फ्लाईओवर का काम अब लगभग पूरा हो चुका है, जिससे बिहारशरीफवासियों को जल्द ही बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। **अंतरराष्ट्रीय आयोजन से नालंदा**

को दिलाई पहचान : दीपक मिश्रा की कार्यकुशलता का एक बड़ा उदाहरण राजगीर खेल अकादमी में आयोजित पुरुष हॉकी एशिया कप का सफल आयोजन रहा। दिन-रात की कड़ी मेहनत, सटीक योजना और विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय के दम पर उन्होंने इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता को सफलतापूर्वक संपन्न कराया। इस आयोजन से ने केवल राजगीर बल्कि पूरे नालंदा जिले का नाम राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच पर चमका।

चुनावी जिम्मेदारियों में भी दिखी दक्षता: विधानसभा चुनाव के दौरान उन्हें कई विभागों का नोडल अधिकारी बनाया गया। चुनावी तैयारियों, प्रशासनिक समन्वय और मतदाता जागरूकता में उनकी सक्रिय भूमिका का असर यह रहा कि इस बार पिछले चुनावों की तुलना में अधिक मतदान हुआ। शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और व्यवस्थित चुनाव संपन्न कराने में उनके

योगदान की व्यापक सराहना की गई।

पारदर्शिता की परीक्षा में भी खरे : बिहारशरीफ घंटाघर निर्माण से जुड़े मामले में उन्हें सार्वजनिक जांच का सामना करना पड़ा। इस दौरान उन्होंने तथ्यों और नियमों के आधार पर अपनी भूमिका स्पष्ट की। पूरे प्रकरण में उनकी पारदर्शिता, जवाबदेही और प्रशासनिक ईमानदारी साफ झलकती रही।

मुख्यमंत्री सचिवालय तक पहुंचा भरोसा : उनकी प्रशासनिक दक्षता, अनुभव और जनसेवा के प्रति समर्पण को देखते हुए उन्हें मुख्यमंत्री सचिवालय में संयुक्त सचिव जैसे महत्वपूर्ण पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। आईएएस दीपक कुमार मिश्रा आज उन युवा अधिकारियों के लिए प्रेरणा हैं, जो यह साबित करते हैं कि ईमानदारी, कड़ी मेहनत और दूरदर्शिता से प्रशासन में वास्तविक और सकारात्मक बदलाव संभव है।

संक्षिप्त खबरें

कदाचार मुक्त प्रायोगिक परीक्षा शुरू



नवप्रदेश, नौतन : बिहार विद्यालय परीक्षा समिति के निर्देशानुसार कमल साह उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में शनिवार को इंटरमीडिएट वार्षिक परीक्षा 2026 को लेकर प्रायोगिक परीक्षा शुरू हो गई। मिली जानकारी के अनुसार प्रखंड के आठ उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के छत्र छात्राओं के लिए कमल साह उच्चतर माध्यमिक विद्यालय प्रायोगिक परीक्षा का केंद्र बनाया गया है । जिसमें केन्द्राधीक्षक के रूप विद्यालय की

प्रधानाध्यापिका अनुपमा कुमार एवं परीक्षा नियंत्रक के रूप में कौशलेन्द्र राम और सहयोगी के रूप में नंदकिशोर प्रसाद यादव को नियुक्त किया गया । केन्द्राधीक्षक सह प्रधानाध्यापिका अनुपमा कुमारी ने बताया कि प्रायोगिक परीक्षा की सारी तैयारियां पूरी कर ली गईं बिहार बोर्ड द्वारा जारी आधिकारिक सूचना के अनुसार प्रायोगिक परीक्षा 20 जनवरी तक आयोजित की जाएगी।

यज्ञ से मानवता का संदेश प्राप्त होता है: पं.भरत उपाध्याय



नवप्रदेश,बगहा : अनुमंडल अंतर्गत मधुबनी प्रखंड स्थित राजकीय कृत हरदेव प्रसाद इंटरमीडिएट कॉलेज मधुबनी के पूर्व प्राचार्य पंभरत उपाध्याय ने नारायणी के तट पर 5,100 कन्याओं द्वारा कलश यात्रा सकुशल संपन्न होम पर शुभकामनाएं निवेदित करते हुए कहा कि विगत दो दशक से विष्णु महायज्ञ ,यज्ञसमिति द्वारा कराया जाता है । जो 10 जनवरी को शुरू होकर 18 जनवरी तक अनवरत जारी रहेगा। कड़ाके की ठंड के बावजूद श्रद्धालुओं की भारी भीड़ खासकर बच्चे एवं युवा उत्साह पूर्वक भाग लिए निबीअहवा ,रंग

ललही सहित लगभग 7 किलोमीटर की पैदल यात्रा जब श्री राम, हरे राम के संकीर्तन के साथ संपन्न हुई। इस अवसर पर टाकुर इन्द्रासन सिंह, विकास कुमार सिंह, संजय कुमार बैठा, शंभू यादव, भरत प्रसाद, शैलेन्द्र मोहन पांडेय,रौनक पांडेय, ओम प्रकाश गुप्ता, सुरेश गुप्ता,महेश टाकुर, महातम यादव, मुखिया रंजेश चौधरी, एवं वरिष्ठ जनप्रतिनिधि, पत्रकार सहित हजारों लोगों ने अपनी उपस्थिति दर्ज की। घोड़े, हाथी, ऊंट और गाजे-बाजे के साथ यज्ञ समिति के लोग सक्रिय रहे।

सासाराम जिला मुख्यालय पर बुलाकर शतरंज खिलाड़ी बिटिया को डीएम और विधायक ने किया सम्मानित



नवप्रदेश, कोआथ : नगर पंचायत कोआथ की शतरंज खिलाड़ी लक्षिता चौधरी को उनकी उपलब्धि के लिए सम्मानित किया गया।
मुख्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में जिलाधिकारी उदिता सिंह ने उन्हें ट्रफे, शॉल और मोमेंटो देकर सम्मानित किया। करगहर विधायक वशिष्ठ सिंह ने बताया गया कि लक्षिता चौधरी का चयन आगामी मार्च 2026 में मॉरीशस में होने वाली शतरंज चैंपियनशिप (एशियाड टॉर्नी) के लिए हुआ है। यह रोहतस जिले के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। करगहर

विधायक वशिष्ठ सिंह ने भी लक्षिता चौधरी को सम्मानित किया । उन्होंने लक्षिता की मेहनत, लगन और प्रतिभा की प्रशंसा की। विधायक सिंह ने आगे कहा कि लक्षिता की सफलता क्षेत्र की अन्य लड़कियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है । उन्होंने लक्षिता को हरसंभव सहयोग देने का आश्वासन दिया। सम्मान समारोह में जेडीए नेता अभिषेक पटेल, अरविंद कुमार चौधरी, विकास पटेल, शैलेश चौधरी सहित लक्षिता के परिजन और स्थानीय लोग उपस्थित थे,सभी ने लक्षिता को उनकी उपलब्धि पर बधाई दी।

नववर्ष में वन भोज का हुआ आयोजन



नवप्रदेश, सासाराम : ताराचण्डी धाम स्थित बुढ़दा महादेव परिसर में शनिवार को शाहाबाद महोत्सव आयोजन समिति द्वारा नव वर्ष के उपलक्ष्य में वन भोज का आयोजन किया गया। आयोजन समिति के अध्यक्ष अखिलेश कुमार की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में भूमिका निभा रहे बड़ी संख्या में लोगों ने शिरकत की और शाहाबाद महोत्सव आयोजन समिति द्वारा अपने गौरवशाली ऐतिहासिक सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत को सहजते हुए पर्यटन को बढ़ावा देने के प्रयास की सराहना करते हुए उसे मुकाम तक पहुंचने में हर संभव सहयोग करने का संकल्प

लिया। वक्ताओं ने अपने संबोधन में कहा कि राजा हरिश्चंद्र काल से लेकर त्रेता, मध्यकालीन तथा वर्तमान काल तक का गौरवशाली इतिहास शाहाबाद प्रक्षेत्र का रहा है तथा यहां पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। लेकिन दुर्भाग्य है कि अभी तक इस क्षेत्र को पर्यटकीय दृष्टिकोण से विकसित नहीं किया गया। इसके लिए अपने अपने स्तर से सामुहिक प्रयास करने की जरूरत है, ताकि सरकार प्राथमिकता के आधार पर यह विकास किया जाए। वक्ताओं ने भोजपुरी भाषा को संविधान के आठवें अनुसूचि में शामिल करने की मांग पुर्नजोर तरीके से उठाई।

पीरो नगर में चौक चौराहों पर की गई अलाव की व्यवस्था



नवप्रदेश, पीरो : भीषण ठंड व शीत लहर से गरीब व फुटपाथी लोगों को राहत दिलाने के लिए पीरो नगर परिषद प्रशासन की ओर से सभी सार्वजनिक स्थलों पर अलाव की व्यवस्था की गई है। नगर परिषद की सभापति किरण उपाध्याय स्वयं शहर में घूम-घूम कर अलाव की व्यवस्था करती देखी गई। नगर परिषद कमियों के अनुसार गांधी चौक, नया बस पड़ाव, ओझरलिया मोड, झ्राहिमपुर मोड, बिहियां रोड सहित कई अन्य स्थानों पर तत्काल अलाव की व्यवस्था की गई है। आवश्यकतानुसार अन्य स्थलों पर भी अलाव जलाया जाएगा। इस व्यवस्था से दलित बस्तियों में रहने

वाले परिवारों, टेल-रिक्सा चालकों व दूसरे बेघर लोगों को काफी राहत मिली है। नगर परिषद सभापति किरण उपाध्याय ने कहा कि अपने व्यक्तिगत खर्च से ऐसे लोगों के बीच कंबल व रमं कापड़ों का वितरण करा रही हैं ताकि ठंड के इस मौसम में इन्हें परेशानी न हो। उन्होंने गरीब, बेसहारा व बेघर वाले लोगों को भरोसा दिलाया कि ठंड से बचाव के लिए वे अपने स्तर से हर संभव व्यवस्था कर रही हैं। उन्होंने कहा कि खासकर स्तम बस्तियों में निराश्रित परिवारों का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। इस कार्य में नगर परिषद के वाई पार्षद अपेक्षित सहयोग कर रहे हैं।

बिहार में और लुढ़केगा पारा; 25 जिलों में शीतलहर का अलर्ट, 12 में घने कोहरे की चेतावनी

नवप्रदेश, पटना: जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में हिमपात और बूंदाबांदी से मैदानी इलाकों में बर्फोली हवाओं का प्रवाह बढ़ा है। बिहार में कोहरे और सर्द पछुआ के चलते हाड़ कंपने देनेवाली ठंड पड़ रही है। राज्य के कई जिलों में सुबह और रात के वक्त घना कोहरा हो रहा है। सबसे कम दृश्यता वारमीकल नगर में 40 मीटर दर्ज की गई। मौसम विभाग के मुताबिक एक-दो दिनों तक न्यूनतम तापमान में वृद्धि होगी। उसके बाद लगातार दो-तीन दिनों तक न्यूनतम तापमान फिर से नीचे आएगा। रात के तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट का अनुमान है। इस बीच शनिवार को बिहार के 25 जिलों में शीत दिवस और 12 में घने कोहरे की चेतावनी जारी की गई है। इधर, शुक्रवार को राज्य के अधिकतम तापमान में 5.4 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट आने से राज्यभर में शीतलहर जैसे हालात बने रहे। इस सीजन में पहली बार



शुक्रवार को छपरा शीतलहर की चपेट में रहा। वहीं बक्सर व मुंगेर भीषण शीत दिवस जबकि पटना, फरबिसगंज, सदरसा, दरभंगा और अरवल शीत दिवस की चपेट में रहे। राज्यभर के अधिकतम तापमान में गिरावट और न्यूनतम में बढ़ोतरी हुई है।

प्रदेश का अधिकतम पारा 13.0 से 19.1 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 5.0 से 9.6 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। बिहार का सबसे कम तापमान 5.0 डिग्री सेल्सियस भागलपुर के सबौर और सबसे अधिक 19.1 डिग्री सेल्सियस

बेलदौर थाना क्षेत्र में असामाजिक तत्वों ने मवेशी के चारे में लगाई आग

नवप्रदेश, बेलदौर (खगड़िया): बेलदौर थाना क्षेत्र के कुर्बन पंचायत अंतर्गत सठमा गांव से पूर्व उदहा चौर में असामाजिक तत्वों द्वारा मवेशियों के चारे में आग लगाए जाने की घटना सामने आई है। इस आगजनी में पशुपालक अमित कुमार को भारी नुकसान हुआ है। पीड़ित पशुपालक ने इस संबंध में बेलदौर थाना अध्यक्ष को लिखित शिकायत दी है। जानकारी के अनुसार, अमित कुमार का करीब चार बीघा खेत में रखा पुवाल (मवेशियों का चारा) असामाजिक तत्वों ने आग लगाकर जला दिया। बताया गया कि उक्त बहियार में इससे पहले भी कई किसानों के मवेशियों की चारा जलाया जा चुका है, जिससे ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। घटना के संबंध में समाजसेवी पंकज यादव ने बताया कि यह कृत्य नशेड़ी एवं शराबी प्रवृत्ति के लोगों द्वारा किया गया है। जब ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंचे तो वहां गांजा पीने की चिलम तथा शराब पीकर फेके गए न्हास पड़े हुए मिले, जिससे आगजनी की आशंका और प्रबल हो गई।

14 गिरफ्तार, 82 पर फिर, कई पुलिसवाले भी नपे

नवप्रदेश, खगड़िया: चार साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म के बाद हत्या मामले में खगड़िया में 8 जनवरी को असमाजिक तत्वों द्वारा महिलाओं और युवकों की भीड़ जमाकर कलेक्ट्रेट परिसर व सभाकक्ष में हंगामा करने एवं तोफोड़ करने के मामले में पुलिस ने 14 लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। बताया जा रहा है कि इस मामले में शहर के चित्रगुप्तनगर थानाध्यक्ष के बयान पर थाने में 82 नामजद व अन्य अज्ञात के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया है। एसपी राकेश कुमार ने शुक्रवार को बताया कि कलेक्ट्रेट परिसर में जबरदस्ती घुसकर प्रदर्शन करने एवं सभाकक्ष में घुस कर हंगामा कर रहे लोगों को सदर एसडीपीओ वन मुकुल रंजन, चित्रगुप्त नगर, नगर थानाध्यक्ष द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए सप्तरी को बाहर निकाला गया था। भीड़ में शामिल लोगों द्वारा पीड़िता के फोटो और नाम को भी सार्वजनिक कर



दिया गया जो पॉक्सो अधिनियम की धारा 23 व भारतीय नागरिक संविता की धारा 72 का उल्लंघन है। इस मामले में एफआईआर दर्ज करते हुए 14 को गिरफ्तार किया गया है। वहीं इट्टी में लापरवाही बरतने के आरोप में शहर के राजेन्द्र चौक, कलेक्ट्रेट रोड, कलेक्ट्रेट परिसर में तैनात आठ पुलिस कर्मियों, ट्रैफिक में भी घुसकर हंगामा किया था।वहीं अधिकारियों की कुर्सी पर भी बैठकर सेल्फी समेत अन्य अव्यवहारिक आचरण कर रहे थे। एसपी राकेश कुमार ने हंगामा

भी वरीय अधिकारियों को ससमय में त्त सूचना दे सके और न ही नियंत्रित कर सके। इसके कारण कलेक्ट्रेट परिसर में घुसकर हंगामा किया गया। कलेक्ट्रेट परिसर में हंगामा के कारण अपना तफरी की स्थिति उत्पन्न हो गई थी। आतम यह था कि इस भीड़ में शामिल लोग, युवाओं ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में भी घुसकर हंगामा किया था।वहीं अधिकारियों की कुर्सी पर भी बैठकर सेल्फी समेत अन्य अव्यवहारिक आचरण कर रहे थे। एसपी राकेश कुमार ने हंगामा

नवप्रदेश, बिक्रमगंज : सहायक पुलिस अधीक्षक सह अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बिक्रमगंज आईपीएस संकेत कुमार का बिक्रमगंज से तंबदला हो गया। वे मुंगेर जिला के तारापुर अनुमंडल के एसएपी सह अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी होंगे। उनके स्थान पर तारापुर के एसडीपीओ सिंधु शेखर सिंह को बिक्रमगंज का अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बनाया गया है। गृह विभाग से इस संबंध में अधीसूचना जारी किया गया है। संकेत कुमार के तबदला से बिक्रमगंज के लोगों में मायूसी देखी जा रही है। इस संबंध में शनिवार



कारोबार करने वालों पर भी लगाम लग गया है। आपको बता दें कि भारतीय पुलिस सेवा के 2022 बैच के अधिकारी संकेत कुमार ने 11 अगस्त को बिक्रमगंज अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी का पदभार ग्रहण किये थे। निवर्तमान एसडीपीओ कुमार संजय ने उन्हें पदभार सौंपा था।

पूर्व प्रधानाचार्य रामईश्वर राय की पांचवीं पुण्यतिथि मनाई गई

नवप्रदेश, भोजपुर : कोल्हामपुर में 10 जनवरी 2026 को महान शिक्षाविद् एवं पूर्व प्रधानाचार्य स्व. रामईश्वर राय की पांचवीं पुण्यतिथि श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर उनके पुत्र प्रो. ब्रजेश कुमार राय एवं पुत्रवधू प्रो. सियामती राय ने संयुक्त रूप से उनकी आदरवद्ध प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। साथ ही उपस्थित बुद्धिजीवियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं दूर-दराज से आए गणमान्य लोगों ने उनके प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता सेवानिवृत्त शिक्षक एवं सांस्कृतिक लोकस्वर पत्रिका के प्रधान संपादक राजाराम सिंह ग्रियदर्शी ने की, जबकि मंच संचालन प्रो. निर्मल



कुमार सिंह घायल न किया। वक्ताओं ने स्व. राय के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने अपने जीवनकाल में शिक्षा की ऐसी अलख जगाई, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ी। बलिराम भगत उच्च विद्यालय, कृष्णाबाग बभनौली की स्थापना में उनका योगदान अतुलनीय रहा।

43 वें सीनियर राष्ट्रीय नेटबॉल में भोजपुर की बेटी नेहा उर्फ आर्या का चयन होने पर खुशी की लहर

नवप्रदेश, शाहपुर : भोजपुर की बेटी नेहा उर्फ आर्या का राष्ट्रीय सीनियर नेटबॉल प्रतियोगिता में चयन हुआ है। साथ ही वह अपने बिहार का प्रतिनिधित्व भी करेंगी। चयनित नेहा अब अगले 11 से 14 जनवरी तक हैदराबाद में अपनी खेल में पराक्रम दिखाते हुए नजर आएंगी। इनके चयनित होने से भोजपुर जिला सहित राज्य तथा देश का नाम रोशन हुआ है जो अत्यंत गौरव की बात है । मालूम हो कि नेहा का चयन काफी गर्व की बात है जो नेहा के कठिन मेहनत और लगन से संभव हो पाया है। नेहा ने यह साबित कर दिया है कि अब वक्त बेटियों का है, और अपना नाम और अपनी पहचान अपने काराबिलियत और मेहनत से रोशन करके ही मांगनी। नेहा देश की बेटियों के लिए एक नया अख्यार्थ लिख रही है, देश की बेटियों के सशक्त एवं मजबूतीकरण प्रदान करने में उसका नाम हमेशा हम सबके नजर में सर्वोच्च रहेगा,अपने देश की इस बेटी पर हम सभी को गर्व है।



विदित हो कि नेहा उर्फ आर्या भोजपुर जिले के कोईलवर प्रखंड के बीरमपुर गांव की रहने वाली है,उनके पिता श्री सत्येंद्र सिंह भी अपनी बेटी पर गर्व महसूस करते हुए बेहद खुश है,उनके पुरे गांव में इस वक्त खुशी का माहौल है।इनके चयनित होने पर नेहा को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए शाहपुर की पूर्व विधायिका मुनी देवी जी,तरारी की जिला परिषद सदस्य वंदना राजवंशी , मंदू दूवे ,शिवानी यादव,बीके सिंह,शानू सिंह,निधि सिंह सहित कई गणमान्य लोग उनके चयन पर बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित किए हैं।

उद्यम, संस्कृति और राष्ट्रभक्ति का संगम : शाह

माहेश्वरी ग्लोबल कन्वेंशन में आत्मनिर्भर भारत, स्वदेशी और स्वभाषा पर जोर

जोधपुर/जयपुर: जोधपुर के माणवाड़ कन्वेंशन सेंटर में आयोजित अंतरराष्ट्रीय ह्यमाहेश्वरी ग्लोबल कन्वेंशन के दूसरे दिन शनिवार को आस्था, उद्यमिता और राष्ट्रभक्ति का भव्य संगम देखने को मिला। इस अवसर पर देश-विदेश से आए हजारों माहेश्वरी समाज के प्रतिनिधियों की उपस्थिति ने सम्मेलन को ऐतिहासिक बना दिया। महासम्मेलन में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत सहित कई केंद्रीय एवं राज्य स्तरीय नेता शामिल हुए। सभी अतिथियों ने अपने संबोधन में माहेश्वरी समाज की सामाजिक, आर्थिक और राष्ट्रनिर्माण में भूमिका को रेखांकित किया। वक्ताओं ने कहा कि माहेश्वरी समाज ने सेवा, त्याग,

- आत्मनिर्गर् भारत के लिए स्वदेशी उत्पादन, उद्यमशीलता और स्वभाषा के प्रयोग अनिवार्य।
- माहेश्वरी समाज के सेवा, दान, रोजगार सृजन और राष्ट्रनिर्माण में योगदान की सराहना की गई।
- 2047 तक भारत को विश्व का अग्रणी राष्ट्र बनाने के लक्ष्य और आर्थिक प्रगति पर जोर दिया गया।



उद्यमशीलता और राष्ट्रभक्ति की परंपरा को पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ाया है। सम्मेलन के दौरान आत्मनिर्भर भारत, स्वदेशी उद्योग, वैश्विक व्यापार, सांस्कृतिक मूल्यों

और सामाजिक दायित्व जैसे विषयों पर व्यापक चर्चा की गई। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि समाज की आत्मनिर्भरता और

सामाजिक संगठनों की सक्रिय भूमिका से ही देश सशक्त बनता है। यदि सामाजिक संगठनों की शक्ति राष्ट्रहित में लगे, तो भारत को विश्व में अग्रणी बनने से कोई नहीं रोक

सकता। उन्होंने कहा कि माहेश्वरी समाज ने सेवा, समर्पण और राष्ट्र निर्माण के संकल्प को सदैव व्यवहार में उतारा है।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ह्यआत्मनिर्भर भारततह की संकल्पना को साकार करने में स्वदेशी वस्तुओं का उपयोग, देश की उत्पादन क्षमता में वृद्धि और स्वभाषा का प्रयोग अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि भाषा समाज, संस्कृति और परंपराओं को जीवंत रखती है, इसलिए नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने के लिए स्वभाषा में संवाद आवश्यक है।

अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संकल्प है कि वर्ष 2047 तक, जब देश आजादी के शताब्दी वर्ष में प्रवेश करेगा, भारत हर क्षेत्र में विश्व का अग्रणी राष्ट्र बने। उन्होंने बताया कि वर्ष 2014 के बाद भारत

की अर्थव्यवस्था 11वें स्थान से चौथे स्थान पर पहुंच चुकी है और देश शीघ्र ही विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में अग्रसर है। उन्होंने कहा कि निर्यात में दोगुनी वृद्धि हुई है, चार ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था का निर्माण हुआ है, मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में 70 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई है और डिजिटल ट्रांज़ेक्शन के क्षेत्र में भारत वैश्विक नेतृत्व कर रहा है।

शाह ने कहा कि माहेश्वरी समाज ने मैन्युफैक्चरिंग, ट्रेडिंग और तकनीक के क्षेत्र में देश की आत्मनिर्भरता में अहम योगदान दिया है। माहेश्वरी ग्लोबल एक्सपो के माध्यम से देश की आर्थिक मजबूती को नई दिशा मिलेगी। उन्होंने कहा कि देश के सांस्कृतिक पुनर्जागरण और आर्थिक विकास में माहेश्वरी समाज का योगदान ऐतिहासिक और अतुलनीय रहा है।

ओडिशा के राउरकेला में नौ सीटों वाला चार्टर विमान दुर्घटनाग्रस्त, छह लोग घायल

भुवनेश्वर: ओडिशा के राउरकेला शहर के रघुनाथपाली क्षेत्र अंतर्गत जल्दा ए ब्लॉक के पास शनिवार को एक छोटे चार्टर विमान की क्रैश लैंडिंग हो गई। इस हादसे में कुल छह लोग घायल हुए हैं। परिवहन मंत्री बिभूति जेना ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त विमान नौ सीटों वाला था और भुवनेश्वर से राउरकेला की ओर जा रहा था। विमान में चार यात्री और दो क्रू सदस्य सवार थे। घायल यात्रियों को पड़चान सुशान्त कुमार बिश्वाल, अनीता साहू, सुनील अग्रवाल और सविता अग्रवाल के रूप में हुई है। वहीं विमान के क्रू सदस्यों में कैप्टन नवीन काइंगा और कैप्टन तरुण श्रीवास्तव शामिल हैं।

हादसे के तुरंत बाद प्रशासन ने राहत और बचाव कार्य शुरू किया। सभी घायलों को



सुरक्षित बाहर निकालकर नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है।फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि किन परिस्थितियों में विमान की क्रैश लैंडिंग करनी पड़ी।

प्रशासन और संबंधित एजेंसियों ने घटना की जांच शुरू कर दी है ताकि दुर्घटना के वास्तविक कारणों का पता लगाया जा सके। मुख्यमंत्री मोहन माझी ने इस विमान दुर्घटना पर गहरा दुःख व्यक्त किया है। उन्होंनेने सोशल

भारत प्रकाशन उद्योग में दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा केंद्र : धर्मेन्द्र प्रधान

नई दिल्ली: केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने शनिवार को कहा कि भारत प्रकाशन उद्योग में दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा केंद्र बन चुका है। डिजिटल युग में कितबें मानव की सबसे बड़ी मित्र हैं और नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला ज्ञान, विचार और संस्कृति का महाकुंभ बन गया है। प्रधान ने यहां के भारत मंडपम में 10 से 18 जनवरी तक चलने वाले 53वें नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि मेले में 35 से अधिक देशों के 1,000 से ज्यादा प्रकाशक हिस्सा ले रहे हैं। इसके साथ ही 3,000 से अधिक स्टॉल लगाए गए हैं और 600 से ज्यादा साहित्यिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। यह पहली बार है जब विश्व पुस्तक मेले में आम जनता के लिए प्रवेश पूरी तरह नि:शुल्क रखा गया है, जिससे लाखों पाठक, छात्र और परिवार बिना किसी शुल्क के मेले में भाग ले सकेंगे।

सीआर पाटिल बोले, 'वीबी-जी राम जी' योजना यूपीए मॉडल से अलग



सूत्र: केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने कहा कि वर्तमान सरकार की 'वीबी-जी राम जी' योजना संयुक्त प्रगतिशील गठबन्धन (यूपीए) सरकार की योजना से पूरी तरह अलग है। गुजरात के सूत्र ने एक पत्रकार वार्ता के केंद्रीय मंत्री सीआर पाटिल ने बताया कि वर्ष 1980 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने एक समान योजना शुरू की थी। इसके बाद राजीव गांधी ने ह्यजनवाहरलाल नेहरू योजनाहू लागू की। वर्ष 2005 में तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की यूपीए सरकार ने मनरेगा योजना शुरू की

थी, जो केवल मजदूरी आधारित योजना थी और अन्य प्रकार के रोजगार को बढ़ावा नहीं देती थी। उन्होंने कहा कि मनरेगा के तहत लोगों को साल में केवल 100 दिनों का रोजगार मिलता था, जबकि वर्तमान में शुरू की गई 'विकसित भारत - रोजगार और आजीविका के लिए गारंटी मिशन(ग्रामीण) ' (वीबी-जी राम जी) के अंतर्गत इसे बढ़ाकर 125 दिनों का रोजगार कर दिया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि नई योजना का उद्देश्य सिर्फ मजदूरी नहीं, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्थायी रोजगार के अवसर पैदा करना है।

आई-पैक पर छापेमारी की विस्तृत रिपोर्ट ईडी ने दिल्ली भेजी

मुख्यमंत्री द्वारा दस्तावेज छीने जाने का भी उल्लेख

कोलकाता: पश्चिम बंगाल में अवैध कोयला तस्करी मामले की जांच के दौरान कोलकाता में हुई तलाशी अभियान को लेकर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अपनी विस्तृत रिपोर्ट दिल्ली स्थित मुख्यालय को भेज दी है। शुक्रवार को ही केंद्रीय गृह मंत्रालय ने ईडी से यह जानना चाहा था कि तलाशी के दौरान क्या-क्या घटनाएं घटीं। इसके अगले ही दिन ईडी ने पूरे घटनाक्रम का विवरण तैयार कर दिल्ली भेज दिया। माना जा रहा है कि यह रिपोर्ट आगे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के कार्यालय तक भी भेजी जा सकती है। सूत्रों के अनुसार, सॉल्टलेक सेक्टर-पांच स्थित आई-पैक (इंडियन पॉलिटेक्निकल एक्शन कमिटी) के दफ्तर और लाउंडन स्ट्रीट स्थित संस्था के प्रमुख प्रतीक जैन के आवास पर तलाशी



अभियान चलाने वाले ईडी अधिकारियों ने प्रत्यक्ष अनुभवों और घटनाक्रम के आधार पर यह रिपोर्ट तैयार की है। इन्में तलाशी के दौरान केंद्रीय बलों, कोलकाता पुलिस और राज्य प्रशासन की भूमिका का भी विस्तृत उल्लेख किया गया है। ईडी सूत्रों का दावा है कि गुरुवार को हुई घटना को लेकर गृह मंत्रालय ने विशेष रूप से यह जानना चाहा है कि तलाशी के समय किस तरह की बाधाएं उत्पन्न हुईं। इसी के आधार पर प्रत्यक्षदर्शी अधिकारियों के बयान शामिल कर

रिपोर्ट तैयार की गई। हालांकि, ईडी पहले ही जारी प्रेस विज्ञप्ति और कलकत्ता उच्च न्यायालय में दाखिल दस्तावेजों में उस दिन की घटनाओं का उल्लेख कर चुकी है। कथित एजेंसी की रिपोर्ट में यह आरोप भी शामिल है कि तलाशी अभियान के दौरान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने हस्तक्षेप किया और कथित तौर पर ईडी अधिकारियों से महत्वपूर्ण दस्तावेज जबर्न छीन लिए। रिपोर्ट के अनुसार, यह पूरा विवरण अब दिल्ली भेजी गई फाइल में भी दर्ज है।

खामेनेई की ट्रंप को खरी-खरी, अमेरिका ने कहा-प्रदर्शनकारियों को मारा तो दखल देंगे

तेहरान: ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला खामेनेई ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा कि अहंकारी शासक सत्ता के शिखर पर पहुंचते हैं तभी उनका पतन शुरू होता है। उन्होंने मोहम्मद रजा पहलवी का उल्लेख करते हुए कहा कि उन जैसे अहंकारी शासकों ने भी अपने घमंड की चरम सीमा पर पहुंच कर पतन देखा था और ट्रंप का भी यही हथ्र होगा। उधर, ईरान के पूर्व शाह के निर्वासित बेटे रजा पहलवी ने अमेरिकी राष्ट्रपति से ईरान में दखल देने के लिए तैयार रहने की अपील की है। ईरान में अराजकता के बीच ट्रंप ने कहा है कि वहां के हालात पर करीब से नजर रखी जा रही है। ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई ने सोशल प्लेटफॉर्म एक्स पर कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा कि दुनिया का तनातनाहों और घमंडी शासकों का अंत तब हुआ जब वे अपने घमंड के चरम पर थे, तुहारा भी पतन होगा। उन्होंने तेहरान और अन्य शहरों में हुई तोड़फोड़ की



कड़ी निंदा करते हुए इसके लिए प्रदर्शनकारियों को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने दावा किया कि कुछ लोग अमेरिकी राष्ट्रपति को खुश करने के लिए अपने ही देश को नुकसान पहुंचा रहे हैं। इससे पहले पूर्व शाह के निर्वासित बेटे रजा पहलवी ने अमेरिकी राष्ट्रपति को ईरान में हस्तक्षेप के लिए तैयार रहने की अपील करते हुए उनसे समर्थन मांगा है। उन्होंने एक्स पोस्ट के जरिए कहा है कि ईरान के लोग विरोध प्रदर्शन के लिए सड़कों पर उतरेंगे, यह समय बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने ट्रंप से कहा कि उनकी खामेनेई के आपराधिक शासन के प्रति धमकी ने सरकार के गुंडों को दूर रखा है और यह समय बहुत अहम है।

युद्ध इच्छाशक्ति से जीते जाते हैं, हथियारों से नहीं: डोमाल

नई दिल्ली: राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने शनिवार को कहा कि युद्ध केवल हथियारों और संसाधनों से नहीं जीते जाते, बल्कि राष्ट्र की इच्छाशक्ति और मनोबल से जीते जाते हैं। हम साइकोपैथ नहीं हैं जिन्हें दुश्मन के शव या कटे हुए अंग देखकर संतोष मिले। लड़ाइयां इसके लिए नहीं लड़ी जातीं, बल्कि किसी क्षति बन जाना है और उसे हमारी शतों पर आत्मसमर्पण करने के लिए लड़ी जाती हैं।

डोभाल ने यहां आयोजित विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग के उद्घाटन समारोह में युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि इच्छाशक्ति ही राष्ट्रीय शक्ति बन जाती है और युवाओं को इसे मजबूत करना चाहिए। उन्होंने युवाओं से कहा कि निर्णय लेने की क्षमता अत्यंत महत्वपूर्ण है और किसी भी कदम से पहले दो कदम आगे की सोच रखनी चाहिए। सपने दिशा देते हैं लेकिन उन्हें निर्णय और फिर क्रियान्वयन में बदलना सफलता



दिलाता है। एनएसए ने कहा कि वे पराधीन भारत में पैदा हुए थे जबकि आज के युवा स्वतंत्र भारत में जन्मे हैं। स्वतंत्रता पाने के लिए हमारे पूर्वजों ने अपार बलिदान दिए। भगत सिंह जैसे क्रांतिकारियों ने फांसी का सामना किया, सुभाष चंद्र बोस ने जीवनभर संघर्ष किया और महात्मा गांधी ने सत्याग्रह का मार्ग अपनाया। हमारी सभ्यता हमेशा विकसित रही है, हमने कभी किसी के मंदिर नहीं तोड़े, किसी पर आक्रमण नहीं किया और न ही लूटपाट का लेकिन अपनी सुरक्षा को लेकर हम उदासीन रहे और यही हमारी सबसे बड़ी कमजोरी

रही। अगर आने वाली पीढ़ियां इतिहास से सबक नहीं लेंगी तो यह देश की सबसे बड़ी त्रासदी होगी। डोभाल ने कहा कि दुनिया में हो रहे युद्ध और संघर्षों को देखें तो साफ है कि कुछ देश दूसरों पर अपनी इच्छा थोपना चाहते हैं। इसके लिए अपनी ताकत का प्रयोग कर रहे हैं। अगर कोई देश इतना शक्तिशाली है कि कोई उसका स्वतंत्र रहेगा लेकिन अगर संसाधन और हथियार हों, पर मनोबल न हो तो सब कुछ बेकार हो जाता है। उन्होंने कहा कि मनोबल बनाए रखने के लिए नेतृत्व जरूरी होता है

और आज हम भाग्यशाली हैं कि हमारे देश में ऐसा नेतृत्व है जिसने पिछले दस वर्षों में भारत को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है।

उन्होंने कहा कि हर युवा के अंदर एक आग होनी चाहिए। ह्यबदलाहू शब्द शायद अच्छा न लगे लेकिन बदला खुद एक ताकतवर एहसास है। हमें अपने इतिहास का बदला लेना है और इस देश को उस मुकाम पर वापस ले जाना है, जहां हम अपने अधिकारों, विचारों और विश्वास के आधार एक महान भारत का निर्माण कर सकें। एनएसए ने कहा कि सही समय पर, पूरे विश्वास और आस्था के साथ लिया गया निर्णय ही नेता को सफल बनाता है।

केंद्रीय खेल एवं युवा मामलों के मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा कि विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग प्रतियोगिता में 50 लाख से अधिक युवाओं ने भाग लिया। इनमें से तीन लाख युवाओं ने दस विषयों पर निबंध लिखे, जिन्हें विशेषज्ञ प्रोफेसरों ने परखा।

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली विधानसभा ने पंजाब के तीन अफसरों को भेजा नोटिस



नई दिल्ली : दिल्ली विधानसभा सचिवालय ने शनिवार को पंजाब पुलिस के तीन प्रमुख अधिकारियों को नोटिस जारी कर विधानसभा के एक वीडियो विलप का इस्तेमाल करते हुए दिल्ली के विधि मंत्री कपिल मिश्रा के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने के मामले में 48 घंटे के भीतर जवाब मांगा है। दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने विधानसभा परिसर में पत्रकार वार्ता में बताया कि पंजाब के पुलिस महानिदेशक, विशेष पुलिस महानिदेशक (साइबर अपराध) और जालंधर पुलिस आयुक्त को विधानसभा के विशेषाधिकारों के

उल्लंघन के लिए नोटिस जारी किए गए हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली विधानसभा सचिवालय ने जालंधर में एफआईआर दर्ज किए जाने के मामले में औपचारिक नोटिस जारी किया है, जो विधानसभा की कार्यवाहियों की कथित छेड़छाड़ वाले वीडियो विलप से संबंधित है।

राम मंदिर परिसर में नमाज पढ़ने की कोशिश, हिरासत में लिया गया शख्स

अयोध्या : उत्तर प्रदेश के जनपद अयोध्या के राम जन्म भूमि मंदिर परिसर से एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है। व्यक्ति नमाज पढ़ने की कोशिश कर रहा था। मौके पर मौजूद सुरक्षा कर्मियों ने उसे पकड़ लिया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार पकड़े गए व्यक्ति की पहचान कश्मीर निवासी अहमद शेख के रूप हुई है। मौके पर मौजूद सुरक्षा कर्मियों ने उसे रोकते तो वह कथित

तौर पर संप्रदाय विशेष के नारे लगाने लगा, जिसके बाद मौके पर मौजूद सुरक्षा बलों ने उसे तत्काल हिरासत में ले लिया। हालांकि, इस मामले पर जिला प्रशासन की ओर से फिलहाल कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। वहीं राम मंदिर ट्रस्ट ने भी पूरे प्रकरण पर अभी कोई बयान नहीं जारी किया है। फिलहाल व्यक्ति को हिरासत में लेकर उससे पूछाछा की जा रही है।

पाकिस्तान से ड्रोन के जरिये गिराई गई हथियारों की खेप बरामद, तलाशी अभियान जारी



जम्मू : जम्मू संभाग के सांबा जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास अग्रिम क्षेत्र से पाकिस्तान से ड्रोन के जरिये गिराई गई हथियारों की खेप बरामद की गई है। अधिकारियों ने बताया कि आगामी गणतंत्र दिवस समारोह को बाधित करने के आतंकवादियों के किसी भी प्रयास को विफल करने के लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच दो पीसीटी, तीन मेगजीन, 16 राउंड और एक ग्रेनेड सहित इस खेप की बरामदगी की गई। उन्होंने बताया कि सीमा पार से ड्रोन की सदिग्ध गतिविधि की सूचना मिलने के बाद सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और जम्मू-कश्मीर पुलिस के विशेष

बंगाल को बचाने के लिए टीएमसी को सत्ता से हटाना जरूरी: गिरिराज सिंह

नई दिल्ली : केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने शनिवार को आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पश्चिम बंगाल को बांग्लादेश बना कर बुसपेटियों के हवाले कर देना चाहती हैं। उन्होंने कहा कि यदि राज्य को बचाना है तो गुणमूल कांग्रेस को सत्ता से हटाना जरूरी है। गिरिराज ने एक्स पोस्ट में पश्चिम बंगाल की कानून-व्यवस्था और राजनीतिक दिशा पर गंभीर आरोप लगाए और उन्होंने यहां हिंदुओं की सुरक्षा पर चिंता व्यक्त की कि बंगाल में कोई ऐसा जिला नहीं बचा है, जहां हिंदू डरे हुए, सहमे हुए नहीं हैं।

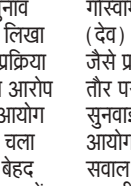
उन्होंने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों से कागजात छीन लिये जाने की घटना को लेकर मुख्यमंत्री ममता को संविधान विरोधी बताया और सवाल किया, आज तक कहीं देखा है कि कोई मुख्यमंत्री ईडी के हाथों से कागजात छीन ले और डीजीपी को लेकर के सारे कागजात चुरा लिए, अखिर चुराने की जरूरत क्या पड़ी? कौन ऐसा गुप्त कागज था? मुख्यमंत्री को डर था कि गुप्त कागजात मिलने पर अविशेषक बनर्जी फंस जाएंगे, इसीलिए वह स्वयं गयीं और कागजात वहां से छुड़ाकर ले आईं।



एसआईआर को लेकर लोगों की परेशानियों पर ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग को लिखा पत्र

कोलकाता : पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के नाम पर आम लोगों को परेशान किए जाने का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने

आरोप लगाया कि एसआईआर सुनवाई के दौरान केवल आम लोग ही नहीं, बल्कि नोबेल पुरस्कार विजेता अर्थशास्त्री प्रोफेसर अमर्त्य सेन, कवि जय



एक बार फिर देश के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पत्र लिखा है। मुख्यमंत्री ने एसआईआर प्रक्रिया में संवेदनशीलता की कमी का आरोप लगाते हुए कहा है कि चुनाव आयोग जिस तरह से इस प्रक्रिया को चला रहा है, उससे वह स्तब्ध और बेहद व्यक्ति है। मुख्यमंत्री ने अपने पत्र में कहा कि एसआईआर पूरी तरह मशीन और प्रक्रिया-निर्भर हो गया है, जिसमें मानवीय संवेदनशीलता का घोर अभाव दिखाई देता है। उन्होंने दावा किया कि एसआईआर से जुड़े आतंक के कारण अब तक 77 लोगों की मौत हो चुकी है और इन मौतों के पीछे इसी प्रक्रिया से उपजा मानसिक दबाव जिम्मेदार है। ममता बनर्जी ने

गोस्वामी, अभिनेता दीपक अधिकारी (देव) और क्रिकेटर मोहम्मद शमी जैसे प्रतिष्ठित व्यक्तियों को भी कथित तौर पर परेशान किया गया। उन्हें भी सुनवाई के लिए बुलाया गया, जो आयोग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि नाम या पते में बदलाव के मामलों में विवाहित महिलाओं को भी अनावश्यक रूप से सुनवाई के लिए बुलाया जा रहा है, जिससे उन्हें मानसिक और सामाजिक रूप से परेशान होना पड़ रहा है। इसके साथ ही उन्होंने एसआईआर सुनवाई में तेनात पर्यवेक्षकों और माइक्रो ऑडियरों की भूमिका पर भी सवाल उठाए।

विश्व पुस्तक मेले में संस्कृति मंत्रालय की पवेलियन का उद्घाटन



नई दिल्ली : केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने यहां के भारत मंडपम में 10-18 जनवरी तक चल रहे विश्व पुस्तक मेले में केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय की पवेलियन का आज उद्घाटन किया। इस अवसर पर उनके साथ मेले के अतिथि क्तर के संस्कृति मंत्री शेरिफ अब्दुलरहमान बिन हमद बिन जस्सिम अल थानी, स्नैन के संस्कृति मंत्री अर्नेस्ट उतार्सुन डोमेनक, संस्कृति मंत्रालय के मान्य संयुक्त सचिव समर नंदा एवं साहित्य अकादमी की सचिव पल्लवी प्रशांत होलकर उपस्थित थे। पल्लवी प्रशांत होलकर ने बताया कि इस बार संस्कृति मंत्रालय के अंतर्गत सभी संस्थाओं को एक साथ एक पवेलियन में स्थान दिया गया है। हॉल सं. 5 में बने इस पवेलियन में 26 संस्थाओं के 35 स्टॉल लगे हैं, जिन्हें पुस्तकों की

बिक्री के साथ ही कुछ महत्वपूर्ण सामग्री भी प्रदर्शित की गई है। इस दौरान साहित्य अकादमी विभिन्न साहित्यिक कार्यक्रमों का भी आयोजन करेगी। सभी अतिथियों ने साहित्य अकादमी के स्टॉल का निरीक्षण किया। साहित्य अकादमी की सचिव होलकर ने सभी अतिथियों को अकादमी द्वारा 24 भारतीय भाषाओं में प्रकाशित की जा रही पुस्तकों की जानकारी देते हुए कुछ विशिष्ट पुस्तकों के बारे में भी बताया। साहित्य अकादमी एवं अन्य संस्थाओं द्वारा प्रकाशित पुस्तकों के कैटलॉग भी अतिथियों को भेंट किए गए। उल्लेखनीय है कि साहित्य अकादमी इस दौरान 18 महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित कर रही है, जो हॉल सं. 2 स्थित 'लेखक मंच' पर आयोजित होंगे।